दैनिक विनय उजाला
इंदौर, भोपाल, उज्जैन, अलीराजपुर से एक साथ प्रकाशित
मूल्य ₹ 3.00
RNI. Reg. MPHIN/2009/35176
इंदौर
सोमवार, 12 मई 2025
वैशाख शुक्ल पक्ष – 15
वर्ष : 16 | अंक : 227
कुल पृष्ठ : 12

विष्णु के अवतार भगवान बुद्ध...05

न डरते हैं, न डराते हैं, सच सामने लाते हैं..!

पाकिस्तान से गोली चलेगी तो, यहां से गोला चलेगा...

प्रधानमंत्री मोदी का सेना को सख्त निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी ने तीनों सेनाओं और सुरक्षा बलों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वहां से गोली चलेगी, यहां से गोला चलेगा। यानी अब भारत रक्षात्मक नहीं रहेगा, बल्कि आक्रामक नीति अपनाएगा।

सूत्रों ने यह भी बताया कि पाकिस्तान को यह समझना होगा कि अब पुराने तरीके से काम नहीं चलेगा। वहीं न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से साफ कहा था कि अगर पाकिस्तान कुछ करता है तो जवाब और भी विनाशकारी और कड़ा होगा। उसी रात पाकिस्तान ने 26 ठिकानों पर हमला किया और भारत ने इस पर जोरदार जवाबी कार्रवाई की। भारत ने साफ किया आतंकियों को सौंपने के अलावा हम किसी अन्य मुद्दे पर बात नहीं करेंगे। कश्मीर पर हमारी स्थिति बहुत स्पष्ट है, अब केवल एक ही मुद्दा बचा है- पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस करना। इसके अलावा और कोई बात नहीं है। अगर वे आतंकवादियों को सौंपने की बात करते हैं, तो हम बात कर सकते हैं।

सेना की धमक रावलपिंडी तक पहुंची : राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सेना की तारीफ करते हुए कहा कि भारत ने पाकिस्तान में घुसकर हमला किया है। उन्होंने कहा, जिन भारत विरोधी और आतंकी संगठनों ने भारत माता के मस्तक पर हमला करके कई परिवारों के सिंदूर मिटाए थे, उन्हें भारतीय सेना ने 'आपरेशन सिंदूर' के माध्यम से इंसाफ दिलाने का काम किया है। इसके लिए आज सारा देश भारतीय सेनाओं का अभिनंदन कर रहा है। भारतीय सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर को पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ढांचा ढहाने के उद्देश्य से लॉन्च किया था। हमने उनके आम नागरिकों को कभी निशाना नहीं बनाया था। मगर पाकि स्तान ने न केवल भारत के नागरिक इलाकों को निशाना बनाया बल्कि मंदिर, गुरुद्वारा और गिरिजाघर पर भी हमले करने का प्रयास किया। भारतीय सेना ने शौर्य और पराक्रम के साथ-साथ संयम का भी परिचय देते हुए पाकिस्तान के अनेक सैन्य ठिकानों पर प्रहार करके करारा जवाब दिया है। हमने केवल सीमा से सटे सैन्य ठिकानों पर ही नहीं कार्रवाई की बल्कि भारत की सेनाओं की धमक उस रावलपिंडी तक सुनी गई जहां पाकिस्तानी फौज का हेडक्वार्टर मौजूद है।

सीमा पर क्या हो रहा है?

सूत्रों का कहना है कि, भारत और पाकिस्तान के बीच कोई राजनयिक वार्ता फिलहाल नहीं हो रही है। सिर्फ दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों डायरेक्टर जनरल्स ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन्स (डीजीएमओ) के बीच संपर्क हुआ है ताकि सीमा पर स्थिति को संभाला जा सके। इसके साथ ही भारत का संदेश बिल्कुल साफ है- अब अगर पाकिस्तान गोली चलाएगा, तो भारत दोगुनी ताकत से जवाब देगा। और जब तक पीओके का मुद्दा हल नहीं होता, तब तक कोई भी बातचीत, मेल-मिलाप या समझौता संभव नहीं है।

ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नही : सरकार

भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच सरकारी सूत्रों ने साफ कर दिया है कि ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है। यह कोई एक दिन की कार्रवाई नहीं थी, बल्कि अब इसे भारत-पाक रिश्तों का नया दौर कहा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, यह स्थिति अब स्थायी रूप से बनी रहेगी और दुनिया को इसे नए सामान्य की तरह स्वीकार करना होगा।

यूएन में पाकिस्तान का चेहरा करेंगे बेनकाब

इधर, भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पूरी तरह से आक्रामक कार्रवाई का रुख अपना लिया है। पहले संघर्ष के मैदान में हर तरीके से पछाड़ने के बाद अब भारत पाकिस्तान को वैश्विक स्तर पर उसका आतंकवाद के समर्थक वाला चेहरा बेनकाब करेगा। जानकारी के मुताबिक, भारत आतंकवाद में पाकिस्तान की संलिप्तता के नवीनतम सबूतों के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में एक टीम भेजेगा। जानकारी के मुताबिक, अगले सप्ताह यूएनएससीआर 1267 प्रतिबंध समिति की बैठक होगी।

संक्षिप्त समाचार

बिल्डर को धमकाने के मामले में छोटा राजन बरी

मुंबई, एजेंसी। केंद्र अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को उस समय झटका लगा, जब एक विशेष कोर्ट ने दो दशक बाद गैंगस्टर छोटा राजन को एक बिल्डर को धमकाने के मामले में बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष यह आरोप साबित करने में असफल रहा, क्योंकि गवाहों की गवाही में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला। हालांकि, छोटा राजन अब भी तिहाड़ जेल में ही रहेगा। वह अभी मुंबई के क्राइम रिपोर्टर ज्योतिर्मय डे की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है। विशेष न्यायाधीश ए.एम. पाटिल ने गुरुवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष का सबसे विश्वसनीय गवाह भी इस बात को लेकर निश्चित नहीं है कि फोन पर बिल्डर को धमकी देने वाला व्यक्ति वास्तव में छोटा राजन ही था। मामले की जांच करने वाली सीबीआई ने कहा था कि बिल्डर नंद कुमार हरचंदानी को छोटा राजन के नाम पर कई धमकी भरे फोन आए थे, जिनमें कहा गया था कि वह कुछ कुछ व्यापारियों के बकाया पैसे चुका दे। अभियोजन पक्ष का दावा था कि पैसे के लेन-देन को लेकर छोटा राजन नाराज था और उसने बिल्डर को सबक सिखाने की योजना बनाई थी। आरोप था कि राजन ने अपने सहयोगियों के जरिए हरंचदानी को कहा था कि वह निर्माण कार्य रोक दे। सितंबर 2004 में सात अज्ञात लोग हरचंदानी के दफ्तर में घुसे और उनके अकाउंटेंट पर गोलीबारी की, लेकिन वह बाल-बाल बच गए।

भारतीय सेना की जानकारी देने वाले दे पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब की मलेरकोटला पुलिस ने दो लोगों को पकड़ा है जो भारत की सेना से जुड़ी गोपनीय जानकारी पाकिस्तान भेज रहे थे। ये जानकारी पाकिस्तान के एक अधिकारी को भेजी जा रही थी, जो दिल्ली में पाक हाई कमीशन (राजनयिक दूतावास) में तैनात है। इन आरोपियों को ऑनलाइन पेमेंट मिल रहा था। वे पैसों के बदले भारतीय सेना की गतिविधियों की जानकारी पाकिस्तान भेजते थे। जब पुलिस को पुख़्ता जानकारी मिली तो एक व्यक्ति को पहले पकड़ा गया, जिसने पूछताछ में दूसरे व्यक्ति का नाम बताया और उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया। इनके पास से दो मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं और मामला दर्ज कर लिया गया है। इस संबंध में पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने जानकारी साझा की है।

महापौर मेगा रोजगार मेला... हितग्राहियों को लाभ वितरण और युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र

युवाओं को रोजगार देकर स्वावलंबी बनाना हमारी प्राथमिकता: डॉ. यादव

विनय उजाला

इंदौर, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे राज्य का युवा सक्षम, योग्य और आत्मनिर्भर बने यह हमारी सरकार की प्राथमिकता है। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है कि रोजगार/स्वरोजगार देकर स्वावलम्बी समाज और स्वावलम्बी प्रदेश बनाया जाये। इस दिशा में हम तेजी से लगातार आगे बढ़ रहे हैं।

प्रदेश में हर क्षेत्र में रोजगार सृजन के लिए तेजी से प्रयास किए जा रहे हैं, चाहे वह परंपरागत दुग्ध पालन का क्षेत्र हो या आधुनिक आईटी का क्षेत्र। प्रदेश में रोजगार आधारित औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिये इंड्रस्टी कॉन्क्लेव व्यापक स्तर पर आयोजित की गई। इसके बेहतर परिणाम भी सामने आ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को दशहरा मैदान, इंदौर में आयोजित महापौर मेगा रोजगार मेला के उद्घाटन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, तुलसीराम सिलावट, राज्य मंत्री गौतम टेटवाल, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक मालिनी गौड़, रमेश मेंदोला, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा आदि जनप्रतिनिधि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन सुनैना शर्मा ने किया।

170 से ज्यादा कंपनियां हुई शामिल : महापौर भार्गव

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में आज इंदौर शहर में महापौर मेगा रोजगार का आयोजन किया गया, जिनके नेतृत्व में मध्य प्रदेश और इंदौर शहर के हजारों नवजवानों को रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है, इंदौर अपनी नवाचार के माध्यम से इस रोजगार मेला में स्टार्टअप कंपनियों को भी सम्मिलित किया है। महापौर भार्गव ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मध्य प्रदेश और इंदौर शहर में आयोजित मेले में नौकरी देने वाला मेला साबित हुआ है, जहां पर 170 से अधिक कंपनियों एवं 145 से अधिक काउंटरों के माध्यम से 20000 से ज्यादा युवाओं ने पंजीयन कराया गया है और बड़ी संख्या में युवाओं को साक्षात्कार के माध्यम से चार पैकेज में 6 से लेकर 8 लाख तक की नौकरी के ऑफर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह मेला न केवल रोजगार का माध्यम है, बल्कि युवाओं में आत्मविश्वास और दिशा निर्माण का प्रेरक मंच भी सिद्ध हुआ है।

इंदौर में स्थापित होगी स्वामी विवेकानंद की सबसे ऊंची प्रतिमा

मुख्यमंत्री ने सिरपुर स्थित देवी अहिल्या सरोवर उद्यान में स्वामी विवेकानंदजी की विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा के निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। यह भव्य प्रतिमा भारत की युवा शक्ति के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंदजी के विचारों और शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगी। यह ऐतिहासिक पहल इंदौर को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से एक नई पहचान दिलाएगी।

तालाब पर श्रमदान कर जल संरक्षण के प्रति प्रोत्साहित किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं महापौर पुष्यमित्र भार्गव की उपस्थिति में सांवेर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत स्थित कनाड़िया तालाब पर श्रमदान कर जल संरक्षण के प्रति जनसहभागिता को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने जानकारी दी कि नगर निगम द्वारा जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत शहर के 27 प्रमुख तालाबों की कैचमेंट चैनलों का गहरी करण एवं चौड़ीकरण, साथ ही तालाबों की बाउंड्री के मजबूती करण का कार्य किया जा रहा है।

तीनों सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी

पाकिस्तान ने सीजफायर तोड़ा तो तगड़ा जवाब देंगे

ऑपरेशन सिंदूर में दुश्मन के 40 सैनिक-अफसर मारे, 100 से ज्यादा आतंकी खत्म

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर के 25 घंटे बाद रविवार को तीनों सेनाओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, वाइस एडमिरल एएन प्रमोद और एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा- आप सबको पता है कि पहलगाम अटैक में किस क्रूरता से 26 लोगों को मारा गया था। इसके बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और एलओसी स्थित आतंकी ठिकानों को टारगेट किया। इसमें दुश्मनों को भारी नुकसान हुआ। घई ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत 7 मई को हुई कार्रवाई में सीमा पार 9 ठिकानों पर हमने 100 आतंकवादी मार गिराए। इसमें कंधार हाईजैक और पुलवामा अटैक में शामिल 3 बड़े आतंकी चेहरे भी शामिल थे।

पाक के इन ठिकानों पर हमले किए

एयर मार्शल एके भारती ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के कई ठिकानों पर हमले किए। उन्होंने भारत के सैन्य अभियानों के असर की विस्तृत वीडियो भी दिखाई। जिन ठिकानों पर हमले किए, जिनमें पसरूर एयर डिफेंस रडार, चुनियन एयर डिफेंस रडार, आरिफवाला एयर डिफेंस रडार, सरगोधा एयरफील्ड, रहमियार खान एयरफील्ड, कलाला एयरफील्ड (नूर खान), सुक्कुर एयरफील्ड, भोलारी एयरफील्ड, जैकोबाबाद एयरफील्ड शामिल है।

भारत ने पहले हमला किया, हमने आत्मरक्षा में जवाब दिया : पाक

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के दूसरे दिन पाकिस्तानी सेना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता अहमद शरीफ चौधरी ने रविवार शाम 7.45 बजे मीडिया के सामने दावा किया कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान पर पहले हमला किया। चौधरी ने दावा किया कि पाकिस्तान ने भारत पर जो भी हमले किए हैं, वे आत्मरक्षा में किए गए थे। उन्होंने पाकिस्तानी सेना की तारीफ भी की। पाकिस्तान की जनता अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय रक्षा के लिए तैयार है। भारत मिलिट्री ऑपरेशन चाहता है तो ये उसकी मर्जी है, आगे ये किधर जाएगा ये हमारी मर्जी होगी।

पाक ने आंख उठाई तो खैर नहीं

भारत हर साल बनाएगा 100 ब्रह्मोस मिसाइलें

नई दिल्ली। भारत ने रविवार को ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी का उद्घाटन किया, जो उत्तर प्रदेश के डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का हिस्सा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसका वर्चुअल उद्घाटन किया। यह वही ब्रह्मोस है, जिसने हाल ही में पाकिस्तान के कई एयरबेस को निशाना बना कर दुनिया को भारत की सैन्य क्षमता का अहसास कराया था। यह यूनिट हर साल 80 से 100 ब्रह्मोस मिसाइल बनाएगी और भविष्य में 100 से 150 एनजी वर्जन तक का उत्पादन करेगी। डीआरडीओ और रूस की एनपीओ मशीनोंस्ट्रोयेनिया के संयुक्त उपक्रम ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा विकसित इस मिसाइल की मारक क्षमता 400 किमी तक है।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री के बदले सुर

आतंकवाद पर बातचीत को तैयार पाकिस्तान ने लगाई गुहार

इस्लामाबाद, एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर से हालत पस्त होने के बाद अब पाकिस्तान भारत के साथ आतंकवाद के मुद्दे पर बात करने की गुहार लगाने लगा है।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि वह आतंकवाद, कश्मरी और सिंधु जल संधि जैसे मुद्दों पर निकट भविष्य में भारत के साथ बात करना चाहते हैं। हालांकि भारत स्पष्ट कह चुका है कि कश्मीर कोई मुद्दा ही नहीं है। कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और इसपर बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है। वहीं भारत का यह भी स्पष्ट स्टैंड है कि जबतक पाकिस्तान आतंकियों को पनाह देता रहेगा, उसके साथ बातचीत संभव ही नहीं है। भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक वार-पलटवार के बाद दोनों देश सीजफायर पर सहमत हुए हैं। हालांकि पाकिस्तान की फितरत किसी से छिपी नहीं है। पाकिस्तान की सेना खुद उसकी सरकार के ही काबू में नहीं है। सेना आतंकियों के इशारों पर काम करती है। आसिफ ने कहा कि भारत के साथ सिंधु जल संधि, आतंकवाद और कश्मीर बड़े मुद्दे हैं जिनपर बातचीत की जा सकती है।

राहुल गांधी बोले- सरकार संसद सत्र बुलाए

कांग्रेस का पोस्टर- इंदिरा होना आसान नहीं, अमेरिकी हस्तक्षेप पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को सीजफायर का ऐलान किया गया। एक दिन बाद कांग्रेस ने दिल्ली में हेडक्वॉर्टर के बाहर इंदिरा होना आसान नहीं वाला पोस्टर लगाया। इस पोस्टर के साथ ही 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के सरेंडर वाली तस्वीरें भी लगाई।

पोस्टर में इंडिया मिस इंदिरा (भारत इंदिरा को याद कर रहा है) की बात भी लिखी गई। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री को लेटर लिखकर संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाने का अनुरोध किया है। भारत सरकार को एक सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए और जो पिछली दो मीटिंग में नहीं हुआ उस पर बात करनी चाहिए। प्रधानमंत्री को पूरे देश और दलों को विश्वास में लेना चाहिए, क्योंकि सभी दलों ने अपनी विचारधारा को परे रखते हुए भारत सरकार को संपूर्ण समर्थन दिया था। सरकार को बताना चाहिए कि सीजफायर किन शर्तों पर हुआ है? क्या गारंटी है कि भविष्य में इस प्रकार की घटना को अंजाम नहीं दिया जाएगा?

तीसरे पक्ष की भागीदारी स्वीकार नहीं की जाएगी

सचिन पायलट ने कहा कि 1971 में जब युद्ध छिड़ा था, तब अमेरिका ने कहा था कि हम बंगाल की खाड़ी में अपना सातवां बेड़ा भेज रहे हैं। तब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी आगे बढ़ीं और वो किया जो देशहित में जरूरी था। आज हम उन्हें याद कर रहे हैं। जब संसद पर हमला हुआ था, तब अटल जी प्रधानमंत्री थे और सोनिया गांधी जी नेता प्रतिपक्ष थीं। उन्होंने सदन के पटल पर खड़े होकर कहा था कि पूरा देश और पूरा विपक्ष सरकार के साथ है। उन्हीं परंपराओं को कायम रखते हुए प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस पार्टी और तमाम दलों ने फिर से सरकार को पूरा समर्थन दिया था। पिछले कई दशकों से हमारी विदेश नीति बड़ी स्पष्ट थी। उसमें मध्यस्थता, समझौते और तीसरे पक्ष के शामिल होने की बात नहीं होती थी। हमारे सैनिकों ने पिछले दिनों जिस ताकत, शौर्य और कार्यकुशलता से पाकिस्तान को मजा चखाने का काम किया है, उस पर हम सभी को नाज और फ़ख है।

जनजातीय कला और शिल्प हमारी लोक संस्कृति की अनमोल धरोहर : राज्यपाल पटेल

जनजातीय समुदाय की सतत आजीविका के लिए राज्य सरकार के प्रयास सराहनीय

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि जनजातीय द्वारा सदियों से संरक्षित खान-पान, लोक कलाएं, शिल्प, वस्त्र, आभूषण, उपकरण और चिकित्सा पद्धतियां सभी हमारी अनमोल धरोहर है। हमारी इस लोक संस्कृति का संरक्षण और प्रोत्साहन समाज का दायित्व है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा जनजातीय समुदाय की सतत आजीविका के लिए प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित मौलिक, स्वाभाविक, कला, शिल्प और संस्कृति की सृजनशीलता को निखार कर व्यवसायिक बनाने के प्रयासों की सराहना की है।

राज्यपाल श्री पटेल तीन दिवसीय शिल्प ग्राम महोत्सव के समापन कार्यक्रम को रवीन्द्र भवन में संबोधित कर रहे थे। महोत्सव का आयोजन जनजातीय कार्य विभाग द्वारा वन्या प्रकाशन, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान और ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट के समन्वय से किया गया था। राज्यपाल श्री पटेल ने समापन कार्यक्रम के पूर्व सभागार में उपस्थित कलाकारों के पास पहुंचे और समक्ष में उनसे चर्चा की। कार्यक्रम में राज्यपाल को बैतूल जिले के शिल्पकारों की बेल मेटल से बनी जनजातीय कलाकृति स्मृति प्रतीक के रूप में और महोत्सव के प्रशिक्षणार्थी शिल्पियों, कलाकारों द्वारा निर्मित उत्पादों का सेट भेंट किए गए। राज्यपाल का वरिष्ठ गोंड कलाकार श्री आनंद श्याम ने पारंपरिक गोंड परंपरा के अनुसार साफा और बीरन माला से स्वागत किया।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि जनजातीय समुदाय के लिए गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय समुदाय को सक्षम बना कर उनके विकास और खुशहाली के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं।पूरे देश में जनजातीय आबादी के लिए समान अवसरों के सृजन, सामाजिक-आर्थिक स्तर को उठाने, स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढांचे में सुधार और आजीविका के कार्य धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश की अति पिछड़ी जनजातियों जिनमें राज्य के बैगा, भारिया, सहरिया जनजातीय समुदाय शामिल हैं, उनके लिए जनमन योजना के तहत सुरक्षित आवास,

स्वच्छ पेयजल तक पहुँच, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, पोषण, सड़क एवं दूरसंचार कनेक्टिविटी के साथ-साथ स्थायी आजीविका के अवसर उपलब्ध कराए हैं।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जनजाति समुदाय की आनुवंशिक बीमारी सिकल सेल को वर्ष 2047 तक समाप्त करने का संकल्प किया है। संकल्प की सफलता के लिए सरकार और समाज को मिलकर आगे आना होगा। राज्य सरकार द्वारा अभियान के रूप में कार्यवाही करते हुए प्रदेश की 1 करोड़ 6 लाख जनजातीय बहनों-भाईयों की स्क्रीनिंग कर ली है। स्क्रीनिंग में 2 लाख 6 हजार से अधिक वाहक और 28 हजार से अधिक रोगी मिले है। सभी को आवश्यक उपचार दिया जा रहा है। सिकल सेल की गर्भावस्था में और प्रसूति के 72 घन्टों के भीतर नवजात की जांच की सुविधाएं भी उपलब्ध करा दी गई है। वर्ष 2047 तक रोग उन्मूलन के लिए समुदाय को दो बातों पर विशेष ध्यान देना होगा। पहली, हर गर्भवती महिला की गर्भावस्था में और नवजात शिशु की 72 घन्टों के भीतर जांच हो जाए। दूसरी, जेनेटिक कार्ड मिलाकर ही विवाह संबंध तय किए जाए। किसी एक के रोगी, वाहक होने पर विवाह किया जा सकता है, किन्तु रोगी युवक-युवती का आपस में विवाह नहीं होना चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल ने जनजातीय समुदाय के गौरव रानी दुर्गावती और बिरसा मुण्डा का संदर्भ देते हुए कहा कि समुदाय को उनके गौरव से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने के प्रयास करने होंगे। शिक्षा प्रगति की पहली सीढ़ी होती है। संतान को अच्छी से अच्छी शिक्षा दिलाएं। सरकार द्वारा शिक्षा के लिए समुदाय को सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने जनजातीय समुदाय विशेषकर युवाओं को सामाजिक कुरीतियों के प्रति आगाह किया, कहा कि प्रगति के लिए प्राथमिक आवश्यकता व्यसनों से दूर रहना है।

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा कि देश में पहली बार मध्यप्रदेश ने जनजातीय कला-शिल्प, संस्कृति-सभ्यता, रीति-रिवाज और मान्यताओं-परंपराओं के संरक्षण और भावी पीढ़ी में हस्तांतरण की सार्थक पहल की है। शीघ्र ही हरसूद में 100 सीटर बालिका-बालक प्रशिक्षण केन्द्र प्रारंभ किया जाएगा। केन्द्र में जनजातीय समुदाय के शिल्पकार, कलाकारों द्वारा जनजातीय संस्कृति और सभ्यता के विभिन्न आयामों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्यपाल श्री पटेल ने उनको बताया है कि कला का सम्मान समाज का दायित्व है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्यपाल महोदय की भावना के अनुसार निर्माणाधीन प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा प्रशिक्षक कलाकारों को सम्मान जनक मानदेय दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य की मोहन सरकार द्वारा जनजातीय समुदाय की खुशहाली के कार्यों में कोई कोर-कसर छोड़ी नहीं जाएंगी।

आयुक्त जनजातीय कार्य एवं प्रबंध संचालक वन्या प्रकाशन श्री श्रीमन शुक्ला ने महोत्सव की जानकारी देते हुए बताया कि परंपरा को डिजाइन का साथ मिलता है तो वह आजीविका और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन जाता है। उन्होंने बताया कि महोत्सव के दौरान विशेषज्ञों द्वारा जनजातीय कलाकारों को तकनीकी ज्ञान देने के साथ ही जनजातीय शिल्प, कौशल व्यंजन परंपरा की प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया था। समापन कार्यक्रम में गोंड चित्र कलाकार श्री गगन सिंह मरावी, गौंड चित्रकार एवं नृत्यांगना श्रीमती संदीप्ती परस्ते ने प्रशिक्षण के अनुभवों को साझा किया। आयुक्त आदिमजाति क्षेत्रीय विकास योजनाएं श्रीमती वंदना वैद्य ने आभार प्रदर्शन में बताया कि महोत्सव में जनजातीय कार्य मंत्री ने क्रेता के रूप में आकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया था। कार्यक्रम का संचालन श्री विनय उपाध्याय ने किया।

समापन समारोह में अपर मुख्य सचिव सह संचालक जनजातीय अनुसंधान केन्द्र श्री विनोद कुमार, जनजातीय प्रकोष्ठ राजभवन की सदस्य सह सचिव श्रीमती जमुना भिड़े, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान के रजिस्ट्रार श्री कृष्ण बिरहमन भी मंचासीन थे।

संक्षिप्त समाचार

सीतापुर हनुमना उदवहन सिंचाई परियोजना का सर्वे समय पर पूरा करें : उप मुख्यमंत्री

भोपाल, निप्र। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सर्किट हाउस के नवीन खण्ड में आयोजित बैठक में सिंचाई परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सीतापुर हनुमना उदवहन सिंचाई परियोजना तथा बाणसागर बांध की नहरों का काम पूरा होने के बाद रीवा और मऊगंज जिले के हर खेत में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो जायेगी। इससे खेती में तेजी से विकास होगा और हर किसान समृद्ध बनेगा। सीतापुर हनुमना सिंचाई परियोजना में वन तथा पर्यावरण की स्वीकृति समय पर प्राप्त करके सर्वे का कार्य तेजी से पूरा करें। यह परियोजना इस क्षेत्र के लिए बहुत बड़ी सौगात सावित होगी। लंबित सिंचाई परियोजनाओं का काम 30 जून तक पूरा कराके आगामी सीजन में किसानों को एक लाख 25 हजार एकड़ क्षेत्र में सिंचाई की उपलब्ध हो जायेगी। सिंचाई विकास का सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सीतापुर हनुमना उदवहन सिंचाई परियोजना में मुख्य बांध निर्माण स्थल का निर्धारण कर दिया गया है। वन विभाग से सर्वे की भी अनुमति प्राप्त हो गयी है। सर्वे का कार्य तत्काल शुरू करायें। परियोजना के निर्माण कार्य से 22 हजार हेक्टेयर वन क्षेत्र प्रभावित हो रहा है। इसकी प्रतिपूर्ति के लिए हनुमना तहसील में तथा हिनौती गौधाम के पास वृक्षारोपण के लिए वन विभाग को जमीन उपलब्ध करायें। इस सिंचाई परियोजना से मऊगंज जिले में 65 हजार हेक्टेयर सीधी में 28 हजार हेक्टेयर, सिंगरौली में 26500 हेक्टेयर तथा रीवा जिले में 3 हजार हेक्टेयर में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुती सिंचाई परियोजना में नहरों के निर्माण में तेजी लाये तथा 30 जून तक शेष कार्य पूरा करायें।

मंत्री सारंग ने नगर निगम अधिकारियों को भोपाल के सभी नाले-नालियों की सफाई के दिये निर्देश

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने रविवार को भोपाल शहर में नाले-नालियों की वृहद रुप से साफ-सफाई अभियान अंतर्गत नरेला विधानसभा के प्रभात चौराहे पर ड्रेनेज सिस्टम का निरीक्षण कर नगर निगम के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि मानसून में जलभराव की स्थिति निर्मित न हो इसके लिए वृहद रूप से सफाई अभियान की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत भोपाल शहर के सभी नाले-नालियों की सफाई सुनिश्चित होगी। साथ ही नालों में लोग कचरा न डालें इसके लिए जनजागरण अभियान भी चलाया जाएगा। निरीक्षण के दौरान

भोपाल नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

मानसून के पहले भोपाल के सभी नाले-नालियां होंगे साफ

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि इस बार मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि मानसून भोपाल में एक सप्ताह पहले प्रवेश करेगा। इसे देखते हुए भोपाल शहर के सभी नाले नालियों की सफाई वृहद के लिये अभियान की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष मानसून पूर्व नगर निगम सफाई अभियान चलता है। मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिये कि इस कार्य की शुरुआत पहले से ही कर दी जाए। इससे समय पर सफाई कार्य पूर्ण हो सकेगा और भविष्य में जलभराव की स्थिति निर्मित नहीं होगी। इससे जलभराव और ओवरफ्लो की स्थिति उत्पन्न होती है। इसके लिए नालों के समीप कचरा निस्तारण के लिए डंप स्टेशन भी बनाए जाएंगे, जिससे कि कचरा सीधे नालों में न जाए।

मंत्री श्री सारंग ने जनजागरण और कचरा प्रबंधन पर दिया जोर

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मशीनों के माध्यम से समुचित रूप से नालों की सफाई सुनिश्चित की जाएगी और इसके साथ यह भी ध्यान रखा जाएगा कि जिन क्षेत्रों में नाले आसपास स्थित हैं, वहाँ के निवासियों को हिदायत दी जाए कि वे नालों में कचरा न डालें। इस दिशा में जन जागरण अभियान भी चलाया जाएगा इससे नागरिकों को नालों की स्वच्छता बनाए रखने की महत्ता समझाई जा सकेगी। उन्होंने कहा कि पॉलीथीन जैसे अपशिष्ट पदार्थ नालों में जल प्रवाह को अवरुद्ध करते हैं।

प्रोत्साहन राशि बनी किसानों की उम्मीद की किरण, मप्र में रिकॉर्ड 77.74 लाख मीट्रिक टन गेहूँ उपार्जन : गोविंद सिंह राजपूत

विनय उजाला

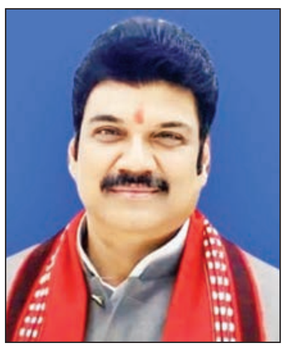

भोपाल, निप्र। मध्यप्रदेश की धरती एक बार फिर अन्नदाता किसानों की मेहनत से स्वर्णिम हो उठी है। प्रदेश में इस बार गेहूँ उपार्जन ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा घोषित प्रोत्साहन राशि ने किसानों के मन में आश्वस्ति, आत्मविश्वास और प्रोत्साहन का संचार किया है। इसी का परिणाम है कि इस वर्ष प्रदेश में 77 लाख 74 हजार मीट्रिक टन गेहूँ का रिकॉर्ड उपार्जन हुआ है, जो पिछले वर्ष के मुकाबले लगभग 29.36 लाख मीट्रिक टन अधिक है।

प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष प्रदेश के लगभग 9 लाख किसानों ने समर्थन मूल्य पर अपनी उपज बेची है। यह प्रदेश सरकार की किसान-मित्र नीतियों का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

केंद्र सरकार ने इस वर्ष गेहूँ के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया था, जिसके ऊपर राज्य सरकार ने 175 रुपये प्रति क्विंटल बोनस प्रदान कर किसानों को कुल 2600 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर भुगतान सुनिश्चित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के इस निर्णय ने किसानों को समर्थन मूल्य केंद्रों की ओर आकर्षित किया और उन्होंने खुले मन से सरकार को अपनी उपज बेची।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने कृषि को केवल एक आजीविका नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला माना है। बोनस योजना जैसे निर्णय किसानों के प्रति राज्य सरकार की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, यह केवल गेहूँ उपार्जन नहीं, बल्कि किसानों की मेहनत और सरकार के विश्वास का फल है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि खेती-किसानी में अग्रणी भूमिका निभाने वाले मध्यप्रदेश ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि यदि सरकार की नीयत स्पष्ट हो तो कृषि क्षेत्र में कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं होता। आज गेहूँ उपार्जन के मामले में मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है, यह हर मध्यप्रदेशवासी के लिए गर्व का विषय है।

भंडारण और भुगतान व्यवस्था बनी मिसाल

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि अब तक उपार्जित गेहूँ में से 73 लाख 51 हजार मीट्रिक टन से अधिक का सुरक्षित भंडारण राज्य सरकार द्वारा किया जा चुका है। इसके साथ ही किसानों को उनकी उपज का समय पर भुगतान भी प्राथमिकता से किया जा रहा है। अब तक किसानों के खातों में 17 हजार 870 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है, जो इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार ने केवल उपज ही नहीं ली।

नारायणा ई-टेक्नो स्कूल, एसटीटी नगर ब्रांच भोपाल में समर कैंप की धूम

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। नारायणा ई-टेक्नो स्कूल, एसटीटी नगर ब्रांच में इन दिनों समर कैंप पूरे उत्साह और जोश के साथ चल रहा है। यह कैंप न केवल स्कूल के विद्यार्थियों के लिए बल्कि अन्य स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए भी खुला है, जिससे बच्चों में काफी उत्साह देखा जा रहा है।

कैंप के दौरान बच्चों को प्रतिदिन स्वादिष्ट और पौष्टिक नाश्ता प्रदान किया जा रहा है, जिससे उनकी सेहत और ऊर्जा दोनों का ध्यान रखा जा रहा है।

आज कैंपर्स ने वाटर स्प्लैश पूल पार्टी का भरपूर आनंद उठाया। बच्चों ने पानी के साथ

मस्ती करते हुए गर्मी को मात दी और खूब खेल-कूद की।

कैंप में बच्चों को प्रतिदिन नई-नई गतिविधियाँ सिखाई जा रही हैं, जिनमें खेल, पर्सनैलिटी डेवलपमेंट, पब्लिक स्पीकिंग, अबेकस, वैदिक गणित, डांस, म्यूजिक, मॉडलिंग, आर्ट एंड क्राफ्ट आदि प्रमुख हैं। स्कूल की प्राचार्या श्रीमती दीपाली अल्हाट ने बताया कि समर कैंप के लिए और भी कई सरप्राइज प्लान किए गए हैं, जिससे बच्चों का उत्साह बना रहे। उन्होंने यह भी बताया कि यह समर कैंप सभी बच्चों के लिए एक सुनहरा अवसर है, जहाँ वे सीखते हुए आनंद भी ले सकते हैं।

नारायणा ई-टेक्नो स्कूल का यह प्रयास बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नर्सिंग जयंती पर निकली भव्य रथ यात्रा

इंदौर (विनय उजाला)। ढाई सो बर्षो से निकाली जाती है यात्रा चौराहो पर मंच लगाकर किया जाता है स्वागत नरसिंह जयंती के उपलक्ष में नरसिंह बाजार कपड़ा मार्केट से नरसिंह यात्रा निकाली जाती है है ढाई सो वर्षो से भगवान कि यात्रा निकाली जा रही है नर्सिंग यात्रा में शामिल लोगो ने वाताया कि होल्कर स्टेट के राजा लड़ाई के लिए जाते थे तो नरसिंह भगवान कि मूर्ति रथ में लेकर जाते थे रथ यात्रा का वडा महत्त्व है यात्रा में विशेष तरह से सारे मुखोटे बर्षो पुराने है काफ़ी संख्या में लोगो का आना होता है। क्षेत्र क्रमांक चार कि विधायक मालनी गोड़ वीजेपी पार्षद नीता राठौर मंदिर के पुजारी लक्मण दास महराज विशेष रूप से कार्यक्रम आयोजक है पुलिस विभाग विशेष व्यवस्था कि जाती है।

मेरा जहान मां

मां के दिए संस्कार मेरी अमूल्य धरोहर,
मां की परवरिश से रोशन मेरे सब पहर।
दौलत तो घटे-बढ़े ज्यों समंदर की लहर,
मां ने सिखाया करना हर स्थिति में सबर।।

मां कहती सबसे कर अच्छा व्यवहार,
प्रयास किए बिना कभी न मानना हार।
मां ने दिए सत्य-निष्ठा के गहने उपहार,
बुलंद हौसले से गढ़े मेरे आचार-विचार।।

प्रेम, रिश्तों के उतार चढ़ाव समझाए,
मेरे जीवन की सीढ़ी बन मुझे बढ़ाए।
दुविधा में सहेली बन रास्ता दिखाए,
मां की परंपराए ही मेरा चरित्र बनाए।।

कहे मत खो आपा रख मीठी जुबान,
मां की शिक्षा, कौशल ने बढ़ाया मान।
दया, ममता, सबको समझना समान,
समर्थन, प्रेरणा दिलाए मुझे सम्मान।।

मेरी मां मेरी शक्ति, भक्ति, अभिमान,
मां के सिखाए आचरण से मैं धनवान।
मां ने जो भी दिया उससे बनी गुणवान,
उसके आशीष से चलता मेरा जहान।।

सपना सी.पी. साहू
(स्वप्निल)
इंदौर (म.प्र.)
दैनिक विनय उजाला

बसामन मामा गौवंश वन्य विहार एवं हिनौती गौधाम के संचालन व अधोसंरचना निर्माण कार्यों की समीक्षा की

अत्याधुनिक व आत्मनिर्भर गौ-अभयारण्य है बसामन मामा गौवंश वन्य विहार : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार अत्याधुनिक गौअभयारण्य है। शीघ्र ही यहां 5 टन क्षमता का गैस उत्पादन संयंत्र आईओसीएल द्वारा स्थापित किया जायेगा तथा पशु आहार निर्माण इकाई को भी शुरू किया जायेगा।

बसामन मामा गौवंश वन्य विहार के विश्राम गृह में रात्रि विश्राम के उपरांत प्रशासनिक भवन में उप मुख्यमंत्री ने बसामन मामा गौवंश वन्य विहार एवं हिनौती गौधाम में अधोसंरचना निर्माण कार्यों की समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि दुधारू गौवंश की 25-25 यूनिट के चार समूह बनाकर दुग्ध उत्पादन प्रारंभ करें तथा चिन्हित चरनाई भूमि की फेंसिंग कराकर चारा उत्पादन करें। उन्होंने सामुदायिक भोजशाला के निर्माण में गोबर की ईंट का उपयोग करने के भी निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन मंदिर में भगवान कृष्ण की मूर्ति स्थापित करने तथा मंच के सामने समतलीकरण कार्य को शीघ्र करने के निर्देश निर्माण विभाग को दिये। उन्होंने मृत पशु निष्पादन संयंत्र की स्थापना शीघ्र करायें तथा गौवंश वन्य विहार में बाउंड्रीबाल का निर्माण प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गौवंश वन्य विहार में धन की कमी नहीं है इसमें सभी आवश्यक उपकरण व व्यवस्थायें सुनिश्चित करायें। उन्होंने प्रोड्क्शन मैनेजर व मार्केटिंग मैनेजर की नियुक्ति किये जाने की भी बात कही। उप मुख्यमंत्री ने हिनौती गौधाम में पशु शेड व प्रशासनिक भवन का निर्माण 15 जून तक कर लेने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि कार्ययोजना के अनुसार हिनौती गौधाम में पशु शेड, सड़कों का निर्माण करायें ताकि सड़कों के किनारे वर्षाकाल में वृक्षारोपण कराया जा सके।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में 34 लाख रूपये की लागत से बनाये जाने वाले चेकडैम का भूमिपूजन किया। बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में पशु चिकित्सक की उपस्थिति व सभी आवश्यक उपचार उपकरण की सुनिश्चितता के निर्देश दिये। उन्होंने प्रशासनिक भवन के समीप एक सुलभ काम्पलेक्स तथा एक अन्य सार्वजनिक सुलभ काम्पलेक्स निर्माण कराने के निर्देश निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिये। बैठक में जिला गौसंवर्धन बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष श्री राजेश पाण्डेय ने बहुमूल्य सुझाव दिये जिन पर उप मुख्यमंत्री ने तत्काल कार्यवाही करने के लिए संबंधितों को निर्देशित किया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, सीईओ जिला पंचायत श्री मेहताब सिंह गुर्जर, जनपद अध्यक्ष श्री गंगेव विकास तिवारी, अभयराम जी महराज सहित विभागीय अधिकारी एवं स्थानीजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में किया मां अहिल्या बावड़ी के जीर्णोद्धार के बाद नये स्वरूप का लोकार्पण

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवा इंदौर में कनाडिया में स्थित 200 वर्ष पुरानी माँ अहिल्या बावड़ी के जीर्णोद्धार के बाद नये स्वरूप का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस कार्य पर प्रसन्नता जतायी और कहा कि देवी अहिल्या के परोपकारी कार्य हमें आज भी प्रेरणा देते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहाँ शिव मंदिर में पूजन किया और मां अहिल्या की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किये।

जल गंगा संवर्द्धन अभियान के अंतर्गत इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा लगभग एक करोड़ रुपये की लागत से इसका जीर्णोद्धार कराया गया है। जल संसाधन मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक श्री तुलसीराम सिलावट ने बताया कि होलकर क़ालीन इस बावड़ी का निर्माण लगभग 200 साल पहले देवी अहिल्याबाई द्वारा कराया गया था। यह बावड़ी वर्तमान में अत्यंत जीर्णशीर्ण दशा में थी, जिसे जीर्णोद्धार उपरांत नया स्वरूप प्रदान किया गया है। नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

संभागायुक्त एवं इंदौर विकास प्राधिकरण के प्रशासक श्री दीपक सिंह ने बताया कि जल गंगा संवर्द्धन अभियान अंतर्गत 60 मीटर लम्बाई, 21 मीटर चौड़ाई एवं 15 मीटर गहराई लिए हुए माँ अहिल्या बावड़ी का जीर्णोद्धार किया गया। इस बावड़ी की क्षमता 1.68 एमएलडी (लगभग 16 लाख 80 हजार लीटर) जल के संधारण की है। बावड़ी के जीर्णोद्धार के साथ ही प्राचीन शिव मंदिर को मूल स्वरूप में रखते हुए नवीनीकरण किया गया है। बावड़ी के आस-पास बाउंड्री वाल एवं सघन पौधरोपण भी किया गया है। मालवा की मूल कला, माँड़ना से बावड़ी पर सुंदर कलाकृति बनाई गई है, जो बावड़ी को विशेष आकर्षण प्रदान कर रही है।

अवैध सिमकार्ड बिक्री करने वाला शातिर pos एजेंट आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। पुलिस कमिश्नरेट में अवैध रूप से सिमकार्ड बेचने वालों के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा दिए गए थे, इसी अनुक्रम में क्राईम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति दूसरे के नाम से एक्टिवेट सिमकार्ड्स को अवैध रूप से गांधी हाल परिसर में 600 रुपए में बेच रहा है। मुखबिर सूचना पर दिनांक - 10- 05-2025 को गांधी हाल परिसर, इंदौर से आरोपी (1). आकाश उर्फ लखन चौहान उम्र 24 वर्ष निवासी जिला रतलाम (म प्र) को पकड़ा।

खंड-I
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
मध्यप्रदेश शासन
कार्यालय - उत्तर बैतूल (सा.) वनमंडल मध्यप्रदेश

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 3051/ई-टेंडरिंग/2025-26 **दिनांक : 06.05.2025**

1. वनमंडलाधिकारी, उत्तर बैतूल (सा.) वनमंडल द्वारा म.प्र. भंडार क्रय नियम एवं सेना उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित-2022) के अंतर्गत निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रं.	वाहन का विवरण	मात्रा	सत्याकार निधि	निविदा दस्तावेजों का मूल्य
1.	बोलेरो 7 सीटर ए.सी. BS VI किराया वाहन	05	25000/-	500/-
2.	डबल कैब/डबल केबिन पिकअप वाहन			

1. निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर नि:शुल्क देखे और डाउनलोड किए जा सकते है।
2. इच्छुक निविदाकार क्रेडिट/डेबिट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर दिनांक 09.05.2025 सायं 06.00 बजे से निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय तक केवल ऑनलाईन खरीद सकते है।
3. ई-प्रोक्येरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लेखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होगी।
4. ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धि पत्र/परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रों में नहीं।
5. ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल : https://www.mptenders.gov.in/

जी-12732/25 "पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार"

वनमंडलाधिकारी
उत्तर बैतूल (सा.) वनमंडल

पुलिस की लगातार 02 कार्यवाही में अवैध मादक पदार्थ सहित 04 आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय-विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी अनुक्रम में क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा संदिग्ध की चेकिंग करते सीबी स्कीम नंबर 140 मेन रोड, इंदौर पर संदिग्ध कार दिखी जिसे घेराबंदी कर रोका, जिससे पूछताछ पर आरोपी के द्वारा अपना नाम (1). अन्नू चौहान उम्र 37 वर्ष निवासी पीथमपुर जिला धार (म.प्र), (2). अमन सिंह उम्र 21 वर्ष निवासी पीथमपुर जिला धार (म.प्र), (3).सौरभ सिंह उम्र 20 वर्ष निवासी पीथमपुर जिला धार (म.प्र) होना बताया। आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि आरोपी नशा करने का आदि है और ऑटो रिक्शा चलने के साथ-साथ नशे की लत पूरी करने की नियत से अवैध मादक पदार्थ सस्ते में खरीदीकर, महंगे दामों पर नशे के आदि लोगों बिक्री करने का कार्य करना कबूला है।

कार्यालय अधीक्षक जिला जेल अलीराजपुर (म.प्र.)

दूरभाष क्रमांक 07394-233512, ई-मेल : jsdjalp@mp.gov.in
क्रमांक 642/निर्वाह/2025 अलीराजपुर, दिनांक : 09/06/2025

:: ई-टेण्डरिंग द्वितीय निविदा प्रकाशन आमंत्रण ::
(वार्षिक ठेका वर्ष 2024-25)

जिला जेल अलीराजपुर हेतु मध्यप्रदेश जेल पूर्ति नियम 1968 तथा मध्यप्रदेश भण्डार क्रय नियम 2022 के तहत 01 बढ़ईगीरी (उद्योग) सामग्री के लिये द्वितीय निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। निविदा की जानकारी वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकेगी।

जी-12730/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

(एस.बी. शरण)
जेल अधीक्षक
जिला जेल अलीराजपुर (म.प्र.)

न्यायालय अनुविभागीय दण्डाधिकारी, उज्जैन नगर जिला उज्जैन (म.प्र.)

क्रं. 534/री-1/2025 उज्जैन, दिनांक : 28/04/2025

:: विज्ञप्ति ::

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि थाना प्रभारी थाना भैरवगढ़ द्वारा पत्र क्रमांक 604 दिनांक 25.04.2025 से प्रस्तुत कर बताया गया कि थाना भैरवगढ़ जिला उज्जैन के संलग्न प्रस्तुत इस्तगासा क्रं. 01/20,04/20,05/20,06/20,01/21,08/21,02/21,03/21,07/21,09/21,05/21,06/21,02/21,03/19,04/19,01/23,02/23 अंतर्गत धारा 25 पुलिस एक्ट में जप्तशुदा दो पहिया वाहनों में कुल 17 जप्तशुदा वाहन मालिको के संबंध में आरटीओ कार्यालय, आरटीओ की वेबसाईट, व्हीडीपी पोर्टल एवं पीओएस मशीन से जानकारी प्राप्त कर वाहन स्वामियों/बीमा कंपनियों को सूचित किया जाता है किन्तु किसी के द्वारा भी शेष 17 जप्तशुदा सुपुर्दगी के संबंध में कोई आवेदन प्रस्तुत नहीं किया है। जप्तशुदा वाहन थाना परिसर में काफी समय से खड़े होकर अनुपयोगी एवं कण्डम हो रहे है। अत: निम्नानुसार वाहनों की नीलामी की कार्यवाही की जाना है :-

क्रं.	वाहन क्रमांक	वाहन का प्रकार	चेचिस नं.	इंजिन नं.	निष्प्रयोजन मूल्य रू.
1	MP-13-MJ-2582	TVS सुजुकी	MB8NF4BAL78138368	F479206447	2100.00
2	MP-43-MJ-8753	बजाज डिस्कवर	घिसा हुआ	JZUBUK91905	2400.00
3	MP-13-MB-9060	HERO HONDA SPLENDOR	07K16C00551	07K15M15811	2100.00
4	MP-13-JG-6347	HERO HONDA PASSION	05B09C23949	05B08M21527	1500.00
5	MP-09-JZ-0442	HERO HONDA PLENDOR	03820C05610	03F18M16518	2000.00
6	MP-09-L11-1578	TVS SANTRA	MD624AH1742P80219	OH1P2182001	1900.00
7	MP-13-DN-6522	HONDA SHINE	ME4JC36JEC7026475	JC36E7038208	2200.00
8	RJ-03-GH-0587	HERO HONDA CD DELUXE	MBLHA11ATG4B14142	HAILEJG4B13824	2100.00
9	MP-13-JG-1483	TVS VISTRA	MD625AF1241180997	0E1H41289770	1900.00
10		TVS STAR CITY	MD625CF1311844672	CFIKF1368856	2300.00
11	MP-09-MN-6669	BAJAJ PULSOR 180	MD2DHDJZZTCL10156	BAGBPL14394	2700.00
12	MP-13-B-9036	HERO HONDA PLENDOR	001.20C14364	00L13M14439	2200.00
13		BAJAJ PULSAR 150	CJVBJB11551	DJGBJC11570	2600.00
14		HERO HONDA CD 100	घिसा हुआ	E10E291047	1600.00
15	MP-09-J1-7951	HERO HONDA PENDOR	8181	8176	2300.00
16		HERO PASSOIN PRO	MBLHATOAWDHD61524		1800.00
17	MP-09-NS-5227	HERO HONDA CD DELUXE	MBLHATIEMC9G00519	HAITECC9G09230	2000.00

उक्त सूची अनुसार वाहन मालिक/स्वामी अपने वाहन के हक-हकुक तथा वाहन सुपुर्दगी तक उपस्थित होने हेतु इस कार्यालय में मय दस्तावेज लेकर नियत पेशी दिनांक 19.05.2025 सुनिश्चित करें। बाद मियाद किसी भी प्रकार के आवेदन/आपत्ति मान्य नहीं होंगे तथा अज्ञात वाहनों की नीलामी की कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

जी-12675/25 "पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार"

अनुविभागीय दण्डाधिकारी
उज्जैन नगर, जिला उज्जैन

श्रीमती मंजूषा पंड्या व्याख्याता ने जन्मदिन पर रु. 1551/ का समर्पण किया

इंदौर (विनय उजाला)। शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय संयोगितागंज की योग्य आदर्श व्याख्याता श्रीमती मंजूषा पंड्या ने अपने जन्मदिन पर सेवा भारती द्वारा संचालित जीवन उमंग अनुसूचित जनजाति बालिका छात्रावास बिचोली मर्दाना की बालिकाओं के शैक्षणिक विकास एवं भोजन के लिए रु. 1551/ की राशि सेवा भारती के खाते में जमा की। इस पुनीत कार्य के लिए मध्यप्रदेश शिक्षा विभाग पेडी इंदौर के संचालक सोहनलाल परमार, प्राचार्य आर. के. चेलानी, राजेंद्र कुमार आचार्य, अनिल तिवारी, श्रीमती पुष्पा सिंह, चंचल उपाध्याय, श्रीमती रीना पाठक, जीवनलाल पटेल, बृजलाल वर्मा, महेश वर्मा, मोहनलाल गंद्रावलिया सहित संकुल एवं स्टाफ के समस्त शिक्षक, शिक्षिकाओं, ईस्ट मित्रों ने श्रीमती मंजूशा पंड्या को जन्मदिन की बधाई दी एवं उनके दीर्घायु होने की कामना की।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग वि./यां. संभाग (ओल्ड पलासिया) इंदौर

E-mail ID :- eepwdelecind@mp.nic.in
निविदा आमंत्रण सूचना क्रं.7/व.ले.लि./वि./यां./25-26 इंदौर, दिनांक : 01.05.2025

:: निविदा विज्ञप्ति ::

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु प्रपत्र 2.10 पर निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदाएं पंजीकृत डाक (ए.डी.)/स्पीड पोस्ट के माध्यम से ही प्राप्त की जावेगी। विभाग पोस्टल विलंब के लिये जिम्मेदार नहीं होगा।

क्रं.	कार्य का नाम व स्थान	निविदा प्रपत्र की राशि	ठेके की अनुमानित राशि	अमानत राशि	कोरे निविदा प्रपत्र विक्रय का दिनांक एवं समय	1) निविदा प्राप्ति का दिनांक, समय एवं कार्यालय	1) निविदा खोलने का दिनांक, समय एवं कार्यालय	1) कार्य पूर्ण करने की अवधि 2) ठेकेदार की श्रेणी 3) आमंत्रण क्रं.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	विधानसभा क्षेत्र क्रं. 5 के अंतर्गत 2 स्थानों पर नलकूप खनन मय मोटर पंप मय रिचार्ज पाईंट का कार्य।	2000/-	रू.7,65,764/-	रू.15,320/-	19.05.25 5.30 बजे	1) 26.05.25 5.30 बजे 2) लो.नि.वि. वि./यां.सं. इंदौर	1) 27.05.25 प्रात: 11.00 बजे 2) लो.नि.वि. वि./यां.सं. इंदौर	1) 60 दिन 2) लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदारधारी। 3) प्रथम आमंत्रण
2	विधानसभा क्षेत्र क्रं. 5 के अंतर्गत 2 स्थानों पर नलकूप खनन मय मोटर पंप मय रिचार्ज पाईंट का कार्य।	2000/-	रू.7,65,764/-	रू.15,320/-	तदैव	तदैव	तदैव	तदैव
3	विधानसभा क्षेत्र क्रं. 5 के अंतर्गत 2 स्थानों पर नलकूप खनन मय मोटर पंप मय रिचार्ज पाईंट का कार्य।	2000/-	रू.7,65,764/-	रू.15,320/-	तदैव	तदैव	तदैव	तदैव
4	विधानसभा क्षेत्र क्रं. 5 के अंतर्गत 2 स्थानों पर नलकूप खनन मय मोटर पंप मय रिचार्ज पाईंट का कार्य।	2000/-	रू.7,65,764/-	रू.15,320/-	तदैव	तदैव	तदैव	तदैव
5	विधानसभा क्षेत्र क्रं. 5 के अंतर्गत 2 स्थानों पर नलकूप खनन मय मोटर पंप मय रिचार्ज पाईंट का कार्य।	2000/-	रू.7,65,764/-	रू.15,320/-	तदैव	तदैव	तदैव	तदैव
6	विधानसभा क्षेत्र क्रं. 5 के अंतर्गत 2 स्थानों पर नलकूप खनन मय मोटर पंप मय रिचार्ज पाईंट का कार्य।	2000/-	रू.7,65,764/-	रू.15,320/-	तदैव	तदैव	तदैव	तदैव
7	विधानसभा क्षेत्र क्रं. 3 के अंतर्गत 1 स्थान पर स्ट्रीट लाईट (हाईमास्ट) स्थापना का प्रदाय एवं स्थापना का कार्य।	2000/-	रू.6,77,974/-	रू.13,560/-	तदैव	तदैव	तदैव	तदैव
8	विधानसभा क्षेत्र क्रं. 5 के अंतर्गत 2 स्थानों पर नलकूप खनन मय मोटर पंप मय रिचार्ज पाईंट का कार्य।	2000/-	रू.7,65,764/-	रू.15,320/-	तदैव	तदैव	तदैव	तदैव
9	विधानसभा क्षेत्र क्रं. 5 के अंतर्गत 2 स्थानों पर नलकूप खनन मय मोटर पंप मय रिचार्ज पाईंट का कार्य।	2000/-	रू.7,65,764/-	रू.15,320/-	तदैव	तदैव	तदैव	तदैव
10	विधानसभा क्षेत्र क्रं. 5 के अंतर्गत 2 स्थानों पर नलकूप खनन मय मोटर पंप मय रिचार्ज पाईंट का कार्य।	2000/-	रू.7,65,764/-	रू.15,320/-	तदैव	तदैव	तदैव	तदैव
11	विधानसभा क्षेत्र क्रं. 5 के अंतर्गत 2 स्थानों पर नलकूप खनन मय मोटर पंप मय रिचार्ज पाईंट का कार्य।	2000/-	रू.7,65,764/-	रू.15,320/-	तदैव	तदैव	तदैव	तदैव
12	विधानसभा क्षेत्र क्रं. 5 के अंतर्गत 2 स्थानों पर नलकूप खनन मय मोटर पंप मय रिचार्ज पाईंट का कार्य।	2000/-	रू.7,65,764/-	रू.15,320/-	तदैव	तदैव	तदैव	तदैव
13	विधानसभा क्षेत्र क्रं. 2 के अंतर्गत 2 स्थानों पर नलकूप खनन मय मोटर पंप मय रिचार्ज पाईंट का कार्य। (4.5 इंची)	2000/-	रू.4,72,370/-	रू.9,450/-	तदैव	तदैव	तदैव	तदैव
14	विधानसभा क्षेत्र क्रं. 5 के अंतर्गत 2 स्थानों पर नलकूप खनन मय मोटर पंप मय रिचार्ज पाईंट का कार्य।	2000/-	रू.7,65,764/-	रू.15,320/-	तदैव	तदैव	तदैव	तदैव
15	विधानसभा क्षेत्र क्रं. 5 के अंतर्गत 2 स्थानों पर नलकूप खनन मय मोटर पंप मय रिचार्ज पाईंट का कार्य।	2000/-	रू.7,65,764/-	रू.15,320/-	तदैव	तदैव	तदैव	तदैव
16	विधानसभा क्षेत्र क्रं. 4 के अंतर्गत 2 स्थानों पर नलकूप खनन मय मोटर पंप मय रिचार्ज पाईंट का कार्य।	2000/-	रू.7,65,764/-	रू.15,320/-	तदैव	तदैव	तदैव	तदैव
17	विधानसभा क्षेत्र क्रं. 5 के अंतर्गत 2 स्थानों पर नलकूप खनन मय मोटर पंप मय रिचार्ज पाईंट का कार्य।	2000/-	रू.7,65,764/-	रू.15,320/-	तदैव	तदैव	तदैव	तदैव
18	विधानसभा क्षेत्र क्रं. 4 के अंतर्गत 2 स्थानों पर पूर्व में खनित नलकूप खनन में मोटर पंप स्थापना एवं 2 स्थानों पेयजल हेतु पूर्व में खनित नलकूप खनन से जी.आई. पाईप लाईन डालने का कार्य।	2000/-	रू.7,80,303/-	रू.15,610/-	तदैव	तदैव	तदैव	तदैव
	कुल राशि रू.		रू.1,34,17,107/-					

टीप :- 01 निविदा सूचना की विस्तृत शर्ते कार्यालयीन दिवस एवं कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।

जी-12699/25 "बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल"

कार्यपालन यंत्री,
लो.नि.वि. वि/यां. संभाग, इंदौर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, अलीराजपुर (म.प्र.)

E-mail : eephedalirajpur@rediffmail.com
नि.सू.क्रं. 1,2,3,4,5,6,7,8,9,10,11,12,13/टेण्डर/लो.स्वा.यां./2025 अलीराजपुर, दिनांक : 09.05.2025

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

निविदा सूचना ई-टेण्डरिंग पद्धति से ई-प्रोक्युरमेंट पोर्टल https://mptenders.gov.in/ पर निविदा प्रपत्र 'अपेन्डिक्स 2.10' प्रतिशत दर पर आमंत्रित है। निविदाओं का विवरण निम्नानुसार है :-

क्रं.	ई-टेण्डर का क्रमांक	कार्य की अनुमानित लागत रू. लाख में	धरोहर राशि रू.	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा ऑनलाईन क्रय करने की अंतिम तिथि
Drilling of 150x125x115 mm Dia Ordinary tubewell in Different Villages of Dist. Alirajpur Division Alirajpur					
1	2025_PHED_422174_1	19.18	38360.00	2000.00	24.05.2025
2	2025_PHED_422178_1	19.18	38360.00	2000.00	24.05.2025
3	2025_PHED_422183_1	19.18	38360.00	2000.00	24.05.2025
4	2025_PHED_422184_1	19.18	38360.00	2000.00	24.05.2025
5	2025_PHED_422185_1	19.18	38360.00	2000.00	24.05.2025
6	2025_PHED_422186_1	19.18	38360.00	2000.00	24.05.2025
7	2025_PHED_422188_1	19.18	38360.00	2000.00	24.05.2025
8	2025_PHED_422190_1	19.18	38360.00	2000.00	24.05.2025
9	2025_PHED_422191_1	19.18	38360.00	2000.00	24.05.2025
10	2025_PHED_422195_1	19.18	38360.00	2000.00	24.05.2025
11	2025_PHED_422200_1	19.18	38360.00	2000.00	24.05.2025
12	2025_PHED_422202_1	19.18	38360.00	2000.00	24.05.2025
13	2025_PHED_422203_1	19.18	38360.00	2000.00	24.05.2025

1. यह केवल संक्षिप्त निविदा है, जो प्रकाशनार्थ जारी की जा रही है। निविदाओं से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी उपरोक्त वेबसाईट पर देखी जा सकती है।
2. उपरोक्त निविदाओं में भविष्य में किये जाने वाले समस्त संशोधनों को समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा। उक्त संशोधन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर ही प्रकाशित किये जावेंगे।

जी-12713/25 "पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार"

कार्यपालन यंत्री
लो.स्वा.यां. खण्ड अलीराजपुर

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी, (राजस्व) एवं सक्षम प्राधिकारी, उज्जैन, जिला-उज्जैन (म.प्र.)

पत्र क्रमांक 919/री-1/भू-अ./2025 उज्जैन ग्रामीण, दिनांक : 02/05/2025
प्र.क्रं.-0006/अ-82/2025-26

:: अधिसूचना ::
प्ररुप - 'ख'
(नियम-5 का उपनियम (2) देखिए)

क्रमांक अतएव, राज्य सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि **सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना के उपयोग हेतु ग्राम- मतानाकला प.ह.नं. 53 तहसील उज्जैन जिला उज्जैन** मध्यप्रदेश राज्य में कार्यपालन यंत्री जल संसाधन संभाग उज्जैन, जिला उज्जैन द्वारा भूमिगत पाईपलाईन का कार्य किया जाए।

और अतएव राज्य सरकार को उक्त भूमिगत पाईपलाईन, कार्य के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में, जिसमें भूमिगत पाईपलाईन बिछाये जाने का प्रस्ताव है, जो इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए।

अतएव, मध्यप्रदेश भूमिगत पाईपलाईन, केबल एवं डक्ट (भूमि के उपयोक्ता के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 2012 (क्रमांक-5 सन् 2013) की धारा-3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए राज्य सरकार, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

कोई व्यक्ति जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको उक्त अधिनियम की धारा-3 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशित होती है, इक्कीस दिवस के भीतर, भूमि के नीचे पाईपलाईन बिछाये जाने के संबंध में **सक्षम प्राधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी, उज्जैन, जिला-उज्जैन** मध्यप्रदेश को लिखित में आक्षेप भेज सकेगा।

:: अनुसूची ::

जिला	तहसील	ग्राम/पटवारी हल्का क्रमांक	खसरा क्रमांक	उपयोग के अधिकार के लिये अर्जित की जाने वाली भूमि (हेक्टेयर में)
1	2	3	4	5
उज्जैन	उज्जैन	मतानाकला/53	242	0.004
			244	0.026
			243/1	0.030
			247/2	0.019
			249	0.110
			254	0.046
			255	0.004
			269/1	0.031
			278	0.015
			279/1	0.060
			280/2	0.005
			280/3	0.054
			307/1	0.064
			307/2	0.036
			342/2	0.020
			350/2	0.010
			342/3	0.038
			349/2/1	0.013
			349/2/2	0.014
			350/1	0.029
			351	0.010
			359	0.083
			360	0.038
			436/1	0.010
			436/2	0.050
			646/1	0.018
			646/2	0.008
			656	0.005
			योग	**0.850**

जी-12722/25 "बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल"

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
एवं सक्षम प्राधिकारी,
उज्जैन जिला-उज्जैन (म.प्र.) (कृतिका भीमावद)

सम्पादकीय

जल बंटवारे का विवाद

पानी बंटवारे को लेकर हरियाणा-पंजाब में फिर ठन गई है। आप शासित पंजाब अपनी जरूरतों और मौजूदा जल स्तर को लेकर भाजपा शासित हरियाणा को अतिरिक्त पानी देने का विरोध कर रहा है।हरियाणा अपने हिस्से का साढे तीन मिलियन एकड़ फीट पीने का पानी सतलुज-यमुना लिंक नहर को देने की मांग कर रहा है, और पंजाब को सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करने की हिदायत भी दे रहा है जबकि पंजाब लगातार साझा करने के लिए अतिरिक्त पानी न होने की दुहाई दे रहा है। 214 किमी. लंबी इस नहर की परिकल्पना रावी-ब्यास नदियों के जल को दोनों राज्यों के दरम्यान बांटने के लिए की गई थी जिसमें 122 किमी. पंजाब में और बाकी 92 किमी. हरियाणा में बनाया जाना था।हरियाणा परियोजना को पूरा कर चुका है, जबकि पंजाब ने 1982 से चालू इस निर्माण को लटका कर रखा है। पंजाब सरकार का कहना है, धान की बुआई के मौसम में उसे अतिरिक्त पानी की जरूरत है, और यह भी कि हरियाणा अपने हिस्से का पानी पहले ही ले चुका है। हरियाणा 8,500 क्यूसेक पानी की मांग कर रहा है, जबकि पंजाब उसे चार हजार क्यूसेक पानी पीने के लिए मुहैया करा रहा है। जल बंटवारे के विवाद को राजनीति से प्रेरित बताया जा रहा है।पंजाब ने हरियाणा पर केंद्र में अपनी सरकार होने के चलते उसे जबरन दबाने के प्रयास के आरोप भी लगाए हैं। नदियों के जल-बंटवारे को लेकर देश भर में अंतरराज्यीय विवादों की स्थिति बनी रहती है। केंद्र और शीर्ष अदालत के हस्तक्षेप के बावजूद राज्यों के दरम्यान संतुलित बंटवारा संभव नहीं हो सका है। राज्यों के बीच जल बंटवारे को लेकर न सिर्फ तनाव बढ़ता है, बल्कि सामाजिक, आर्थिक व पर्यावरणीय संकट भी बढ़ता जाता है।केंद्र का जिम्मा है कि पंजाब सरकार को उक्त नहर के निर्माण के लिए राजी करे और जितनी मदद हो सके देने की व्यवस्था भी करे। विभिन्न राज्यों को नदियों के जल बंटवारे के लिए भिडने की बजाय जल संरक्षण, भूजल के सदुपयोग और बरसाती पानी के भंडारण के समुचित सुझाव भी दिए जाएं। पूर्वाग्रहों और व्यवस्थागत विकल्पों के अभाव में उपज पर पडने वाली मार तथा पेयजल संकट देश का अहितकारी साबित हो सकता है। केंद्र को न सिर्फ विवाद को तूल पकडने से रोकना होगा, बल्कि राजनीतिक मन-मुटाव को हाशिए पर रखते हुए मानसून पूर्व ही विवाद का निस्तारण का भी प्रयास करना होगा।

दैनिक विनय उजाला सुविचार

सुनने से ज्यादा समझने की कोशिश किया करो,
क्योंकि कोई उतना कह नहीं पाता,
जितना महसूस करता है।
- बी.जी. मेहता, इंदौर

जिसे कोई नहीं सुधार पाता,
उसे वक्त सुधार देता है।
- डॉ. विनय दीवान, भोपाल

सच सिर्फ उन्हीं के लिए कड़वा होता है,
जो झूठ के साथ रहने के आदि होते हैं।
- एच.एल. खुशाल, इंदौर

केवल अहंकार है, ऐसी दौड़ है,
जिसमें जीतने वाला सब कुछ हार जाता है।
- सोमनाथ तिवारी, माण्डव

अपनों के हाथ पकड़ोगे तो रिश्ते मजबूत होंगे,
बात पकड़ोगे तो तूफान आएगा।
- तपन जिंदल, इंदौर

जिला चिकित्सालय में सिविल सर्जन डॉ. अनिरुद्ध कौशल की अध्यक्षता में मुस्कान कार्यक्रम की समीक्षा की गई

खंडवा, निप्र। म.प्र. शासन के दिशा निर्देशानुसार खंडवा में शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड (एन.क्यू.ए.एस.) के अनुसार संचालित करने हेतु श्री दादाजी धूनीवाले जिला चिकित्सालय खंडवा के सिविल सर्जन कक्ष में एस.एन.सी.यू, पी.आई.सी.यू , पीडियाट्रिक वार्ड, पीडियाट्रिक ओ.पी.डी, एवं एन.आर.सी.के एमओ इंचार्ज एवं सिस्टर इंचार्ज की बैठक सिविल सर्जन डॉ. अनिरुद्ध कौशल की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

कुक्षी की पवित्रता को बनाए रखना ही हमारे संस्कार हैं

विनय उजाला

पिछले कुछ वर्षों में गर्भिणी के एक संस्कार गोद भराई के कार्यक्रमों में जाने के अवसर प्राप्त होते रहे हैं।

यह बात अलग है कि गोद भराई का नाम अब बेबी शावर हो चुका है।

चलिए हम सोचते हैं नाम में क्या रखा है,प्रसंग तो वही है..! लेकिन तकलीफ तब होती है जब प्रसंग का प्रारूप ही बदल जाता है।हरे रंग के पारंपरिक परिधान साड़ी या ओढ़नी का स्थान स्कर्ट और फ्रॉक ले लेते हैं। टीका लगाकर मंत्रोच्चार के साथ गोद भराई हो ही नहीं पाती, क्योंकि गर्भिणी के पास आंचल/ओढ़नी ही नहीं रहता। लेकिन कहते हैं ना कि सूखी धरती पर कभी बारिश भी होती है। तेज तपती चिलचिलाती धूप में चलते हुए घने वृक्ष की छांह भी मिल जाती है।

कुछ ऐसा ही पिछले दिनों हुआ। शहर की एक प्रतिष्ठित स्त्री रोग विशेषज्ञ की बहू की गोद भराई का कार्यक्रम था। आने वाले शिशु के स्वागत में एक दो मनोरंजन कार्यक्रम हुए। उसके बाद बाकायदा गोद भराई का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। गर्भिणी बैठी। पहले पंडित जी आए उन्होंने संस्कृत के कुछ श्लोक पढ़े और साथ ही उनका अर्थ भी समझाया। जिसका तात्पर्य यह था कि गर्भिणी ईश्वर से प्रार्थना कर रही है कि मेरी पवित्र कुक्षी में जो शिशु है उसकी रक्षा हो। उसे पूरे संस्कार प्रदान हों। और भी इस तरह की कई बातें उन श्लोक के माध्यम से ईश्वर से प्रार्थना के रूप में की गई। बहू ने भी पूरी आस्था के साथ हाथ जोड़कर उन मंत्रोच्चार को आत्मसात किया। तब उसे टीका लगाकर उसके आंचल में गुड़, नारियल समेत अन्य वस्तुएं भरकर गोद भराई का कार्यक्रम संपन्न हुआ। उपस्थित सारी महिलाओं ने आकर उसे उसे अपना आशीर्वाद प्रदान किया। उन महिला चिकित्सक ने यह भी कहा कि भले ही कुछ लोगों को यह चीज ऑफबीट लगे, लेकिन मुझे लगता है कि सनातन से चले आ रहे संस्कार हमारे अंदर बाकी रहें।हमारी आने वाली पीढ़ी उसे समझे। सनातन धर्म से जुड़े हर संस्कार हमारे जीवन का अभिन्न अंग रहे हैं। हर संस्कार से श्लोक जुड़े हैं जो कि कहीं ना कहीं हमें गहराई प्रदान करते हैं। यदि हमें धर्म बचाना है तो अपने संस्कार बचाए रखने होंगे। यह सब देखकर मुझे गर्व व प्रसन्नता हुई। साथ ही प्रसन्नता इस बात की थी कि युवा पीढ़ी इस बात को समझ रही है और आत्मसात कर रही है।

लेकिन युवा पीढ़ी को समझाने के लिए पहले हमें स्वयं समझना होगा कि यह संस्कार वास्तव में हमारे जीवन के लिए, हमारे भविष्य के लिए आने वाले समय के लिए कितने आवश्यक हैं।

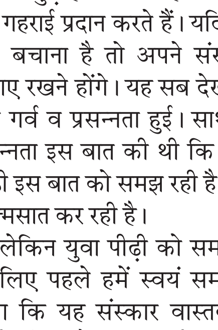

ज्योति जैन
1432/24, नंदानगर
इन्दौर -452011

पश्चिमी समाज को यह जटिल कथाबोध समझ में नहीं आता। पश्चिमी लोग कभी नहीं तय कर पाते कि अगर रावण इतना ही महान ज्ञानी, परमसुविज्ञ, तपस्वी और महानभक्त था, तो फिर वह जानबूझकर ऐसी गिरी हुई हरकतें क्यों करता है कि अपनी हरकतों के चलते समूचे कुल का नाश करवा लेता है।

विश्व के आदिग्रंथों की धरा है भारत फिर हम रचनात्मक सुपर पावर क्यों नहीं ?

लोकमित्र गौतम

भारत में पहली बार 1 से 4 मई 2025 तक हुए वेव्स (वर्ल्ड आर्डियो/विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट) सम्मेलन में 90 से अधिक देशों के 10 हजार से अधिक प्रतिनिधियों, 1 हजार से ज्यादा कलाकारों, 300 से अधिक कंपनियों और 350 से ज्यादा स्टार्टअप प्रतिनिधियों ने बार बार एक ही विषय पर 42 मुख्य सत्रों, 39 विशेष सत्रों और 32 मास्टर क्लासेज के दौरान एक ही बात पर बार बार विमर्श हुआ कि आदिग्रंथों की धरा होने के बावजूद भारत आखिरकार रचनात्मक महाशक्ति या क्रिएटिव सुपर पावर क्यों नहीं हैं? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए अपने संबोधन में कहा कि भारत के पास कहानियों का खजाना है और इसमें कोई दो राय नहीं है कि हम वाकई कहानियों के मामले में दुनिया के कथा हब हैं। बावजूद आखिर क्या ऐसी बात है कि भारत में लिखी गई कहानियां, उपन्यास या हमारे यहां बनी फिल्में दुनिया को उस तरह से क्यों नहीं झकझोर पाती, जैसे कि दुनिया के अलग अलग हिस्सों की कई कहानियों, उपन्यासों, फिल्मों और टीवी धारावाहिकियों ने किया है? प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए एआर रहमान और राजामौली की तारीफ करते हुए और राजकूपर का जिक्र किया, जिनकी फिल्में जापान से लेकर रूस तक आज भी याद की जाती है।

लेकिन हम यह भले हिचक के साथ कहें, पर यह तो तय ही है कि आखिरकार क्या ऐसी बात है कि हम इतनी प्राचीन सभ्यता और विराट संस्कृति के स्वामी होने के बावजूद आखिर ऐसी फिल्में, ऐसे धारावाहिक और ऐसी वेबसीरीज क्यों नहीं बना पाते, जिनकी दुनिया के हर भाषा में रियल टाइम पर ही तारीफ हो, अनुवाद हो और दुनिया उन कथाओं पर अपने अपने समाज और समय की धड़कनों को महसूस करें? कहीं ऐसा तो नहीं है कि हमारी क्रिएटिविटी या हमारी रचनात्मकता की अपनी सांस्कृतिक जटिलताएं हों, हमारे अनुभव और हमारी कल्पनाएं असाधारण रचनात्मक होते हुए भी सांस्कृतिक रूप से सम्प्रेषित न हो पा रही हों? कहीं हम कल्चरल ट्रांसलेबिलिटी के शिकार तो नहीं हैं? कहीं हमारा कथात्मक ढांचा यानी नेरेटिव स्ट्रक्चर इतना अलग तो नहीं है कि दुनिया को समझ न आता हो? अगर गहराई से सोचा जाए तो कुछ कुछ ऐसा ही है। दरअसल भारतीय जीवन दृष्टि या जीवनशैली कुछ ऐसी है कि जिसमें सच और झूठ, अच्छा और बुरा जैसे श्यामश्वेत विभाजन नहीं है।

भारत के सबसे महान और तथात्मकता से भरपूर ग्रंथ महाभारत को ही लें, तो महाभारत में एक साथ नैतिकता-अनैतिकता, सत्य और असत्य, धर्म और अधर्म की कथा गंगाएं बहती हैं। आप बहुत स्पष्टता से यह सिद्ध नहीं कर सकते कि महाभारत जैसा महाग्रंथ आखिर किस पक्ष में खड़ा है? अगर हम एक तरफ दुर्योधन की तमाम अनैतिकताओं, अनितियों का प्रतिकार करते हैं, आलोचना करते हैं, तो ठीक उसी समय हम उसी महाभारत में श्रीकृष्ण द्वारा वैसे ही जाल फांस अनैतिकताओं, असत्य और अधर्म का महिमामंडल करते हैं। हालांकि इसके पीछे बहुत सूक्ष्म तर्क और पक्षधरता मौजूद है। लेकिन एक आम इंसान बड़ी सहजता से इसे नहीं स्वीकार कर पाता कि अगर धर्म युद्ध में अभिमन्यु को घेरकर मार डालना अधर्म है, तो कमर के नीचे गदावार न करने की स्पष्ट नीति होने के बावजूद हमें भगवान कृष्ण के इशारे पर भीम द्वारा दुर्योधन की जांघा तोड़ देने की हरकत क्यों अधर्म युद्ध का हिस्सा नहीं लगती? दरअसल ज्यादातर भारतीय कथाएं इतनी सूक्ष्म और गोलाकार हैं कि भारतीय कथाएं अंत में सत्य और असत्य के धुंधलके में पहुंच जाती हैं।

कथा सम्राट प्रेम चंद की कहानी 'कफन' में अंततः आप स्पष्ट ढंग से यह तय नहीं कर सकते कि कहानी में नायक कौन है? आखिर कथा किसके प्रति सहानुभूति पैदा करती है? क्या उन बाप-बेटों के प्रति जो अपनी पुत्रवधु को बेरहमीं से तड़प-तड़पकर मरते देखना इसलिए स्वीकार करते हैं कि कहीं एक के वहां से उठ जाने पर दूसर भुना हुआ आलू न गरक कर लें। यह एक नजर से अमानवीय की पराकाष्ठा है और दूसरी तरफ हम इसी पराकाष्ठा से चरमसंवेदना के हाहाकार का स्रोत तलाशते हैं। पश्चिमी समाज को यह जटिल कथाबोध समझ में नहीं आता। पश्चिमी लोग कभी नहीं तय कर पाते कि अगर रावण इतना ही महान ज्ञानी, परमसुविज्ञ, तपस्वी और महानभक्त था, तो फिर वह जानबूझकर ऐसी गिरी हुई हरकतें क्यों करता है कि अपनी हरकतों के चलते समूचे कुल का नाश करवा लेता है। एक भी व्यक्ति कुल का दीया जलाने के लिए नहीं बचता। क्या ये हमारे रचनाकारों की परमप्रज्ञा स्थिति में पहुंच जाने का नतीजा है कि वे अच्छाई और बुराई को बहुत स्थूल रूप में नहीं देख पाते। क्या यह महान बौद्धिकता की अपनी जटिलताएं हैं? पश्चिम का समाज सीधे सपाट कथा क्रम पर भरोसा करता है, वही उसे पसंद आता है। इसलिए पश्चिम की महान कथाएं स्पष्ट रूप से एक सीधी यानी लाइनर कथाएं होती हैं, वो गोल गोल नहीं घूमती कि हम अपनी सुविधा से कभी भी किसी को नायक स्वीकार कर लें और चाहें तो उसे ही खलनायक बना दें।

दरअसल हमारी जीवन दृष्टि इतनी बारीक और अनूठी है कि हम अपनी सारी यात्राएं बाहर नहीं, अंदर की तरफ करते हैं। इसलिए हम आध्यात्म पर जोर देते हैं। हमारी विशिष्टता आध्यात्मिक तत्व से बनी है, इसलिए हमारे पात्रों के कर्म और पुनर्जन्म जैसे विचार कथा का बड़ा ढांचा बनाते हैं। जबकि दुनिया के ज्यादातर समाज इतने जटिल और बहुप्रति नहीं है, वो सिर्फ सीधे सपाट ढंग से सोच पाते हैं। इसलिए हमारी ज्यादातर महान कथाएं पश्चिम को समझ में ही नहीं आती, क्योंकि स्पष्ट रूप से किसी निष्कर्ष या किसी पाले तक नहीं पहुंचती। भारतीय कथा क्रम में एक ऐसा नायक विकसित होता है, जिसके पीछे पूरा समाज चलता है, कोई तर्क नहीं, कोई प्रतिवाद नहीं। जबकि पश्चिम का नायक अपनी व्यक्तिगत सफलताओं, अपने व्यक्तिगत संघर्ष से खड़ा हुआ नायक होता है और सारी कहानी उसके संघर्ष पर केंद्रित होती है। हमारी कथाओं का भावनात्मक स्तर अतिवादी मेलोड्रामा का शिकार होता है। हमारा प्यार जब तक नाटकीय न हो, तब तक स्वीकार ही नहीं किया जाता। जब तक हमारे नायक के जीवन में कोई अपार संकट न आए, तब तक उसका नायकत्व स्थापित ही नहीं होता।

हालांकि पश्चिमी कथा आधार में भी नाटकीयता होती है, लेकिन आम तौरपर पश्चिम की कहानियां ज्यादा यथापरक, ज्यादा इकहरी और ज्यादा से ज्यादा फोकस्ड होती हैं। शायद इसीलिए भारत की अपार रचनात्मकता दुनिया को न तो जबर्दस्त ढंग से आकर्षित कर पाती है और न ही उसे झकझोर पाती है। भारत की जो भी कहानियां विश्व स्तर पर पसंद की गई हैं, कहना चाहिए वह मूल कथाएं नहीं हैं बल्कि भारतीय जमीन की मूल भाषाओं से निकलकर, अंग्रेजी में अपने नये आकार, प्रकार के साथ खड़ी हुई कथाएं हैं। जैसे- स्लमडॉग मिलेनायर, आरआरआर या और भी तमाम कहानियां जैसे- गुनीत मोंगा की डाक्यूमेंट्री कथा 'द एलिफेंट विस्परर्स' यह बेहद नाजुक और कोमल कहानियां हैं, लेकिन जब इनमें कुछ नाटकीयता कम की गई और अंग्रेजी में इनका ढांचा खड़ा किया गया, तब जाकर ये पश्चिम के समाज को आकर्षित कर पायीं। हमारी कथाएं बेहद जटिल हैं, उनमें एक साथ दांस्तान गोईयां, लोक कथात्मकता और अस्पष्ट कथा दिशा, पश्चिमी आर्ट को उलझाती हैं।

हमारे जमाने के आधुनिक कथाकार भी जैसे- महाश्वेता देवी, उदय प्रकाश, मणिनाथ रेणु और प्रेम चंद सरल कथाकार होते हुए भी अपनी उदार दृष्टि के कारण विलेन में भी बहुत सारा नायक छोड़ देते हैं और नायक के भी ग्रेसेट बने रहते हैं। कुल मिलाकर हमें यह तो सोचना ही होगा कि जिस धरती में पहली बार कविता फूटी, जहां दुनिया का सबसे बड़ा कथाग्रंथ महाभारत रचा गया, जहां प्रकृति का हर जीव अभिव्यक्त करता हो, ऐसी जातक कथाओं की दुनिया में भी आखिर दुनिया उस तरह आकर्षित क्यों नहीं हुई, जैसे एक जमाने में रूसी साहित्य की दीवानी हुई थी या यूरोप और अमेरिका के पोस्टवार कथाओं ने धूम मचायी थी।

(लेखक विशिष्ट मीडिया एवं शोध संस्थान, इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर में वरिष्ठ संपादक हैं)

12 मई बैशाख पूर्णिमा पर विशेष

चार धर्मों की पवित्र तिथि है बैशाख पूर्णिमा उर्फ बुद्ध पूर्णिमा

आर.सी.शर्मा

हिंदू, बौद्ध जैन और सिक्ख यानी भारत की धरती में जन्में सभी पवित्र धर्मों के लिए बैशाख पूर्णिमा बहुत ही पवित्र तिथि है। बौद्धजन इसे बुद्ध पूर्णिमा कहते हैं; क्योंकि इसी दिन गौतम बुद्ध का जन्म, इसी दिन उनका महापरिनिर्वाण और इसी दिन उन्हें बोधि की प्राप्ति हुई थी। बौद्ध धर्म की तरह ही बैशाख पूर्णिमा जैन धर्म की भी एक महत्वपूर्ण तिथि है। इस धर्म के एक मत के मुताबिक इसी दिन जैन धर्म के पहले तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव का जन्म हुआ था। हालांकि कुछ अन्य मतों के मुताबिक उनका जन्म चौत्र शुक्ल नवमी को हुआ था यानी जिस दिन भगवान राम का जन्म हुआ था।

बहरहाल भले कुछ मत भिन्नता हो, लेकिन सभी जैन मतालंबियों के लिए बैशाख पूर्णिमा का दिन भगवान ऋषभ देव स्मृति से जुड़ा दिन है, इसलिए यह जैन धर्म का एक पवित्र दिन है। इसी तरह इस तिथि को अगर सिक्ख धर्म के पवित्र आईने में देखें तो बैशाख पूर्णिमा सिक्खों के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण तिथि है, क्योंकि इसी माह में बैशाखी वाले दिन 10वें गुरु श्रीगोविंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी और तीसरे सिक्ख गुरु श्रीअमरदास जी का जन्म भी कुछ मतों के मुताबिक बैशाख पूर्णिमा को ही हुआ था। यही वजह है कि इस दिन सिक्ख संगत जगह-जगह लंगर और छबील की सेवा लगाती है। गुरुद्वारों पर विशेष कीर्तन, सेवा व लंगरों का आयोजन किया जाता है।

भारत की धरती के इन तीनों महान धर्मों के अलावा सबसे बड़े और प्राचीन सतानत धर्म में बैशाख पूर्णिमा की तिथि को स्नान, दान, पुण्य और जप-तप की महातिथि माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन गंगा स्नान करने से सभी तीर्थों के स्नान के बराबर पुण्य प्राप्त होता है। इस दिन गरीबों को अन्न, वस्त्र, धन आदि का दान करने से व्यक्ति पापों से मुक्त हो जाता है। भगवान विष्णु की पूजा भी इस दिन विष्णु के सत रूप में की जाती है और पूजा के विशिष्ट आयोजन में सत्यनारायण व्रत कथा सुनी जाती है। यह भी मान्यता है कि बैशाख पूर्णिमा पर गंगा स्नान करने से

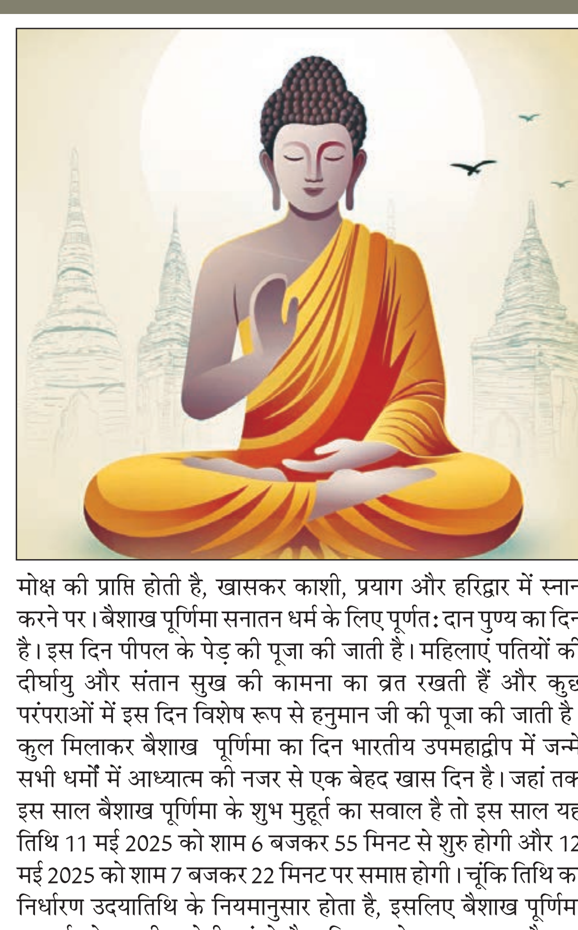

मोक्ष की प्राप्ति होती है, खासकर काशी, प्रयाग और हरिद्वार में स्नान करने पर। बैशाख पूर्णिमा सनातन धर्म के लिए पूर्णतः दान पुण्य का दिन है। इस दिन पीपल के पेड़ की पूजा की जाती है। महिलाएं पतियों की दीर्घायु और संतान सुख की कामना का व्रत रखती हैं और कुछ परंपराओं में इस दिन विशेष रूप से हनुमान जी की पूजा की जाती है। कुल मिलाकर बैशाख पूर्णिमा का दिन भारतीय उपमहाद्वीप में जन्में सभी धर्मों में आध्यात्म की नजर से एक बेहद खास दिन है। जहां तक इस साल बैशाख पूर्णिमा के शुभ मुहूर्त का सवाल है तो इस साल यह तिथि 11 मई 2025 को शाम 6 बजकर 55 मिनट से शुरु होगी और 12 मई 2025 को शाम 7 बजकर 22 मिनट पर समाप्त होगी। चूंकि तिथि का निर्धारण उदयातिथि के नियमानुसार होता है, इसलिए बैशाख पूर्णिमा 12 मई को मनायी जायेगी। यूं तो जैसा कि आपने अब तक पढ़ा बैशाख पूर्णिमा भारत में जन्में सभी धर्मों के लिए महत्वपूर्ण तिथि है, लेकिन बौद्ध धर्म के लिए इसका खास महत्व है। चूंकि बौद्ध धर्म दुनिया के अनेक देशों में फैला हुआ है, खासकर एशिया के दक्षिण, दक्षिण-पूर्व और सुदूर-पूर्व एशिया में। इसलिए यह तिथि विशेष रूप से बुद्ध पूर्णिमा के रूप में जानी जाती है। बौद्ध परंपरा और पुरातात्विक खोजों के मुताबिक गौतम बुद्ध का जन्म 563-483 ईसा पूर्व मौजूदा नेपाल के लुंबिनी क्षेत्र में हुआ था। उनकी मां का नाम महामाया और उनके पिता यशस्वी राजा शुद्धोधन थे। नेपाल में मिले अशोक स्तंभ के मुताबिक लुंबिनी में बुद्ध के जन्म को चिन्हित करने वाले कई चिन्ह आज भी मिलते हैं। वैसे भगवान बुद्ध के जन्म की कोई सटीक तिथि नहीं है, लेकिन विभिन्न चंद्र कैलेंडरों के मुताबिक अशोक का जन्म लुंबिनी स्थित बगीचों के आसपास बैशाख पूर्णिमा को हुआ था। चूंकि भारत में बुद्ध पूर्णिमा का रिश्ता यहां पैदा हुए कई धर्मों के साथ है, इसलिए यहां इस दिन विशेष पूजा के साथ बुद्ध पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। बुद्ध पूर्णिमा को भारत में सार्वजनिक अवकाश होता है और इस दिन देश के अनेक बौद्ध सर्किटों में दुनिअभर से बौद्ध धर्म के अनुयायी पहुंचते हैं। सिक्किम, लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश की विभिन्न मॉनिस्ट्रीज में भगवान बुद्ध का जन्म हार्दिक मनोभावों और संवेदना के साथ मनाया जाता है। भारत की 77 फीसदी बौद्ध आबादी चूंकि पूर्वी प्रांतों में निवास करती है, इसलिए बुद्ध पूर्णिमा की रौनक लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक देखने वाली होती है।

दुनियाभर में रह रहे बौद्ध लोग बुद्ध पूर्णिमा के दिन ही यह पर्व मनाते हैं, इसलिए भारत का शायद यह एक अकेला ऐसा पर्व है जो दो दर्जन से भी ज्यादा देशों में भारत सहित एक साथ मनाया जाता है। अतः भारत के लिए बुद्ध पूर्णिमा एक अंतर्राष्ट्रीय पर्व भी है। कुल मिलाकर भारत में जन्में सभी धर्मों से किसी न किसी रूप में पवित्र रिश्ता रखने के कारण बैशाख पूर्णिमा धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भारत की सबसे पवित्र तिथि बन जाती है।

-इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर

आडा वक्त

अनिल, सुनील, अजय और संजय गहरे दोस्त है, चारो एक क्लास में ही पड़ते है, अजय और संजय पढाई में अच्छे है अनिल और सुनील उनके बनाये नोट्स ही पड़कर पास होते है, अनिल और सुनील कि माली हालत अच्छी है वही अजय और संजय आर्थिक रूप से कमजोर है, एक दिन संजय को कुछ पैसे कि जरुरत पद गई तो उसने सुनील से कहा कि यार कुछ दिन के लिए एक हजार रूपये उधार दे दे, सुनील ने साफ मना कर दिया और कहा दोस्ती में मै किसी को उधार नहीं देता, चलो केंटिन में चलते है कुछ नाश्ता करते है चारो ने नाश्ता किया और सुनील ने पांच सौ रूपये का बिल चूका कर चला गया, फिर संजय ने अनिल से कहा यार एक हफ्ते के लिए कुछ पैसे उधार दे दे इस पर अनिल ने कहा यार अगले महीने मेरी बहन का जन्मदिन है मेरे को उसके लिए उपहार लेना है इसलिए मै पैसे नहीं दे सकता और वह भी वह से चला गया, अजय ने संजय से पूछा यार तेरे को पैसे कि क्या जरुरत आन पड़ी जो तू इनसे उधार मांग रहा है इस पर संजय ने कहा यार कल परीक्षा फीस भरने कि आखरी तारीख है और इस बार पिताजी को तनखाह मिली नहीं है इसलिए ही मांग रहा था, इस पर अजय ने संजय से कहा चलो घर चलते है माँ से बात करते है हो सकता है वो कुछ मदद कर दे, संजय अजय के घर जाता है, अजय कि माँ घर पर ही कपड़ो कि सिलाई करती है दो महिलाये उन्हें अपने कपडे का नाप दे रही थी, जैसे ही दोनों महिलाये गई अजय ने पूरी बात अपनी माँ को बताई इस पर अजय कि माँ गेहूं के डब्बे में से पैसे निकाल कर संजय को देती है और बोलती है बेटा चिंता मत करना जब भी पिताजी को तनख्वाह मिले तब दे देना, कुछ पैसे तो आड़े वक्त के लिए छुपा कर रखना ही पड़ते है.

- तपन जिंदल

दैनिक विनय उजाला

बेटी के रूप में माँ को समर्पित कविता

एक अल्हड़ सी, नाजुक सी,प्यारी सी गुड़िया
जिसको ऊँगली पकड़कर चलना सिखाया था
आज हर समय वो मेरा हाथ थामे रहती है।
बिना बोले ही हर बात जान लेती है।
जानती है कि
उसकी एक मुस्कान से दिन बन जाता है मेरा
सो मेरे साथ हँसने,
बतियाने वक्त निकाल ही लेती है
कभी जिसकी चोटी बनाकर स्कूल भेजती थी
आज वह मेरे बाल संवारती है
क्या पहनना, क्या खाना, हर बात यूँ बतलाना
जैसे मेरी ही माँ बन गयी हो वो
सच ही तो कहते है लोग
कि माँ को भी माँ की जरूरत होती है
सो भगवान बेटी को भेज देते है माँ के पास
देख उसे यकीं होता
कि कैसे एक गुड़िया बेटी से सखी और सखी से माँ
जैसी बन गयी
सच में एक नन्ही परी
नव विस्तार बन गयी...
नव विस्तार बन गयी...

दैनिक विनय उजाला

एडवोकेट सारिका जैन
(शास्त्री)

भोले की सीख

सागर की लहरें लहराती,
छवि भोले की दिखलाती,
देख हिमालय जब मुस्काता,
मन फूलों-सा है खिल जाता।
सागर की लहरें ....
चीड़,चिनारों की छाया जब,
सागर में लहराती है,
भोले के साहस की गाथा,
अंतस में छा जाती है।
सागर की लहरें ....
सरल नहीं है जीवन की डग,
जो हमको सिखलाती है,
भोले की सीखों से दुर्गम,
राह सरल हो जाती है।
सागर की लहरें .....
भोले की हर बात निराली,
सुनकर खिल जाती फुलवारी,
जीवन सफल,प्रबल बन जाता,
साथ भोले का जब मिल जाता।
सागर की लहरें ....
आओ नभ की हर बदली में,
भोले की छवि भी देखें हम,
गिरने लगें पानी की बूंदें,
छूकर भोले से मिल जाएं हम।
सागर की लहरें ...
(213/267 वां मनका)

दैनिक विनय उजाला

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी (राम)
गांधीनगर, इन्दौर (म.प्र.)

संक्षिप्त समाचार

सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए, लेकिन सभी दल तभी शामिल हों जब : सिब्बल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति के बाद, राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने रविवार को एक सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की। हालांकि उन्होंने राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे तब तक इसमें शामिल न हों जब तक सरकार यह आश्वासन नहीं देती कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसमें खुद मौजूद रहेंगे। सिब्बल ने संसद का विशेष सत्र बुलाने की भी मांग की और कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि यदि मनमोहन सिंह आज प्रधानमंत्री होते तो वे सर्वदलीय बैठक में उपस्थित होते और विशेष सत्र भी बुलाया जाता। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिब्बल ने सैन्य शत्रुता रोकने के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए सोशल मीडिया पोस्ट का जिक्र किया जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि उन्हें गर्व है कि अमेरिका इस ऐतिहासिक और वीरतापूर्ण निर्णय तक पहुंचने में मदद करने में सक्षम था। सिब्बल ने कहा, इस ट्वीट पर भी कई सवाल उठेंगे। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि पिछले 48 घंटों से बातचीत चल रही थी। तो क्या हुआ, कैसे हुआ और क्यों हुआ, इस बारे में हमें कोई जानकारी नहीं दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि तटस्थ स्थान पर बैठक होगी। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने भी एनएसए अजीत डोवाल से बात की है। सिब्बल ने कहा, हम आज कोई आलोचना नहीं करेंगे क्योंकि यह आलोचना का समय नहीं है। हम केवल एक विशेष संसद सत्र और एक सर्वदलीय बैठक बुलाना चाहते हैं। मैं सभी राजनीतिक दलों से अपील करना चाहता हूं कि वे तब तक बैठक में शामिल न हों जब तक सरकार उन्हें आश्वासन नहीं देती कि प्रधानमंत्री भी बैठक में मौजूद रहेंगे।

भारत ने पाकिस्तान की ये 8 झूठी 'मिसाइलें' भी उड़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चले संघर्ष के दौरान पाकिस्तान ने अपने झूठ और दुष्प्रचार की सारी हदें पार कर दीं। मिसाइल हमलों से लेकर धार्मिक स्थलों पर हमलों के फर्जी आरोपों तक, पाकिस्तान ने एक के बाद एक मनगढंत कहानियां गढ़ीं, लेकिन भारत ने हर झूठ का जवाब तथ्यों, समय-सील फोटोज और वीडियो के साथ देकर पाकिस्तान को पूरी दुनिया के सामने शर्मसार कर दिया। भारत ने साफ किया कि पाकिस्तान की इन कोशिशों का मकसद सिर्फ अपनी विफलता को छुपाना और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को गुमराह करना था। भारत ने न केवल इस दुष्प्रचार को बेनकाब किया, बल्कि यह भी दिखा दिया कि उसकी सैन्य और रणनीतिक तैयारी कितनी मजबूत है।

पहलगाम हमले के 8 दिन बाद ही तय हो गया था आतंकियों का अंजाम?

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने 1 मई को ही अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से फोन पर बात की थी। विदेश मंत्री ने अमेरिका को भारत के दो टूक संदेश में कह दिया था, हम पाकिस्तान में आतंकवादियों पर हमला करेंगे, और इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए। इसके अलावा भारत ने संयुक्त राष्ट्र में भी पाकिस्तान को बेनकाब करने की पूरी तैयारी कर ली है। सूत्रों ने बताया है कि अगले सप्ताह भारत से एक टीम संयुक्त राष्ट्र जाएगी। इसी समय संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबंध समिति की बैठक प्रस्तावित है। इसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के सबूत पेश किए जाएंगे। विदेश मंत्री जयशंकर के कड़े तेवरों का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि उन्होंने अमेरिकी समकक्ष को दो टूक संदेश दिया और कहा कि दोनों देशों के सैन्य महानिदेशक के अलावा किसी अन्य स्तर पर बातचीत नहीं होगी। सूत्रों के मुताबिक बीते 9 मई को भारत ने हवाई हमले किए। 10 मई की सुबह भारतीय सेना ने ऐसा हमला किया मानो गोलाबारी नरक की आग जैसी हो। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष असीम मुनीर से बात की। इसके बाद रुबियो ने विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर को फोन किया और बताया कि पाकिस्तान बातचीत के लिए तैयार है। इस पर भारत ने साफ कर दिया कि बातचीत केवल डीजीएमओ के बीच ही होनी चाहिए, किसी और के बीच नहीं। कड़े तेवरों को देखते हुए पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारतीय समकक्ष से 10 मई को दोपहर 1 बजे मिलने का समय मांगा। गौरतलब है कि भारत ने 7 मई 1.05 बजे नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने के बाद ही पाकिस्तानी डीजीएमओ को बता दिया था कि सेना ने पाकिस्तान में आतंकी ढांचे पर हमला किया है।

संघर्ष के हर दौर में भारत से हारा पाकिस्तान

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और पाकिस्तान ने चार दिन के संघर्ष के बाद संघर्ष विराम का एलान किया, लेकिन कुछ घंटे बाद ही सीमा पर फिर से गोलीबारी और सीमावर्ती जिलों में ड्रोन घुसपैठ से हालात फिर से बिगड़ते दिखे। भारत ने सेना को किसी भी कार्रवाई का उसी तरीके से जवाब देने का आदेश दिया। हालांकि, देर रात के बाद शांति बहाल हुई। फिलहाल माहौल तनावपूर्ण है और संघर्ष विराम पर संशय बरकरार है।

इस बीच कूटनीतिक मैदान में इस सीजफायर पर सवाल उठने लगे। धारणा की लड़ाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पर पिछड़ने का आरोप लगाया जाने लगा। कहा जाने लगा कि संघर्ष विराम से पहले उसने वह मकसद हासिल नहीं किया, जिसके लिए यह पूरा संघर्ष शुरू हुआ था। इस बीच सूत्रों के हवाले से सरकार का जवाब भी सामने आने लगा। चाहे सीजफायर से पहले आतंक और पाकिस्तान की कमर तोड़ने की बात हो या फिर कश्मीर के मुद्दे पर डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता की पेशकश हो, हर दावों का जवाब सामने आया। इसके साथ यह भी बताया गया कि पाकिस्तान से धारणा की लड़ाई में भी भारत कभी नहीं पिछड़ा।

मैदान में कहीं नहीं टिकने के बाद टेके घुटने

अब हम छोटे शिविरों पर हमला नहीं करेंगे

सूत्रों के मुताबिक, आईएसआई से करीबी तौर पर जुड़े मुरीदके, बहावलपुर के आतंकी शिविरों पर हमला करने के बाद भारत ने जो संदेश दिया है, वह यह है कि हमने अपनी नजरें बंद नहीं की हैं। हम आपको मुख्यालय में भी मार सकते हैं। अब हम छोटे शिविरों पर हमला नहीं करेंगे। भारत ने दुनिया को यह स्पष्ट कर दिया है कि आप पीड़ितों और अपराधियों की बराबरी नहीं कर सकते।

रहीमयार खान और चकलाला एयरबेस का रनवे तबाह

बताया गया कि हमले बहुत ही सटीकता से किए गए। पाकिस्तान में रहीमयार खान एयरबेस का रनवे पूरी तरह से समतल हो गया था। चकलाला स्थित पाकिस्तानी वायुसेना बेस नूर खान पर भी बुरा हाल हुआ। तकनीकी और सैन्य क्षमताओं के बीच बड़ा अंतर था। भारत और पाकिस्तान के बीच बहुत बड़ा अंतर था। पाकिस्तान को एहसास हो गया था कि वे उस श्रेणी में नहीं हैं। भारत ने अपनी मर्जी से जवाबी प्रहार किया और पाकिस्तान के हमलों को नाकाम कर दिया गया। पाकिस्तान को कोई संदेह नहीं होना चाहिए।

भारत ने स्पष्ट संदेश दिया कि आतंकी कहीं भी सुरक्षित नहीं

हर दौर में पाकिस्तान के लिए स्थिति खराब होती गई। वे लड़ाई के हर दौर में भारत से हार गए। पाकिस्तान के हवाई ठिकानों पर हमारे हमलों के बाद पाकिस्तान को एहसास हो गया कि वे इस संघर्ष में कहीं नहीं टिकने वाले हैं। भारत ने स्पष्ट संदेश दिया कि अब कुछ भी सुरक्षित नहीं है।

पीओके की वापसी ही एकमात्र विषय

कश्मीर पर हमारी स्थिति बहुत स्पष्ट है। अब केवल एक ही मामला बचा है- पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की वापसी। इसके अलावा और कोई बात नहीं है। अगर वे आतंकवादियों को सौंपने की बात करते हैं तो हम बात कर सकते हैं। हमारा किसी और विषय पर कोई इरादा नहीं है।

जीत के मुंह से हार छीनना भारत के राजनीति की परंपरा

वहीं इस पर रक्षा विश्लेषकों ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, जीत के मुंह से हार छीनना लंबे समय से भारतीय राजनीतिक परंपरा रही है। अपने एक्स हैंडल पर उन्होंने कुछ उदाहरण भी साझा किए हैं।

1948-भारत जम्मू और कश्मीर के मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में ले जाता है और फिर जब भारतीय सेना जीत की ओर बढ़ रही होती है, तो युद्ध विराम पर सहमत हो जाता है।

1954- बिना किसी बदले के, भारत तिब्बत में अपने अतिरिक्त क्षेत्रीय अधिकारों को छोड़ देता है और चीन के तिब्बत क्षेत्र को मान्यता देता है।

1960-भारत ने सिंधु बेसिन के पानी के चार-पांचवें हिस्से को अपने दुश्मन पाकिस्तान के लिए सुरक्षित रखने के लिए एक संधि पर हस्ताक्षर किए।

1966-भारत ने 1965 के युद्ध की शुरुआत करने वाले पाकिस्तान को अत्यधिक रणनीतिक हाजी पीर लौटा दिया, जो बाद में पाकिस्तान के लिए भारत में आतंकवादियों की घुसपैठ करने का लॉन्चपैड बन गया।

1972-शिमला में, भारत ने पाकिस्तान से बदले में कुछ भी हासिल किए बिना वार्ता की मेज पर अपने युद्ध लाभ को दे दिया।

2021-चीन की तरफ से लद्दाख की प्रमुख सीमा पर 2020 में किए गए गुप्त अतिक्रमण के बाद, भारत ने रणनीतिक कैलाश हाइट्स को खाली कर दिया, ये पहाड़ियां इतनी अहम थीं कि भारत के पास चीन से बातचीत में दबाव बनाने का एकमात्र मजबूत कार्ड थीं और फिर लद्दाख के कुछ क्षेत्रों में चीन की तरफ से डिजाइन किए गए बफर जोन पर सहमति व्यक्त की।

2025- आतंकवादी प्रॉक्सी के माध्यम से पाकिस्तान के चार दशक लंबे हजारों घावों वाले युद्ध को समाप्त करने के लिए, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, लेकिन बिना किसी स्पष्ट उद्देश्य को हासिल किए इसे तीन दिन बाद ही रोक दिया गया।

1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध की जीत का भारत को नहीं मिला फायदा : सरमा

नई दिल्ली, एजेंसी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि भारत-पाकिस्तान युद्ध में ऐतिहासिक जीत के बाद बांग्लादेश के निर्माण के समय की स्थिति को उन्होंने ठीक से नहीं संभाला। उन्होंने इस अवसर को ऐतिहासिक भूल बताया। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट साझा करते हुए सरमा ने लिखा, भारत की 1971 की सैन्य विजय निर्णायक थी, लेकिन राजनीतिक नेतृत्व रणनीतिक लाभ सुनिश्चित नहीं कर पाया।

सरमा ने कहा कि भारत ने एक धर्मनिरपेक्ष बांग्लादेश के निर्माण का समर्थन किया था, लेकिन 1988 में वहां इस्लाम को राज्य धर्म घोषित कर दिया गया। आज वहां राजनीतिक इस्लाम हावी है, जो उन मूल्यों के विपरीत है जिनके लिए भारत ने समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में पहले हिंदू आबादी 20 प्रतिशत थी, जो अब 8ब से भी कम रह गई है। इसके पीछे संगठित भेदभाव और हिंसा जिम्मेदार हैं, जिसे भारत ने लंबे समय तक नज़रअंदाज़ किया। सरमा ने सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि भारत ने सैन्य प्रभुत्व के बावजूद इस भू-भाग की भौगोलिक कमजोरी को दूर नहीं किया। यदि उत्तरी बांग्लादेश के माध्यम से एक सुरक्षित कॉरिडोर बनाया जाता, तो पूर्वोत्तर भारत अधिक जुड़ाव महसूस करता।

सीएम हिमंत ने कांग्रेस पर साधा निशाना

अवैध प्रवासियों की समस्या का हल नहीं निकला

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1971 के बाद भारत ने बांग्लादेशी घुसपैठियों की वापसी को लेकर कोई ठोस समझौता नहीं किया। इसका परिणाम यह हुआ कि असम, बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों में जनसंख्या असंतुलन और सामाजिक अस्थिरता देखने को मिल रही है। सरमा ने यह भी आरोप लगाया कि भारत ने रणनीतिक दृष्टि से चिटगांव बंदरगाह तक पहुंच सुनिश्चित नहीं की, जिससे पूर्वोत्तर क्षेत्र अब भी भू-आवृत्त बना हुआ है।

बांग्लादेश बना उग्रवादियों का अड्डा

उन्होंने बताया कि कई दशकों तक बांग्लादेश भारत-विरोधी उग्रवादी संगठनों का गढ़ बना रहा, क्योंकि 1971 में भारत ने सुरक्षा गैप को भरने में विफलता दिखाई। मुख्यमंत्री ने अपनी पोस्ट का समापन करते हुए कहा, 卐1971 की जीत के बावजूद भारत ने कई रणनीतिक अवसर गंवाए, और यह जीत कूटनीतिक चुप्पी की वजह से कमजोर पड़ गई।卐असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की तीखी आलोचना करते हुए कहा है कि भारत-पाकिस्तान युद्ध में ऐतिहासिक जीत के बाद बांग्लादेश के निर्माण के समय की स्थिति को उन्होंने ठीक से नहीं संभाला। उन्होंने इस अवसर को ऐतिहासिक भूल बताया।

संजय राउत ने केंद्र सरकार पर लगाए आरोप

सीजफायर समझौते पर उठाए सवाल सर्वदलीय बैठक जल्द बुलाने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी

राउत ने कहा कि इस समझौते से भारतीय सेना का मनोबल गिरा है और यह निर्णय अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इशारे पर लिया गया।

शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने भारत और पाकिस्तान के बीच हुए हालिया समझौते पर सरकार को घेरते हुए इसकी टाइमिंग पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह समझौता ऐसे समय किया गया जब पाकिस्तान को सबक सिखाने का सुनहरा अवसर था। इसके साथ ही उन्होंने इस गंभीर मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है। राउत ने कहा कि इस समझौते से भारतीय सेना का मनोबल गिरा है और यह निर्णय अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इशारे पर लिया गया। उन्होंने पूछा, ट्रंप का इस मामले से क्या लेना-देना है? राउत ने यह भी आरोप लगाया कि यह समझौता उस वक्त हुआ जब एक पाकिस्तानी मिसाइल दिल्ली की ओर बढ़ रही थी और उसे हरियाणा में गिराया गया। उन्होंने दावा किया कि गुजरात भी निशाना बन सकता था।

पीएम को होना चाहिए जवाबदेह

राउत ने यह भी कहा कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मौजूद रहकर जवाब देना चाहिए और सभी दलों के नेताओं को विश्वास में लिया जाना चाहिए। उन्होंने पूछा कि जब पाकिस्तान को सख्त सबक सिखाने का मौका था, तब पीछे हटने की क्या ज़रूरत थी? राउत ने कहा कि जब तक पहलगाम आतंकी हमले में शामिल आतंकियों का खात्मा नहीं होता, तब तक ऑपरेशन सिंदूर अधूरा है। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, इस स्तर पर आकर पीछे हटना सेना के हौसले को तोड़ने जैसा है। संजय राउत ने यह भी कहा कि इस पूरे घटनाक्रम में चीन और तुर्की ने पाकिस्तान का समर्थन किया, जबकि भारत के समर्थन में एक भी देश सामने नहीं आया। उन्होंने पूछा, यह किसकी कूटनीतिक विफलता है?

जयंती और निर्वाण दिवस

विष्णु के अवतार भगवान बुद्ध कई राष्ट्रों के पथप्रदर्शक

भगवान बुद्ध का धर्म पूर्व के कई राष्ट्रों का धर्म है। जिसमें जापान, दक्षिण कोरिया, उत्तर कोरिया, चीन, वियतनाम, ताइवान, थाईलैंड, कंबोडिया, हांगकांग, मंगोलिया, तिब्बत, भूटान, मकाऊ, बर्मा, लागोस और श्रीलंका तो बौद्ध राष्ट्र है ही साथ ही भारत, नेपाल, मलेशिया, इंडोनेशिया, रशिया, संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, कनाडा, सिंगापुर, फिलीपींस, ब्राजील और अफगानिस्तान में भी बौद्धों की संख्या अच्छी खासी है। हालांकि कुछ वर्षों में अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश में बौद्धों पर हुए अत्याचार के चलते वहां इनकी संख्या कम हो चली है।

पंचांग के अनुसार हर साल वैशाख पूर्णिमा के दिन को भगवान बुद्ध की जयंती और निर्वाण दिवस के तौर पर मनाया जाता है। इसे बुद्ध पूर्णिमा कहते हैं। इस साल बुद्ध पूर्णिमा सोमवार 12 मई को है। बुद्ध पूर्णिमा का दिन बौद्ध धर्म को मानने वाले और साथ ही हिंदू धर्म के लोगों के लिए बहुत ही खास दिन होता है। इस दिन हिंदू धार्मिक मान्यता के अनुसार लोग पवित्र नदियों में स्नानादि कर भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, दान-दक्षिणा देते हैं और व्रत भी रखते हैं। वहीं बौद्ध धर्म को मानने वाले लोग बुद्ध पूर्णिमा के दिन को भगवान बुद्ध की जयंती के तौर पर बड़े ही धूमधाम से मनाते हैं।

इस दिन बन रहे शुभ योग

व्रियान योग : यह योग 22 मई की रातभर रहेगा, जो विशेष रूप से शुभ माना जाता है।
रवि योग : यह योग 23 मई को सुबह 5.32 बजे से अगले दिन सुबह 6.12 बजे तक रहेगा। इस अवधि में सूर्य की पूजा और मंत्र जाप अत्यंत फलदायी होते हैं।
भद्रावास योग : यह योग 23 मई को सुबह 9.14 बजे तक रहेगा। इस दौरान भद्रा का वास पाताल में रहेगा, जो शुभ संकेत देता है।

बौद्ध जातक कथाएं विश्व प्रसिद्ध हैं

शोध बताते हैं कि दुनिया में सर्वाधिक प्रवचन बुद्ध के ही रहे हैं। यह रिकॉर्ड है कि बुद्ध ने जितना कहा और जितना समझाया उतना किसी और ने नहीं। धरती पर अभी तक ऐसा कोई नहीं हुआ जो बुद्ध के बराबर कह गया। सैकड़ों ग्रंथ है जो उनके प्रवचनों से भरे पड़े हैं और आश्चर्य कि उनमें कहीं भी दोहराव नहीं है। 35 की उम्र के बाद बुद्ध ने जीवन के प्रत्येक विषय और धर्म के प्रत्येक रहस्य पर जो ?कुछ भी कहा वह त्रिपिटक में संकलित है। त्रिपिटक अर्थात तीन पिटक- विनय पिटक, सुत्त पिटक और अभिधम्म पिटक। सुत्तपिटक के खुद्दक निकाय के एक अंश धम्मपद को पढ़ने का ज्यादा प्रचलन है। इसके अलावा बौद्ध जातक कथाएं विश्व प्रसिद्ध हैं। जिनके आधार पर ही ईसप की कथाएं निर्मित हुई।

सभी जगह पड़े बौद्ध भिक्षुओं के कदम

पश्चिम के बुद्धिजीवी और वैज्ञानिक बुद्ध और योग को पिछले कुछ वर्षों से बहुत ही गंभीरता से ले रहे हैं। चीन, जापान, श्रीलंका और भारत सहित दुनिया के अनेक बौद्ध राष्ट्रों के बौद्ध मठों में पश्चिमी जगत की तादाद बढ़ी है। सभी अब यह जानने लगे हैं कि पश्चिमी धर्मों में जो बाते हैं वे बौद्ध धर्म से ही ली गई है, क्योंकि बौद्ध धर्म, ईसा मसीह से 500 साल पूर्व पूरे विश्व में फैल चुका था। दुनिया का ऐसा कोई हिस्सा नहीं बचा था जहां बौद्ध भिक्षुओं के कदम न पड़े हों। दुनिया भर के हर इलाके से खुदाई में भगवान बुद्ध की प्रतिमा निकलती है।

बुद्ध पूर्णिमा का महत्व

बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए आत्म-निरीक्षण, अहिंसा, करुणा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा का प्रतीक है। यह दिन न केवल धार्मिक उत्सव है, बल्कि यह समाज में शांति और सद्भावना की भावना को बढ़ावा देने का अवसर भी है। यदि आप दिल्ली में हैं, तो ये दिन आपके लिए काफी खास होने वाला, दरअसल दिल्ली में बुद्ध पूर्णिमा का सार्वजनिक अवकाश है, और आप विभिन्न मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर आयोजित कार्यक्रमों में भाग ले सकते हैं।

बुद्ध पूर्णिमा की विशेषताएं

बुद्ध पूर्णिमा के दिन, विशेष रूप से बोध गया (बिहार) स्थित महाबोधि मंदिर में पूजा और ध्यान की विशेष व्यवस्था की जाती है। भिक्षु और श्रद्धालु मंदिरों में इकट्ठा होकर प्रार्थना, उपदेश और ध्यान करते हैं। श्रीलंका में, घरों और सड़कों को दीपों और रंगीन कागज की झालरों से सजाया जाता है।

महात्मा बुद्ध की शिक्षाएं

- आपका कार्य वही है जिसे आप सोचते हैं।
- जिस तरह एक दीपक खुद जलता है वैसे ही एक व्यक्ति अपने भीतर से ज्ञान व शांति की प्राप्ति करनी चाहिए।
- अपनी सोच को नियंत्रित कर पाने वाला व्यक्ति ही सच्चा विजेता है।
- हर एक चीज अस्थायी हैं, इसलिए उनसे चिपकना नहीं चाहिए बल्कि उन्हें जाने देना सीखना चाहिए।
- आपके भीतर जो शांति है, वही वो कुंजी है जिससे बाहरी दुनिया में शांति लाई जा सकती है।
- जीवन में दुख हमेशा ही होगा पर दुख को खत्म करने की क्षमता हमारे भीतर ही है।
- जो किसी को क्षमा कर दें वह सबसे बड़ा विजेता है।
- समय के साथ समझ बढ़ती है व समझ से दुख में कमी होती है।
- आप अपने मन को जितना अधिक शांत करेंगे, उतना ही आपके जीवन में शांति आएगी।
- अपने भीतर के डर को जो मनुष्य जीत लेता है वह दुनिया जीत सकता है।

भगवान बुद्ध और गौतम बुद्ध में अंतर

- कई लोग भगवान बुद्ध और गौतम बुद्ध को एक ही मान लेते हैं. दरअसल गौतम बुद्ध और भगवान बुद्ध को एक ही मानने के पीछे भ्रमित होने का विशेष कारण भी है. गौतम बुद्ध और भगवान बुद्ध के नाम, गोत्र और कार्यों में काफी हद तक समानता पाई जाती है. लेकिन गौतम बुद्ध और भगवान बुद्ध एक नहीं हैं।
- भगवान बुद्ध को भगवान विष्णु के दशावताओं (दस अवतार) में नौंवा अवतार माना जाता है. भगवान बुद्ध भगवान क्षीरोदशायी विष्णु के अवतार हैं।
- मान्यता है कि बलि प्रथा की अनावश्यक जीव हिंसा की रोक के लिए ही इनके इस अवतार का जन्म हुआ था।
- भगवान बुद्ध की माता का नाम श्रीमती अंजना और पिता का नाम हेमसदन था।
- वहीं शाक्यसिंह बुद्ध जिनके बचपन का नाम सिद्धार्थ गौतम (गौतम बुद्ध) के माता-पिता का नाम माया देवी और शुद्धोदन था।
- श्रीललित विस्तार ग्रंथ के 21 वें अध्याय की पृष्ठ संख्या 178 में वर्णित है कि संयोगवश गौतम बुद्ध ने भी उसी स्थान पर तपस्या कर ज्ञान अर्जित किया जहां भगवान बुद्ध ने तपस्या की थी. इस कारण भी लोग दोनों को एक मान लेते हैं।
- गौतम बुद्ध का जन्म कपिलवस्तु के वनों में 477 बीसी में हुआ था. वहीं बताया जाता है कि भगवान बुद्ध आज से करीब 5 हजार साल पहले बिहार के गया में प्रकट हुए थे।
- श्रीमद् भागवत महापुराण और श्रीनरसिंह पुराण के अनुसार, भगवान बुद्ध आज से करीब 5 हजार साल पहले इस धरती पर आए थे. जबकि जर्मन के वरिष्ठ स्कालर मैक्स मूलर के अनुसार गौतम बुद्ध 2491 साल पहले आए थे. यानी गौतम बुद्ध और भगवान बुद्ध दोनों अलग हैं।

संक्षिप्त समाचार

अभा पोरवाल युवा संगठन का स्थापना दिवस

नागदा जं., निप्र। अखिल भारतीय पोरवाल युवा संगठन नागदा द्वारा अ.भा. पोरवाल युवा संगठन का 23वाँ स्थापना दिवस रविवार को श्री बद्रीविशाल मंदिर में राजा टोडरमल जी की पुजा अर्चना व माल्यार्पण कर मनाया गया। सर्वप्रथम वरिष्ठ समाजसेवी नन्दकिशोर पोरवाल, समाज अध्यक्ष ज्ञानेश्वर पोरवाल, सचिव अशोक पोरवाल, सुरेन्द्र पोरवाल, अ.भा. पोरवाल युवा संगठन अध्यक्ष आनन्द पोरवाल व युवा संगठन सदस्यो ने राजा टोडरमल जी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर सेवा गतिविधियां की गई, सुबह गौमाता को घास खिलाकर गौसेवा, राहगीरो को ठण्डी छाछ का वितरण किया गया। इस मौके पर विजय पोरवाल, कमल पोरवाल, अनिल पोरवाल(मोहनभोग), पुष्कर पोरवाल, सुनिल पोरवाल, योगेश पोरवाल, लोकेन्द्र कामरिया, रवि पोरवाल, नवीन मेहता, राहुल पोरवाल, पवन पोरवाल, गगन पोरवाल, कीमती कामरिया, प्रमोद मेहता, पार्षद शिवा पोरवाल, बलराम पोरवाल, पंकज कामरिया सहित पोरवाल युवा संगठन के सदस्यगण व समाजजन उपस्थित थे। यह जानकारी योगेन्द्र पोरवाल ने दी है।

स्वागत कार्यक्रम में मुख्यमंत्री होंगे शामिल

उज्जैन, निप्र। भारतीय जनता पार्टी उज्जैन नगर द्वारा नवनियुक्त मंडलों के पदाधिकारीयों का परिचय व स्वागत सम्मान का कार्यक्रम रखा गया है। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव उपस्थित रहेंगे। मीडिया प्रभारी दिनेश जाटवा के अनुसार भाजपा नगर द्वारा विगत दिनों उज्जैन नगर के सभी 12 मंडलों के अध्यक्षों द्वारा अपनी कार्यकारिणी की घोषणा की गई थी। कार्यकारिणी के सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों का परिचय व स्वागत सम्मान का कार्यक्रम नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल के नेतृत्व मैं दिनांक 12 मई सोमवार को प्रात: 9 बजे स्थानीय आस्था गार्डन में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव व जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति मैं आयोजित किया गया है।

डॉ. ठाकुर महामंत्री नियुक्त

उज्जैन, निप्र। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा मध्यप्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष किशोरसिंह भदौरिया, प्रदेश महामंत्री नरेशसिंह भदौरिया की सहमति से अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के शहर अध्यक्ष शिवेन्द्रसिंह भदौरिया ने समाज के प्रति समर्पित ऊर्जावान शिक्षाविद्, इतिहासकार व साहित्य मनीषी डॉ. राजेश ठाकुर निर्झर को शहर कार्यकारिणी में महामंत्री के पद पर नियुक्ति किया है। आपकी नियुक्ति पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राजपूत सरदार डॉ. रामअवतारसिंह कुशवाह, महेशसिंह चौहान, हेमन्तसिंह सेंगर, डॉ. हरीशकुमार सिंह, राकेश सिंह तोमर, रामसिंह शेखावत, मनोज सिंह ठाकुर, दिलीपसिंह राजपूत ने हर्ष व्यक्त करते हुए प्रदेश महामंत्री किशोर सिंह भदौरिया के प्रति आभार व्यक्त किया है।

जेएसजी द्वारा पक्षियों के लिए सकोरे वितरित

नागदा जं., निप्र। जैन सोश्यल ग्रुप द्वारा भीषण गर्मी में पक्षियों की पेयजलय व्यवस्था के लिए निःशुल्क सकोरे वितरित किए गए। जिसके लाभार्थी भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश धाकड़ ने रहे। जेएसजी अध्यक्ष धर्मेन्द्र बम ने कहा कि सकोरे में पानी भरकर जब छत पर रखा जाएगा एवं प्यासे पक्षी पानी का सेवन करेंगे तो इससे पुण्यार्जन का कार्य कोई हो नहीं सकता हैं। इस अवसर पर अरविंद नाहर, श्रेणिक बम आदि ने संबोधित किया। इस अवसर पर पर संजय मुरडिया, सुभाष बाफना, मनीष चपलोत, राजेश सकलेचा, राकेश ओरा, रमेश तांतेड़, रवि संघवी, हितेश कांठेड़, मनीष धाकड़, सिद्धार्थ कांठेड़, अंकुर जैन, विपिन वागरेचा, कुशल भंसाली, आशीष पोखरना, सतीष जैन सांवेर वाला, दिलीप गांधी, जीवनसिंह डोडिया, प्रभात बर्वे आदि मौजूद रहे। संचालन मनोज वागरेचा ने किया व आभार अमित बम ने माना।

नगरपालिका ने चार व्यक्तियों को नोटिस जारी किए

नागदा जं., निप्र। इंद्रपुरी कॉलोनी के रहवासियों को नगरपालिका द्वारा नोटिस जारी किए, जिसमें तीन दिन का समय दिया गया है। रहवासियों का आरोप है कि नगरपालिका को मुलभूत सुविधाएं उपलबध करना चाहिए उसके बाद नोटिस देना चाहिए। नोटिस देने के बाद रहवासियों में नपा अधिकारियों के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है। इंद्रपुरी कॉलोनी रहवासी नवीन पिता लालचंद, राकेश पिता नारायणलाल प्रजापत, मुकेश पिता नानुराम प्रजापत, सुभाष नारायणलाल प्रजापत को नगरपालिका ने नोटिस जारी किया, नोटिस में स्पष्ट उल्लेख है कि सेफ्टीक टैंक से निकलने वाले पानी को तुरंत रुका जाए, अन्यथा नगरपालिका संबंधित चारों व्यक्तियों के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही करेगी। जिसको लेकर नवीन ओर राकेश ने आरोप लगाया कि नगरपालिका द्वारा क्षैत्र में नाली निर्माण नहीं किया जा रहा है जिसे रहवासियों को दुर्गंध का सामना करना पड़ रहा है कुछ रहवासियों ने निजी खर्च से पाईप लाईन डालकर पानी में एक नाले में छोड़ दिया, इसके बाद भी लगातार शिकायतों का दौर जा रही है रहवासियों ने नगरपालिक से नाला निर्माण करने की मांग की है ताकि घरों से निकलने वाले पानी को उसमें छोड़ जा सके।

सुरेश राठौर का देहावसान

उज्जैन, निप्र। कृषि उपज मंडी के व्यापारी, समाज सेवी सुरेश राठौर का रविवार सुबह हृदय गति रुक जाने से देहावसान हो गया। दोपहर 12 बजे निवास से आपकी शवयात्रा चक्र तीर्थ पहुंची। चक्र तीर्थ पर आयोजित शोक सभा में सैकड़ों समाज जन व व्यापारीयो ने श्रद्धांजलि अर्पित की। यह जानकारी प्रवीण राठौर ने दी।

मालवी जाजम झलामल कवि संगोष्ठी सम्पन्न

विनय उजाला

नागदा जं., निप्र। मालवी मीठी बोली लोक साहित्य संस्थान द्वारा संस्थापक अध्यक्ष डॉ.पं. लक्ष्मीनारायण सत्यार्थी के निर्देशन में बद्रीलाल पोरवाल की अध्यक्षता व ज्योतिषाचार्य पं. चन्द्रशेखर दवे के मुख्यातिथ्य व रमेशचन्द्र पाल के विशेषातिथ्य में चतुर्थ मालवी जाजम झलामल कवि संगोष्ठी राजेन्द्र कांठेड़ के निज संस्थान महिदपुर रोड़ पर सम्पन्न हुई।

जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक राजेन्द्र कांठेड़ ने बताया कि कवि संगोष्ठी का श्री गणेश, माँ सरस्वती के चित्र पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन से हुआ। तत्पश्चात् मालवी में सरस्वती वन्दना की सरस प्रस्तुति डॉ. पं. सत्यार्थी ने की। वहीं मालवी जाजम झलामल कवि संगोष्ठी के नियमानुसार सभी कवियो ने संवाद, सम्बोधन व काव्य पाठ मालवी में ही किया। अशोक शर्मा मृदुल, सुन्दरलाल जोशी सूरज, हरचरणसिंह चावला, सुन्दरलाल उपाध्याय कोकिल व कैलाश सनोलिया द्वारा भारत-पाकिस्तान युद्ध व पहलगाव में हुई आतंकी घटना संग सिन्दूर आपरेशन पर काव्य पाठ कर देशभक्ति का वातावरण बना सदन में जोश भरने के साथ वर्तमान केन्द्र सरकार की प्रशंसा की। इसी क्रम में कृष्णचंद पुरोहित ने बेटी के बाल विवाह पर बेटी का विरोध और उसके दुष्परिणाम पर चिन्तन परोसा। पुखराज जैन पथिक भाटीसुड़ा ने विरहणी वेदना से वातावरण में चिन्तन परोसा।

कैलाश सोनी सार्थक व यशवन्त दीक्षित ने मालवी में गजल सुना बहुत दाद बटोरी। राजेन्द्र कांठेड़ ने 'बखत बखत रा मोती' रचना सुना समाज की स्थिति, नशा व फिजूल खर्ची की समस्या से परिचय कराया। निर्भयसिंह रघुवंशी द्वारा थाने के सामने शिव मंदिर व गांव बाहर हनुमान मंदिर की विशेषता पर व्यंग्य परोसा। सुरेश रघुवंशी ने गौमाता की वंदना सुना वातावरण भक्तिमय बना दिया। मदन मस्ताना ने मोबाईल पर रचना सुना बहुत दाद बटोरी। राजेश रंगीला, धर्मेन्द्र बम, रमेश मुनिमजी ने भी रचना सुना सबका मन मोहा। रमेश चन्देल ने बाल विवाह सी कुरीति पर कटाक्ष लिया।

आगे जानकारी देते हुए राजेन्द्र कांठेड ने बताया कि महिदपुर से पधारे अतिथि कवि ऋषभ जैन ने किसान पत्नी की वेदना का सजीव चित्रण किया। वही जैनेन्द्र खेमसरा ने मुक्तक व गीत के द्वारा सार्थक विचारों की प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया। बद्रीलाल पोरवाल, ज्योतिषाचार्य पं. चन्द्रशेखर दवे व रमेशचन्द्र पाल ने मालवी की आवश्यकता समाज के लिये क्यों जरूरी है सारगर्भित विचार रखे। अतिथि परिचय डॉ. पं. सत्यार्थी ने कराया।

अतिथियो का स्वागत विजय तांतेड, सुरेन्द्र कोलन, रमेश राठी, महेन्द्र बिसानी, राजू आटोवाला, भंवर पांचाल, कनक कांठेड, नन्दू जायसवाल, मनीष कांठेड, कैलाशचन्द्र खनार द्वारा मणिमाल, उपवस्त्र, शाल, स्मृति चिन्ह भेंट कर किया। गोष्ठी का संचालन डॉ. पं. लक्ष्मीनारायण सत्यार्थी ने किया एवं आभार कैलाश चन्द्र खनार ने माना। शान्तिपाठ स्वल्पाहार के साथ संगोष्ठी का समापन हुआ।

11 वर्षों से बंद पड़ा सुलभ कॉम्पलेक्स हो गया धराशायी, कोई जनहानि नहीं

रहवासियों ने नगरपालिका पर लापरवाही का आरोप लगाया

विनय उजाला

नागदा जं., निप्र। बादीपुरा क्षेत्र में लगभरग 11 वर्षो से बंद पड़ा सुलभ कॉम्लेक्स धराशायी हो गया, जिससे क्षेत्र में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल निर्मित हो गया। गनीमत रही कि जिस समय कॉम्लेक्स गिरा, उस समय क्षेत्र में कोई मौजूद नहीं था, अन्यथा हादसा बड़ा हो सकता था। रहवासियों ने नगरपालिका अधिकारियों के प्रति आक्रोश जताया।

बादीपुरा के रहवासियों की सुविधा के लिए वर्ष 2004 में सुलभ कॉम्लेक्स का निर्माण किया गया था, लेकिन लोकार्पण के अभाव में उक्त कॉम्पलेक्स पर 11 वर्षो से ताला लगा हुआ था, वर्ष 2024 में पानी की टंकी रखकर कॉम्लेक्स शुरु किया। लगभग एक वर्ष बीत जाने के बाद बारिश के दौरान जीर्णशीर्ण दीवालों के कारण धराशायी हो गई, सूचना मिलने पर नगरपालिका का अतिक्रमण दल मौके पर पहुंचा और पानी की टंकी को अपने साथ ले गया। शनिवार को जीर्णशीर्ण कॉम्पलेक्स की छत ओर दीवाल गिर गई जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल निर्मित हो गया। समीप रहने वाले कलावती बौरासी का कहना है कि कॉम्पलेक्स को बंद करके आंगनवाड़ी भवन या स्वास्थ्य केंद्र बनाने की मांग की जा रही है इसके बाद भी कोई सुध नहीं ले रहा। कॉम्पलेक्स के बंद होने से आवारा मवेशियों का जमघट लगा रहता है पिछले दिनों हुई बारिश के दौरान कॉम्पलेक्स के समीप लगे पोल में करंट उतर गया था, सूचना देने के बाद भी कोई सुध लेने के लिए नहीं पहुचा, जिससे रहवासियों में विद्युत कंपनी के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है। आत्मारा बौरासी, दिलशारद खान ने संयुक्त रुप से बताया कि वार्ड पार्षद सतीश कैथवास ने भी नगरपालिका में लिखित शिकायत की, उसके बाद भी परिणाम शून्य रहे। समस्या समाधान की मांग शमीम बी, करुलाल बौरासी, मनोहरलाल आदि ने की है।

टोल कर्मचारियों की गुंडागर्दी से सासंद फिरोजिया हुए नाराज

बोले ऐसे गुंडों का ठेका हो निरस्त, पुलिस ने किये 5 आरोपी गिरफ्तार

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। रविवार को सोशल मिडिया पर टोल कर्मचारियों की गुंडागर्दी से सासंद अनिल फिरोजिया नाराज दिखे। उन्होंने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारीयों को फोन लगाकर कहा की ऐसे गुंडों पर सख्त कार्यवाही की जाये। ऐसी घटना से हमारी और सरकार दोनों की बदनामी होती है। उन्होंने कहा की सकरार बेटी बचाओ के साथ ही महिलाओं के लिए भी विभिन्न योजनाएं चलाती है और कुछ गुंडा तत्व ऐसी घटना को अंजाम देते है उन पर सख्त कार्यवाही की जाये। इसके बाद पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया ओर घटना में शामिल 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार खरसोद खुर्द के पास स्थित टोल प्लाजा के कर्मचारियों ने महिला और बच्चों की मौजूदगी में विवाद किया।

इस दौरान एक बच्ची को गाड़ी से खींचकर बाहर फेंक दिया और गाड़ी का कांच भी तोड़ दिया। इसके बाद यह विडिओ सोशल मिडिया पर वायरल हो गया। वीडियो की जानकारी उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया को लगी। उन्होंने तुरंत पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारीयों को फोन लगाया और सख्त कार्यवाही का आदेश दिया। इसके बाद पुलिस ने कार्यवाही करते हुए पांचो आरोपियों को गिरफ्तार किया। बड़नगर एसडीओपी एमएस परमार के अनुसार पुलिस ने इस मामले में सुरेंद्र सिंह उर्फ सोनू सिंह, हर्षवर्धन सिंह, संदीप चौधरी, रणवीर उमठ, विजेंद्र चंद्रवंशी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से सभी को जेल भेजा गया है। गिरफ्तारी के बाद थाने में आरोपियों ने उठक-बैठक भी लगाई। वहीं, सांसद अनिल फिरोजिया ने एनएच के अधिकारियों को टोल ठेका निरस्त करने को कहा है।

म.प्र प्रायवेट टीचर्स एसोसिएशन ने स्थापना दिवस मनाया

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। शनिवार को म.प्र. प्राइवेट टीचर एसोसिएशन, उज्जैन शाखा द्वारा MPPTA का 22 वां स्थापना दिवस संरक्षक विमल सिंह के मार्गदर्शन में मनाया गया। अनेकता में एकता के संदेश के साथ इस कार्यक्रम में निजी विद्यालयों में कार्यरत अनेक शिक्षक साथियों ने अपने विचार एवं समस्याओं से अवगत कराया। संस्था का उद्देश्य निजी विद्यालयों से जुड़ी समस्याओं को एकता के साथ हल करना है। उज्जैन MPPTA जिलाध्यक्ष श्रीमति तारा पुलेकर द्वारा संचालन किया गया एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील राठौर ने आभार व्यक्त किया। स्वागत संस्था उपाध्यक्ष श्रीमति सुनीता राजपूत द्वारा किया गया। संस्था स्थापना दिवस के अवसर पर प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष पुलेकर, सुनीता राजपूत उपाध्यक्ष, सुनील राठौड़ वरिष्ठ उपाध्यक्ष, शाहनवाज सर सह सचिव, तनवीर मंसूरी, तरन्नुम मंसूरी, संजय पांचाल, लीना मैम, सकलेन सर, फरहा रोशी, रोजीना खान,.मनीष विश्वकर्मा, रंजीता सैनी, सुनीता वाडिया, यश सोनी, .साइमा खान आदि मौजूद रहेद्य यह जानकारी मीडिया प्रभारी श्रीमति ज्योत्सना उपाध्याय ने दी।

तराना नगर को मिली बड़ी सौगात, बिजली समस्या का होगा स्थायी समाधान

विनय उजाला

उज्जैन/तराना निप्र। तराना नगरवासियों के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। वर्षों से बिजली की अनियमितता और कम वोल्टेज की समस्या से जूझ रहे नागरिकों को अब जल्द ही इस संकट से मुक्ति मिलने वाली है। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सुभाष जोशी ने जानकारी देते हुए बताया कि उज्जैन-आलोट लोकसभा क्षेत्र के सांसद अनिल फिरोजिया के विशेष प्रयासों से तराना नगर के लिए 10 MV क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्वीकृत हो गया है। वर्तमान में नगर में 3.15 रूक्क का ट्रांसफार्मर कार्यरत है, जिसकी क्षमता अब बढ़ाई जा रही है। यह निर्णय नगर की बिजली आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, जिससे भविष्य में होने वाली बिजली कटौती, ट्रिपिंग और कम वोल्टेज जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान हो सकेगा। बताया जा रहा है कि नया ट्रांसफार्मर कुछ ही दिनों में स्थापित कर दिया जाएगा, जिससे नगरवासियों को स्थिर और निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिलने लगेगी। सांसद अनिल फिरोजिया ने इस संदर्भ में कहा, जनता की मूलभूत समस्याओं का समाधान ही मेरा प्रमुख कर्तव्य है। तराना नगर की बिजली समस्या लंबे समय से लंबित थी, जिसे अब दूर किया जा रहा है। हमारा उद्देश्य है कि क्षेत्र के हर नागरिक को बेहतर सुविधाएं मिलें। नगरवासियों में इस निर्णय को लेकर हर्ष का माहौल है। विभिन्न सामाजिक संगठनों, व्यापारियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों ने सांसद श्री फिरोजिया के इस प्रयास की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया है। और कहा कि यह निर्णय नगर ओर हमारे लिए किसी तोहफे से कम नहीं है। अब हमारे बच्चों की पढ़ाई, व्यापार और घरेलू कार्य बिना रुकावट के हो सकेंगे। वहीं भाजपा नेता सुभाष जोशी ने आगे बताया कि यह कार्य ऊर्जा विभाग के समन्वय से शीघ्र पूर्ण किया जाएगा और नगर में विद्युत व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। सांसद श्री फिरोजिया का यह निर्णय तराना नगर के लिए यह एक ऐतिहासिक और स्वागत योग्य निर्णय है, जो नगर के विकास में एक नई ऊर्जा का संचार करेगा।

वो गर्मियों में घनी छांव, सर्दियों में कड़ी धूप होती है : डॉ. विजय सुखवानी

विनय उजाला

उज्जैन, निप्र। रूपांतरण दशहरा मैदान पर आयोजित ग़ज़लांजलि की काव्य संध्या मातृ-दिवस पर केन्द्रित रही। डॉ. श्रीकृष्ण जोशी की अध्यक्षता में डॉ. विजय सुखवानी ने वो गर्मियों में घानी छाँव सर्दियों में कड़ी धूप होती है, माँ और कोई नहीं धरती पर ईश्वर का रूप होती है ग़ज़ल पढ़ी। सत्यनारायण सत्येन्द्र ने सात फेरों के बंधन में बँधी चल देती हो, तुम माँ हो कविता का पाठ किया। कभी सागर कभी दरिया कभी पुष्कर बनी है माँ, कभी फूलों-सी कोमल तो कभी पत्थर बनी है माँ ग़ज़ल अशोक रक्ताले ने पढ़ी। शायर व्ही.एस. गहलोत साकित ने माँ के प्यार पे निसार मेरा संसार है, माँ के संग दुखों में पायी हिम्मत आधार है ग़ज़ल सुनाई। शायर आरिफ़ अफ़जल ने पाकिस्तान से चल रही जंग के बीच लिखी

ग़ज़ल मोहब्बत की तुझसे न बात होगी, अब जंग में ही तुझसे मुलाक़ात होगी पढ़ी।

अवधेश वर्मा नीर ने भारत की सेना का जलवा इस बार पुनः देख रहे हैं कविता से अपनी बात रखी तो विनोद काबरा ने कल है दूर आज बदलो, कटुता को प्रेम में बदलो से दुश्मन देश को चेतावनी दी।

नगर के जनप्रतिनिधि एव गणमान्य नागरिक रहे कार्यक्रम के साक्षी

श्री पंचमुखी नागचंदेश्वर महादेव शिव परिवार के साथ हुई प्राण प्रतिष्ठा

विनय उजाला

नागदा जं., निप्र। रूपेटा रोड स्थित श्री पंचमुखी नाग महाराज के स्थान पर दिनांक 4 मई से 10 मई तक चल रहे शिवशक्ति रूद्र महाचण्डी यज्ञ एवं शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन 8 क्विंटल वजनी श्री पंचमुखी नागचंदेश्वर महादेव शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा के साथ सम्पन्न हुआ।

श्री पंचमुख नाग महाराज समिति के सदस्य राजेश सकलेचा ने बताया कि रूपेटा रोड नागदा जंक्शन से दो किमी दूर (राजेन्द्र पेट्रोल पंप के सामने) स्थित श्री पंचमुखी नाग महाराज के स्थान पर पण्डाजी महाराज श्री विजय शर्मा के सानिध्य में शिवशक्ति रूद्र चण्डी महायज्ञ एवं शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन दिनांक 4 मई 2025 से प्रारम्भ हुआ जिसकी पुर्णहुती 10 मई 2025 को शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा हजारो श्रदालुओं की उपस्थिति मे उज्जैन से आये गजान्नद गुरु,आन्नद गुरु एव सदस्यो के द्वारा मंत्रो उच्चारण के साथ सम्पन्न हुई तत्पश्चात उपस्थित भक्त जनो के द्वारा भव्य महाआरती का भी आयोजन किया गया सातो दिवस विश्व शांति की मंगल कामना के साथ यज्ञ हुआ। आयोजन के अतिम दिवस शिवशक्ति रूद्र महाचण्डी यज्ञ की पूर्णाहूति हुई। इसके पूर्व गंगा कलश यात्रा भी ढोल ढमाको के साथ निकाली गई इस मौके पर नगर के कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पूर्णाहुति के पश्चात् महाप्रसादी का आयोजन हुआ जिसमें हजारो श्रद्धालुओं ने लाभ लिया। पुरे समय महाकाल बाबा की जय जय कारो के साथ पंडाल गुजायमान रहा। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश धाकड, पूर्व विधायक लालसिंह राणावत, पूर्व केबिनेट मंत्री सुल्तानसिंह शेखावत, कांग्रेस नेता बसंत मालपानी, भाजपा नेता सुबोध स्वामी, पुष्पेन्द्र सोलंकी विशेष रूप से उपस्थित रहे। आयोजन में सफल बनाने में सत्यनारायण शर्मा, विजय संघवी, नितिन ओरा, कालुराम पोरवाल, टिंकू मीणा, रवि चौहान, पप्पू दवे, बद्रीलाल चौहान, श्याम पाटीदार, जगदीश पाटीदार, धर्मेन्द्र चोहान, जैकी शर्मा, सुरेश पाटीदार, दिनेश मीणा, प्रतीक चपलोत, विनोद पांचाल, ओमप्रकाश शर्मा, नितेश टाक, कैलाश कुमावत, आतु बाबा, दीपक गुर्जर, संजय जैन उज्जैन, आदित्य शर्मा सहित कई श्रुद्धालु जुटे रहे।

संक्षिप्त समाचार

नगरपालिका नीमच द्वारा अधिकारियों को सौपे गऐ आपदा प्रबंधन के दायित्व

नीमच, निप्र। मुख्य नगरपालिका अधिकारी नीमच द्वारा नगरीय क्षेत्र नीमच में आपदा प्रबंधन की स्थिति से निपटने के लिए सहायक यंत्री श्रीमती अभिलाषा चौरसिया को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। साथ अग्नि समन व्यवस्था का दायित्व उपयंत्री श्रीमती अर्पणा गिरी, प्रमोद चौहान एवं श्री नाहरसिह को सौपा गया है। सफाई व्यवस्था का दायित्व स्वास्थ्य अधिकारी श्री दिनेश टांक, स्वच्छता निरीक्षक श्री भारत भारद्वाज, श्री गोपाल नरवाले, श्री भेरूलाल अहीर, श्री अनिनाश घेघंट, प्रकाश व्यवस्था श्री अरविंद सिह, उपयंत्री एवं श्री मोहम्मद कलीमको सौंपी गई है। इसी तरह जल प्रदाय व्यवस्था का दायित्व उपयंत्री श्री अम्बालाल मेघवाल, केमिस्ट श्री सुरेश पंवार एवं श्री नाथूलाल नागर को सौंपा गया है। जर्जर भवनों की पहचान एवं कार्यवाही का दायित्व उपयंत्री श्री ओपी परमार, श्री अब्दुल नईम, श्री हेमंत सिसोदिया को सौपा गया है। आपदा की स्थिति में वृक्षों से संबंधित दायित्व स.रा.नि. श्री महावीर जैन, श्री जुनेद खान एवं बापूसिह चौहान, राहत स्थलों का चयन एवं राहत संबंधी आवश्यक व्यवस्थाओं का दायित्व राजस्व अधिकारी श्री टेकचंद बुनकर, श्री तेजप्रकाश चौपडा, श्री राकेश जाजू, श्री राजेश मंगलको सौंपा गया है।

अधिकारियों को सौपे गए आपदा प्रबंधन से संबंधित दायित्व

नीमच, निप्र। म.प्र.शासन गृह मंत्रालय भोपाल द्वारा आपदा प्रबंधन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए है। इसके तारतम्य में जिले में आपदा प्रबंधन की दृष्टि से विभिन्न अधिकारियों को दायित्व सौपे गए है। जिला कलेक्टर कार्यालय द्वारा जारी आदेशानुसार एडीएम नीमच श्रीमती लक्ष्मी गामड़ को सम्पूर्ण जिले में कानून एवं पुलिस समन्वय व्यवस्था, संयुक्त कलेक्टर डॉ.ममता खेड़े को आपदा प्रबंधन से संबंधित सभी प्रकार की जानकारी एवं पत्राचार व्यवस्था, डिप्टी कलेक्टर डॉ.रश्मि श्रीवास्तव को आपदा प्रबंधन के महत्वपूर्ण निर्देशों के संकलन एवं जानकारी प्रस्तुत करने, डिप्टी कलेक्टर श्री चंद्रसिह धार्वे एवं जिला आपूर्ति अधिकारी श्री आर.एन.दिवाकर आपदा की स्थिति में आवश्यक आपूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आंजना को तहसील एवं नगरीय निकायों के वायलेन्टियर्स के नाम, मो.न. की क्षेत्र वाईस जानकारी संकलन करने का दायित्य सौंपा गया है।

नेशनल लोक अदालत : 8 खंडपीठों के माध्यम से निराकृत हुए 1191 प्रकरण

बुरहानपुर, निप्र। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर म.प्र. के निर्देशानुसार शनिवार को जिला न्यायालय बुरहानपुर में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित रही। लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती आशिता श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस अवसर पर जिला न्यायाधीश एवं सचिव श्री प्रेमदीप सांकला, कुटुम्ब न्यायालय प्रधान न्यायाधीश श्री शेख सलीम, चतुर्थ जिला न्यायाधीश श्री इन्दुकान्त तिवारी, द्वितीय जिला न्यायाधीश श्री निलेश कुमार जिरेती, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती सरिता जतारिया एवं अन्य समस्त न्यायाधीशगण, अधिकारीगण एवं जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष उपस्थित रहे। लोक अदालत हेतु कुल 8 खंडपीठ गठित की गई। लोक अदालत के माध्यम से कुल 1191 प्रकरण निराकृत किये गये, जिनमें न्यायालय में लंबित समझौता योग्य 201 प्रकरण एवं प्रिलीटिगेशन से संबंधित बैंकों के प्रकरण, नगर पालिका के सम्पत्ति कर, जलकर तथा विद्युत विभाग, बीएसएनएल के प्रिलिटिगेशन के कुल 990 मामलों का निराकरण हुआ है। निराकृत मामलों में 3,18,46,294/- रूपये आवार्ड पारित किया गया एवं 1515 व्यक्ति लाभान्वित हुये। लोक अदालत में पैरालीगल वॉलेन्टियर्स श्री महेन्द्र जैन, श्री नंदकिशोर जांगड़े, श्री अताउल्ला खान, श्री राजू भंवरे द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम बमोरा में किया श्रमदान

नीमच, निप्र। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के निर्देशानुसार म.प्र.जन अभियान परिषद द्वारा नीमच जनपद के ग्राम बामोरा में मंशापूर्ण बालाजी मंदिरके समीप प्राचीन घाट पर स्वच्छता श्रमदान किया गया। इस मौके पर नवांकुर संस्था के पदाधिकारी, सदस्यगण, स्थानीय सरपंच एवं पंच तथा अन्य ग्रामीणजनों ने स्वच्छता के लिए श्रमदान किया।

पशुपालक डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना का लाभ उठावें

मंदसौर। पशु पालन एवं डेयरी विभाग के उप सचांलक द्वारा बताया गया कि सभी वर्ग के किसान पशुपालक डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना में दुधारू पशुओं की डेयरी इकाई की स्थापना बैंक ऋण की सुविधा के साथ शासकीय अनुदान से कर सकते है। आवेदक की पात्रता हितग्राही मध्यप्रदेश राज्य का निवासी होना चाहिए। योजना सभी वर्ग के पशुपालकों के लिए है। हितग्राही को ऑनलाईन पोर्टल www.mpdah.gov.in के माध्यम से आवेदन करना होगा। हितग्राही के पास न्यूनतम 3.50 एकड कृषि भूमि होना आवश्यक है। योजनांतर्गत 25 दुधारू पशुओं की इर्का स्थापित की जाएगी। एक इकाई में समस्त गौवंश या समस्त भैंसवंश ही होगें। एक इकाई की समस्त गाय/भैंस एक ही प्रजाति की होगी। योजना में भारतीय मूल की देशी गाय की नस्लों में साहिवाल, गिर, थारपारकर, रेड सिंधी, संकर नस्लो में एच.एफ.जर्सी, भैंसो में मुर्रा, भदावरी, सूरती, मेहसाना शामिल की जा सकेंगी। लाभार्थी को किसी शासकीय प्रशिक्षण संस्थान/महाविद्यालय/शासन द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण संस्थान से प्रशिक्षण लेना अनिवार्य होगा। आवेदक को योजना की स्वीकृति हेतु प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। अनुदान राशि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के हितग्राहियों के लिए निर्धारित परियोजना लागत का 33 प्रतिशत तथा अन्य श्रेणी के हितग्राहियों के लिए निर्धारित परियोजना लागत का 25 प्रतिशत होगी। अधिक जानकारी के लिए पशुपालन विभाग मंदसौर से संपर्क करें।

जिला पंचायत साधारण सभा की बैठक 16 मई को होगी

मंदसौर। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा बताया गया कि जिला पंचायत मंदसौर की साधारण सभा की 16 मई 2025 को जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा डॉ. विजय पाटीदार की अध्यक्षता में आयोजित होगी ।

सभी विभाग अपने दायित्वों का गंभीरता पूर्वक निर्वहन करें : कलेक्टर

पुलिस कंट्रोल रूम में नागरिक आंतरिक सुरक्षा कार्य योजना के संबंध मे बैठक हुई आयोजित

विनय उजाला

खण्डवा, निप्र। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री ऋषव गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार राय द्वारा शनिवार को पुलिस कंट्रोल रूम खंडवा में नागरिक आंतरिक सुरक्षा कार्य योजना संबंधी बैठक ली गई। बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने कहा कि भारत पाकिस्तान के मध्य हो रहे युद्ध को देखते हुए जिला स्तर पर हमें सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर जिले के नागरिकों की सुरक्षा व बचाव कार्य प्रभावी ढंग से किए जाने हेतु तैयार रहना है। इस हेतु सभी विभाग अपने दायित्वों का गंभीरता पूर्वक निर्वहन करें। उन्होंने सीएमएचओ को निर्देश दिए कि आवश्यक जीवन रक्षक दवाईयां, उपकरण, डॉक्टर मय स्टाफ, ब्लड बैंक में सभी ग्रुपों के रक्त की पर्याप्त मात्रा की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। स्वास्थ विभाग मॉक ड्रिल कर घायलों को ट्रामा सेंटर ले जाने एवं उनके इलाज हेतु समुचित प्रबंध करें। उन्होंने कहा कि सभी एंबुलेंस को चेक कर सही स्थिति में रखा जाए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर पूर्ण निगरानी रखी जाए। भ्रामक एवं गलत जानकारी शेयर करने वालों पर तुरंत कानूनी कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि सिविल डिफेंस वालंटियर बनाए जाकर उन्हें ट्रेनिंग दी जाए। उन्होंने जिले में पर्याप्त खाद्य सामग्री, पेट्रोल-डीजल, घरेलू गैस, पेयजल की व्यवस्था, विद्युत प्रदाय की व्यवस्था के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

बैठक को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार राय ने बताया कि वर्तमान परिदृश्य में जिले के चार स्थानों को संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है, जिसमें नर्मदानगर में स्थित इंदिरा सागर व मांधाता में स्थित ओंकारेश्वर बांध व पावर प्लांट, सिंगाजी थर्मल पावर प्लांट तथा ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर मांधाता आते हैं। उन्होंने जनता से अपील की है कि पैनिक न हों और भ्रामक जानकारियां, धार्मिक भावना भड़काने वाली खबरें एवं फेक वीडिओ सोशल मीडिया पर शेयर न करें। ऐसा करने पर बीएनएसएस की धारा 163 के तहत कार्यवाही की जाएगी। जिला स्तर पर नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन हेतु एकीकृत प्रशासनिक व्यवस्था के अंतर्गत राहत एवं बचाव कार्य को सम्पन्न करने हेतु प्रभारी अधिकारी अपर कलेक्टर श्री अरविन्द चौहान एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री महेंद्र तारणेकर को नियुक्त किया गया है। इस हेतु जिला मुख्यालय खंडवा में एक नियंत्रण कक्ष बनाया गया है, जो 24 घंटे कार्यरत रहेगा। जिला नियंत्रण कक्ष के लिए एक टीम गठित की गई है, जिसमें तहसीलदार खंडवा श्री महेश सिंह सोलंकी, रक्षित निरीक्षक श्री अरविंग दाँगी व निरीक्षक श्री सुनील कुमार गुप्ता प्रभारी जीविशा रहेंगे।

आंतरिक सुरक्षा बैठक के दौरान वार्डन सेवा, संचार सेवा,अग्निशमन सेवा, बचाव सेवा, परिवहन सेवा, शव निस्तारण सेवा, आपूर्ति सेवा के साथ साथ आपात स्थिति से निपटने के लिए नागरिकों एवं स्वयं सेवकों को नई तकनीक के आधार पर प्रशिक्षण दिए जाने की बात कही गई।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, एडीएम खंडवा श्री काशीराम बडोले, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री महेंद्र तारणेकर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री राजेश रघुवंशी, एसडीएम खंडवा श्री बजरंग बहादुर, नगर निगम आयुक्त श्रीमती प्रियंका राजावत, सीएमएचओ खंडवा डॉ. ओ.पी. जुगतावत सहित जिले के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अनुकरणीय पहल... सडक़ चौड़ीकरण की जद में आ रहे पीपल को किया ट्रांसप्लांट

समाजसेवी परविंदरसिंह राजू व सेवानिवृत्त उद्यानिकी अधिकारी दशरथसिंह यादव की पहल को अफसर-जनप्रतिनिधियों ने भी सराहा

विनय उजाला

खरगोन, निप्र। कायाकल्प योजना के तहत इन दिनों इंदौर रोड का चौड़ीकरण हो रहा है। इसकी जद में आ रहे एक पीपल के पेड़ को शनिवार अन्य जगह ट्रांसप्लांट किया गया। यह कार्य उद्यानिकी के सेवानिवृत्त उद्यानिकी अधिकारी दशरथसिंह यादव के निर्देशन में समाजसेवी परविंदरसिंह राजू चावला ने किया। चावला ने बताया इससे पूर्व भी इसी मार्ग से पांच पेड़ों को ट्रांसप्लांट कर मेला मैदान पर सुरक्षित जगह लगाया गया है। यह पेड़ अब पूरी तरह सुरक्षित है। समाजसेवियों की इस पहल को सराहना मिल रही है। शनिवार शाम को ट्रांसप्लांट प्रक्रिया के बाद क्षेत्रीय सांसद गजेंद्रसिंह पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष नंदा ब्राह्मणे, नपा अध्यक्ष छाया जोशी, एडिशन एसपी नरेंद्र रावत, भारतीय पत्रकार संघ एआईजे के प्रदेश संयोजक आमिर शेख, बृजेश पुरोहित आदि पहुंचे। ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया को जाना। समाजसेवियों की इस अनुकरणीय पहल की सराहना करते हुए शहर में अन्य जगह भी निर्माण कार्य में बाधक बन रहे पेड़ों को सुरक्षित स्थान पर ट्रांसप्लांट करने की बात कही। कलेक्टर भव्या मित्तल ने भी मोबाइल पर चर्चा करते हुए इस पहल की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि बारिश के दौर में इन पेड़ों के लिए क्या बेहतर हो सकता है इस दिशा में काम करेंगे।

थार की टक्कर से घायल बुजुर्ग को नहीं मिली एंबुलेंस, हाथठेले पर ले गए अस्पताल

मुलताई, (हि.स.)। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के मुलताई नगर में जयस्तंभ चौक पर रविवार सुबह एक थार कार ने 60 साल के बुजुर्ग को टक्कर मार दी। घायल लक्ष्मीचंद साहू गणेश मंदिर के सामने सड़क पार कर रहे थे। टक्कर के बाद वे सड़क पर गिर पड़े। स्थानीय लोगों ने 108 एंबुलेंस सेवा को कॉल किया। लेकिन एंबुलेंस उपलब्ध नहीं थी। स्थानीय निवासी उमेश खंडेलवाल और अन्य लोगों ने ठेले का इंतजाम किया। घायल बुजुर्ग को ठेले पर स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। लक्ष्मीचंद साहू की हालत स्थिर बताई जा रही है। हादसे के बाद थार कार का चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। फरार वाहन और चालक की तलाश जारी है। प्रत्यक्षदर्शी उमेश खंडेलवाल ने बताया कि कार सवार तेजी में था और उन्होंने लक्ष्मी साहू को टक्कर मारी और तुरंत ही मौके से फरार हो गया। लोगों ने लक्ष्मी चंद साहू की मदद की और फिर ठेले का इंतजाम किया। स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस सेवा की अनुपलब्धता पर नाराजगी जताई है। प्रशासन से मांग की जा रही है कि जयस्तंभ चौक पर ट्रैफिक नियंत्रण के उपाय किए जाएं। साथ ही 108 एंबुलेंस सेवाओं की उपलब्धता में सुधार किया जाए।

श्रीमती गर्ग ने जिले की राजस्व सीमा क्षेत्र में सराय अधिनियम 1867 की धारा-8 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया

मंदसौर। जिला मजिस्ट्रेट एवं कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने सम्पूर्ण मंदसौर जिले की राजस्व सीमा क्षेत्र अंतर्गत सराय अधिनियम 1867 की धारा-8 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है।

मंदसौर में श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर स्थित होकर धार्मिक धार्मिक नगरी के रूप में जाना जाता है, नगर की जनसंख्या में वृद्धि होने, अत्यधिक संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन एवं किरायेदारों/नौकरों/ पेईंग गेस्ट होम स्टे, प्रतिदिन होटल, लॉज, धर्मशाला, सराय, मुसाफीरखाना में ठहरने वाले आगन्तुकों एवं आवासरत व्यक्तियों द्वारा असामाजिक, अवांछनीय गतिविधि संचालित किये जाने की आशंका के कारण जन सामान्य के जान माल को आसन्न खतरा उत्पन्न होने की प्रबल संभावना है।

ऐसी स्थिति में शहर से जुड़ी नई आबादी, किरायेदारों / नौकरों/ पेईंग गेस्ट / होम स्टे, प्रतिदिन होटल, लॉज, धर्मशाला, सराय, मुसाफीरखाना में ठहरने वाले आगन्तुकों की जानकारी संबंधित पुलिस थाना में उपलब्ध कराना आवश्यक है, जिससे समय-समय पर उनका सत्यापन किया जाकर लोक संपत्ति एवं मानव जीवन की सुरक्षा के खतरे को कम किया जा सके। मंदसौर जिले में कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा बनाए रखने, लोक संपत्ति तथा मानव जीवन की सुरक्षा के खतरे को कम करने को दृष्टिगत रखते हुए जिला मजिस्ट्रेट एवं कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने सम्पूर्ण मंदसौर जिले की राजस्व सीमा क्षेत्र अंतर्गत सराय अधिनियम 1867 की धारा-8 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। होटल, लॉज, धर्मशाला, सराय, मुसाफीरखाना, होम स्टे के मुख्य काउण्टर पर प्रबंधक संचालक का नाम, मोबाईल नंबर स्पष्ट रूप में अंकित हो ताकि आगन्तुकों को समन्वय करने में सुलभता रहे। ऐसे व्यक्तियों की सूचना जो दो सप्ताह से अधिक समय तक निवास कर रहे हो, तत्काल संबंधित थाने पर विहित प्रारूप में मकान/दुकान मालिक, पेईंग स्टे, होम स्टे संचालक के द्वारा दी जाये। पेईंग स्टे होम स्टे की सूचना संबंधित मकान मालिक/संचालक द्वारा विहित प्रारूप में थाने पर तत्काल दी जावे इसके उपरांत ही पेईंग गेस्ट होम स्टे पर रखा जावे। होटल, लॉज, धर्मशाला, सराय, मुसाफीरखाना, होम स्टे संचालक निर्धारित रजिस्टर काउण्टर पर रखेंगे, जिसमें आगन्तुकों के संबंध में पूर्ण जानकारी दर्ज हो। होटल, लॉज, धर्मशाला, सराय, मुसाफीरखाना, होम स्टे हेतु आगन्तुक का चेहरा सी.सी.टी.वी. में स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर हो इस प्रकार सी.सी.टी.वी. का इंस्टालेशन करावेंगे, साथ ही एक माह के बैंक अप के साथ डी.वी.आर. संधारित करेंगे।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत कुडैल नदी के पुनर्जीवन के लिये तैयार की जा रही है कार्ययोजना

रतलाम, निप्र। रतलाम। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग एवं आर्ट ऑफ लिविंग संस्था द्वारा मिलकर कुडैल नदी पुनर्जीवन किये जाने हेतु निर्णय लिया गया है। कुडैल नदी का उद्गम स्थल ग्राम पंचायत ढीकवा, जनपद पंचायत रतलाम है। नदी के कैचमेंट क्षेत्र में 24 ग्राम पंचायत एवं 39 ग्राम सम्मिलित है।कुडैल नदी के कैचमेंट क्षेत्र में आने वाली समस्त ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यो की कार्य योजना तैयार की जा रही है, जिसमें तालाब निर्माण, परकोलेशन तालाब, कंटूर ट्रेंच, बोल्डर बंड, खेत तालाब, कुंआ रिचार्ज, चेकडेम, स्टॉपडेम, पौधारोपण आदि कार्य सम्मिलित किए जा रहे है। कुडैल नदी ग्राम ढीकवा से प्रारंभ होकर 28 कि.मी. का रास्ता तय कर जावरा में मलेनी नदी में मिलती है। संपूर्ण कैचमेंट क्षेत्र में रिज टू वेली पद्धति को ध्यान में रखते हुए जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य किये जाएंगे ताकि अधिक से अधिक वर्षा जल को रोककर जमीन में उतारा जा सकें। नदी पुनर्जीवन कार्य से जल संरक्षण संवर्धन के साथ-साथ जल संरचनाओं में भण्डारित जल सिंचाई एवं पशुधन के लिये भी उपयोगी होगा। कलेक्टर श्री राजेश बाथमनदियां हमारी विरासत है, जिसे बचाये रखना हमारा दायित्व है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग नदी पुनर्जीवन का एक महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लालाबाई शंभूलाल चन्द्रवंशीनदी पुनर्जीवन से जैवविविधता एवं पर्यावरण में सुधार के साथ-साथ मनरेगा अंतर्गत लोगों को रोजगार उपलब्ध होगा, जिससे उनकी आजीविका में सुधार होगा एवं किसानों की निजी भूमि में खेत तालाब, कुंआ रिचार्ज आदि कार्यो का लाभ भी मिलेगा।

नीमच पुलिस द्वारा जारी एडवाईजरी का पालन करें जिले के नागरिक : एस.पी.

नीमच, निप्र। जिला पुलिस नीमच द्वारा जिले के नागरिकों से लिए एडवाईजरी जारी की गई है। पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल ने नीमच जिले के नागरिकों से एडवाईजरी में जारी में बिन्दुओं का पालन करने की अपील की है। पुलिस द्वारा जारी एडवायजरी में बताया गयाहै, कि राष्?ट्रीय एकता, अखण्डता व आपसी सौहार्द को प्रभावित करने वाले संदेश सोशल मिडिया पर फैलाना प्रसारित करने पर संबंधित के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता एवं अन्य विधानों के तहत कार्यवाही की जावेगी।

सभी सोशल मिडिया प्लेटफार्मस (Facebook, Instagram, Whatsapp आदि) पर किसी भी प्रकार का तथ्यहीन भ्रामक या अफवाह फैलाने वाले, तनाव निर्मित करने वाले मैसेज प्रसारित नहीं करें। समस्त वाट्सएप ग्रुप के एडमिन को निर्देशित किया गया है, कि अपने ग्रुप पर उक्त प्रकार के मैसेज प्रसारित नहीं करें, ऐसे व्यक्तियों को तत्काल ग्रुप से बाहर करें एवं सूचना पुलिस को देवें।किसी भी अनजान लिंक, एप्लीकेशन पर क्लिक नहीं करें, अनजान एप्लीकेशन को डाउनलोड नहीं करें, केवल अधिकारिक एप स्टोर से ही एप्लीकेशन डाउनलोड करें। बिना अनुमति के किसी भी प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन नहीं करें।

पुलिस द्वारा जारी एडवाईजरी में सभी होटल एवं लॉज संचालक को सख्त रूप से निर्देशित किया गया है, कि वे अपने यहां रुकने वाले समस्त लोगों की सम्पूर्ण जानकारी निर्धारित प्रारूप में संकलित करें और रुकने वाले समस्त लोगो के वैध दस्तावेजों को चेक करें। यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति होटल लॉज में ठहरने आता है तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस कन्ट्रोल रूम नीमच, संबंधित पुलिस थाना डायल 100 के माध्यम से पुलिस को अनिवार्य रूप से सुचित करें। समस्त मकान मालिकों को सख्त निर्देशित किया गया है कि अपने यहां रूकने वाले किरायेदारों की निर्धारित फार्मेट में जानकारी तत्काल नजदिकी पुलिस थाने पर उपलब्ध करवाये। बिना वैध दस्तावेजों के किसी भी व्यक्ति को मकान फ्लैट, दुकान किराये पर नहीं दे।

पुलिस द्वारा सभी कियोस्क संचालकों को निर्देशित किया गया है, कि आपके यहाँ ऑनलाईन भुगतान रूपये हस्तांतरण हेतु आने वाले समस्त व्यक्तियों की जानकारी निर्धारित फार्मेट में एक रजिस्टर में संधारित करें। यदि कार्ड संदिग्ध व्यक्ति रूपये हस्तांतरण हेतु आता है तो उसकी सूचना तत्काल नजदिकि पुलिस स्टेशन, पुलिस कन्ट्रोल रूम नीमच या डायल 100 के माध्यम से पुलिस को देवें।सभी प्रकार के प्रतिष्ठान संचालकों व्यापारियों को निर्देशित किया गया है, कि अपने यहां कार्य कर रहे कर्मचारियों की जानकारी समस्त वैध दस्तावेजों के साथ तत्काल नजदिकि पुलिस स्टेशन पुलिस को देवें।सभी पेट्रोल पंप संचालक किसी भी ग्राहक को वाहन के अतिरिक्त खुले में पेट्रोल, डीजल विक्रय नहीं करें।किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल उसकी सूचना पुलिस कन्ट्रोल रूम नीमच पर हेल्पलाईन नंबर 7049101042, 07423228000 पर या नजदिकि पुलिस थाने पर दें। नीमच पुलिस द्वारा जनहित में जारी इस एडवाईजरी का पालन करने की अपील सभी नागरिकों से की है।

दैनिक विनय उजाला

हवा में उखड़ गई ब्रिज पर बनी रैलिंग, सुधारा नहीं तो हादसों का बनेगी पर्याय

विनय उजाला

धामनोद, निप्र। खलघाट के संजय सेतु ब्रिज पर कुछ दिन पूर्व रिपेयरिंग कर दूरस्थ की गई रेलिंग हवा से पूरी तरह से टूट गई वहां पर जिम्मेदारों ने कुछ दिन पूर्व ही रेलिंग और के कार्य को दुरुस्त किया था लेकिन तेज हवाओं ने किए गए कार्य के गुणवत्ता की पोल खोल दी दो जिलों को जोड़ने वाले इस पुल पर हजारों वाहन प्रतिदिन गुजरते हैं मुख्य हाइवे पर स्थित यह ब्रिज हादसों का भी पर्याय बन चुका है यहां पर पूर्व में एक बस रेलिंग को तोड़कर सीधे नदी में जा गिरी थी जिसमें कई यात्रियों की मौत हो गई थी ऐसे में नर्मदा ब्रिज पर स्थित रेलिंग की दुर्दशा अब सामने स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है यहां गुजरते हैं रॉन्ग साइड से वाहन

इस ब्रिज पर रॉन्ग साइड से वहां भी गुजरते हैं क्योंकि नर्मदा के उसे पार से इसी ब्रिज से खलघाट तक आने की कोशिश करते हैं वह भी हादसे का कारण बन सकता है ऐसे में यदि कोई दुर्घटना होती है तो रेलिंग ही एकमात्र बचाव का उपाय है यहां यदि यहां लगी रेलिंग मजबूत नहीं है तो दुर्घटना होने के बाद वाहन सहित उसमें सवार नदी में जा गिरेंगे।

संक्षिप्त समाचार

कार्तिक सोनी स्पोकन इंग्लिश में तृतीय स्थान पर

धामनोद, निप्र। इंदौर के आर इंस्टिट्यूट में अध्यनरत कार्तिक सोनी को स्पोकन इंग्लिश कोर्स में तृतीय स्थान पर सफलता मिली है उपरोक्त सफलता पर स्कूल प्रबंधक सहित परिवारजनों एंव अन्य ईस्ट मित्रों ने हर्ष जताया कार्तिक का सपना है कि वह बड़ा होकर कलेक्टर बने

एनसीसी कैडिटों ने किया फायरिंग का अभ्यास, ड्रिल भी सीखी

विनय उजाला

ग्वालियर, निप्र। वार्षिक प्रशिक्षण के छठवे दिन नेवल यूनिट के एनसीसी कैडिट को फायरिंग का अभ्यास कराया गया। साथ ही कैडिट्स ने ड्रिल भी सीखी। ग्वालियर के विद्या भवन पब्लिक स्कूल में 3 म.प्र. नेवल यूनिट एनसीसी द्वारा वार्षिक प्रशिक्षण शिविर लगाया गया है। गत 6 मई से शुरू हुआ यह शिविर 15 मई तक चलेगा। इस शिविर में 135 बॉयज एनसीसी कैडेटस तथा 98 गर्ल्स कैडिट भाग ले रहे है। यह शिविर कैडेटस के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास के साथ-साथ उनमें नेतृत्व क्षमता एवं अनुशासन विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है।

शिविर के छठवे दिन सुबह 6 बजे शारीरिक व्यायाम का प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद कैडिटों को ड्रिल का अभ्यास पीआई स्टाफ विजय शर्मा (पीओ) के द्वारा कराया गया जो कि सभी प्रकार के नोसैनिक कंप्टीशन के लिये आवश्यक है। ड्रिल रिपब्लिक डे परेड में की जाती है इसलिये कैडिटों को ड्रिल की बारिकियों से अवगत कराया गया। ड्रिल अभ्यास के उपरांत कैडिटों को एस.ए.एफ. मैदान पर फायरिंग की बारीकियाँ सिखाई गईं और फायरिंग का अभ्यास भी कराया गया।

अधिकारी-कर्मचारी और समाजसेवियों ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत की बावड़ी की साफ-सफाई

विनय उजाला

बदनावर, निप्र। जलगंगा संवर्धन अभियान के तहत नगर की ऐतिहासिक सांकल बावड़ी में रविवार को विशेष स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण अभियान चलाया गया। नगर परिषद एवं प्रशासन की संयुक्त पहल पर आयोजित इस अभियान में जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सफाई कार्य के दौरान बावड़ी के सामने ग्राउंड लेवल जेसीबी मशीन की सहायता से समतल किया गया। इसके अलावा बावड़ी के भीतर वर्षों से जमा नारियल, फूल, माला, प्लास्टिक एवं अन्य कचरे को हटाकर परिसर को स्वच्छ किया गया। सौंदर्यीकरण के उद्देश्य से पौधों की क्यारियाँ भी बनाई गईं, जिससे क्षेत्र को हराभरा और आकर्षक बनाया जा सके। इस अभियान में नगर परिषद अध्यक्ष मीना यादव, एसडीएम दीपक चौहान, तहसीलदार सुरेश नागर, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि शेखर यादव, महेंद्र सिंह शक्तावत, नगर परिषद सीएमओ लाल सिंह राठौर, जनपद सीईओ राजेंद्र सिंह परिहार, सहित अनेक अधिकारी, पार्षदगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने स्वयं फावड़े, झाडू उठाकर श्रमदान किया।

नगर परिषद अध्यक्ष मीना यादव ने इस अवसर पर कहा, सांकल बावड़ी हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। इसे स्वच्छ और संरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। जलगंगा अभियान के माध्यम से हम जलस्त्रोतों का पुनर्जीवन कर रहे हैं। सकल बावड़ी 20 बाय 60 टीन शेड 12 लाख का गार्डन, सकल बावड़ी से राजपूत धर्मशाला तकसीसी रोड टेंडर प्रक्रिया पूरी हो गई शीघ्र ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

एसडीएम दीपक चौहान ने बताया कि मंदिर को शासन संधारित के लिए नगर परिषद को प्रस्ताव पास करने का बोला हे सिंहस्थ को देखते हुए मंदिर के जीर्णोद्धार एवं सुंदर बनाने के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा। जलगंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नगर की सभी बावड़ियों, कुंडों एवं अन्य जल स्त्रोतों को चरणबद्ध रूप से साफ किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस अभियान में सहभागी बनें और स्वच्छता व जलसंरक्षण को जन आंदोलन का रूप दें।

पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी ने भी कहा कि जनसहयोग से ही ऐसे प्रयास सफल होते हैं। उन्होंने युवाओं से जुड़कर ऐसे सामाजिक कार्यों में भाग लेने की अपील की। इस मौके पर नगर परिषद उपाध्यक्ष राजेंद्र पवार, पार्षद महिपाल सिंह पंवार, पत्रकार दिलीप सिंह चौहान, धर्मेन्द्र अग्निहोत्री, नवीन चौहान, मनीष शर्मा, राकेश सिंह चौहान, सचित बाहेती सहित बड़ी संख्या में अधिकारी कर्मचारी जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

अधिवक्ताओं और कर्मचारियों की मेहनत रंग लाई

लोक अदालत के सामने आए सुखद परिणाम, दो दंपति हुए फिर से एक

एडीजे वोरा ने बताया जीवनसाथी का महत्व, तो जज भगौरा ने बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ न करने की दी नसीहत

विनय उजाला

पेटलावद, निप्र। मप्र उच्च न्यायालय के निर्देश पर प्रदेश की समस्त न्यायालयों में 10 मई शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। झाबुआ जिला प्रधान न्यायाधीश विधि सक्सेना के निर्देश पर पेटलावद न्यायालय में भी नेशनल लोक अदालत का आयोजन अपर जिला न्यायाधीश ओपी वोरा की अद्यक्षता व दोनो सिविल जज वरीष्ट खण्ड श्री सोहनलाल भगौरा, एवम श्रीमती नेहा मौर्य सोलंकी की गरिमामई उपस्थिति में सम्पन्नन हुआ।

अभिभाषकों ने करवाये खूब समझौते : लोक अदालत में अभिभाषक संघ पेटलावद के अध्यक्ष अविनाश उपाध्याय के नेतृत्व मे समस्त अधिवक्ताओं ओर न्यायालय के समस्त कर्मचारियों ने इस लोक अदालत में सहयोग कर सफल बनाया। इस अवसर पर समस्त अधिवक्तागण ने खूब सहयोग करते हुए राजीनामे करवाये।

लोक अदालत की मंशा हुई पुरी एक हुए दो दम्पति : शनिवार को आयोजित इस लोक अदालत ने कल दो दम्पतियों को एक कर दोनो के बीच सुलह करवाया और फिर से दोनो को खुशी खुशी साथ रहने के लिये तैयार कर विवाह विच्छेद होने यूं कहें कि घर टूटने से बचाकर लोक अदालत लगाने का मुख्य उद्देश्य को पूरा करने में सफलता अर्जित की।

कर्मचारियों ने दिया महत्वपूर्ण योगदान : दोनो ही मामलों सहित लोक अदालत को सफल बंनाने में कोर्ट के सहायक लोक अभियोजन अधिकारी पीएल चौहान, रीडर- कर्मचारियों पवन पाटिदार, रमेश बसोड़, संजय शर्मा, प्रकाश भाभर, भरत मुणिया, विजय वसुनिया, रमाकांत सोनी, गेंदालाल देवड़ा, हीरालाल मुणिया, धुलसिह, इंद्रा चौहान, नीलम उइके, रामलाल यादव, अशोक बसोड़, चन्द्रभानसिह, माधव, दीतीया, भेरू, भरत व पार्वतीबाई ने भी महत्वपूर्ण सहयोग देकर लोक अदालत को सफल बनाया।

एडीजे श्री वोरा ने समझाते हुए बताया जीवनसाथी का महत्व

प्रथम मामले में पेटलावद निवासी पंकज का देपालपुर इंदौर निवासी अपनी पत्नी उर्मिला से विवाह के बाद से विवाद चल रहा था ओर मामला एडीजे कोर्ट तक पहुच गया था। इस मामले में अपर जिला न्यायाधीश श्री ओमप्रकाश वोरा ने दोनों पक्षों को बेहतरीन तरीके से समझाइश देकर विवाद के निपटारे के लिये प्रेरित किया। मामले में अधिवक्ता मनीष व्यास, दुर्गेश पाटिदार व राजपाल दोड ने भी सराहनीय तरिके से समझाइस देते हुए दोनो के बीच राजीनामा करवाया दोनो पति पत्नी खुशी खुशी घर लौटे।

जज भगौरा ने समझाया बच्चों के भविष्य से मत करो खिलवाड़

वही दूसरे मामले में रूपगड़ वर्तमान निवासी ढिकरिया की रहने वाली अमरिबाई ने अपनी दो नाबालिग सन्तानो के साथ मिलकर अपने पति मानसिह निवासी रूपगड़ पर भरणपोषण का केस दर्ज करवा रखा था, इस मामले में सिविल जज वरीष्ट खण्ड पेटलावद श्री सोहनलाल भगौरा ने दोनो को काउंसिलिंग करते हुए बेहतरीन तरीके से समझाइस दी श्री भगौरा की समझाइस ओर दोनों पक्षो के अधिवक्ता श्री राजेन्द्र चतुर्वेदी, राहिल रजा मंसूरी बलदेवसिंह राठौर, मोहसिन रजा मंसूरी, देवीसिंह बामनिया, दीपक बैरागी के साथ सीनियर एडवोकेट श्री राजेन्द्र मोनन्त, चिरायु मोनन्त के द्वारा दोनो पति पत्नी के बीच समझौता करवाते हुए राजीनामा पेश किया। दोनो दम्पतियों को स्मृति स्वरूप फलदार व्रक्ष न्यायाधीशगण ने सोपे। दोनो दम्पति खुशी खुशी एक होकर घर लौटे।

बाइक से परिवहन की जा रही थी अवैध शराब

विनय उजाला

दो आरोपी अरेस्ट

धार, निप्र। अवैध शराब की बिक्री को ग्राउंड जीरो तक रोकने के लिए पहली बार टास्क फोर्स का गठन किया है। जिले में अवैध शराब की धरपकड़ के लिए टास्क फोर्स गठित कर टीमें बनाई है। यह टीम धार सहित जिले के सभी वृत्त क्षेत्रों में सक्रिय रहकर अवैध शराब पर कार्रवाई कर रही हैं। इसको लेकर गत दिनों जिला कंट्रोल रूम पर सहायक आबकारी आयुक्त राजनारायण सोनी ने विभागीय अधिकारियों की बैठक ली थी, जिसमें अवैध शराब बिक्री व परिवहन रोकने के लिए कार्यवाही के निर्देश दिए थे। इसी कड़ी में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के मार्गदर्शन में वाहन से शराब को जब्त किया गया।

विभाग उनि राजकुमार शुक्ला के अनुसार नौगांव बाईपास पर इन्दौर-अहमदाबाद हाइवे पर बाइक क्रमांक एमपी-11 बीबी-7599 से परिवहन की जा रही 05 पेटी बोल्ट केन बियर तथा 01 पेटी लंदन प्राइड वोदका को जप्त किया गया। कार्यवाही के दौरान आरोपी लाला उर्फ महावीर भाटी तथा स्वप्निल हरवाल के खिलाफ मप्र आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया। जप्त मदिरा की कुल मात्रा 69 बल्क लीटर तथा वाहन एवं मदिरा का अनुमानित मूल्य रुपये 50 हजार रुपए है। उपरोक्त कार्यवाही आबकारी उपनिरीक्षक राज कुमार शुक्ला एवं आबकारी वृत्त धार के मुख्य आरक्षक कैलाश बघेल, आरक्षक ईश्वर लाल धिंगान, राजेन्द्र पवार तथा आशीष माली की टीम द्वारा की गई।

बाग में सामूहिक विवाह के पात्र हितग्राहियों के आवेदन रिजेक्ट

बाग जनपद सदस्य प्रतिनिधि खान को आवेदकों ने अपना मांग पत्र सौंपा

विनय उजाला

बाग, निप्र। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत पात्र हितग्राहियों के फ़ार्म रिजेक्ट हो गये। इसमें जांच समिति की गलत अनुशंसा के कारण ये कार्यवाही की गई है। इस दौरान शनिवार को योजना से वंचित जनपद अधिकारीयों को देने आए थे मगर उनके नहीं मीलने से बाग जनपद सदस्य प्रतिनिधि वकार खान को आवेदको ने अपना मांग पत्र सौंपा है।

ब्लाक में कुल 176 जोड़ो को पात्र बताया गया था। इनमे से 84 जोड़ों के आवेदन को अपात्र कर दिया गया। हालांकि अभी ये नहीं पाया गया है कि कितने आवेदन रिजेक्ट हुए हैं। सामाजिक कार्य विभाग के अधिकारी रवि भिड़े कहतै है जनपद सीईओ आएंगे तब बताएंगे। उनके पास ही बाग और सरदारपुर का चार्ज है। इसकी जानकारी वहीं दे पाएंगे।

बिना किसी कारण के आवेदन रिजेक्ट किए : ग्राम पंचायत जामला की पीड़ित युवती सावित्री का मामला सामने आया है। उसका विवाह ग्राम अजंताड़ के युवक कृष्णा से तय हुआ था। दोनों ने सामूहिक विवाह में शामिल होने के लिए ग्राम पंचायत जामला में आवेदन दिया था। लेकीन पांच सदस्यीय जांच समिति ने बिना किसी आधार के उन्हें पुर्व शादीशुदा बताकर आवेदन रिजेक्ट कर दिया। लोग जनपद कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं। बाग जनपद की इन दिनों यही स्थिती बनी हुई हे बाग ब्लाक के अन्य आवेदकों की भी यही हालत है। पिडित विवाह जोड़ा एक सप्ताह से जनपद कार्यालय के चक्कर काट रहै है। लेकीन ना तो उन्हें आवेदन रिजेक्ट होने का कारण पता हे ओर नहीं कोई सही बताने कै तैयार है।

जांच समिति में ये अधिकारी रहे शामिल : मुख्यमंत्री निवाह योजना के बाग ब्लाक प्रभारी रवि भिड़े के अनुसार जांच समिति में आंगनवाड़ी पर्यवेक्षक, एएनएम, ग्राम सरपंच, सचिव और एक जनपद अधिकारी शामिल होतै है। उन्होंने कहा की जनपद सीईओ की उनुपस्थिति में वे आवेदन फाइल नहीं दिखा सकते।

मामले को नेता प्रतिपक्ष तक ले जाया जाएगा : जनपद सदस्य प्रतिनिधि वकार खान गोल्डी ने बताया कि बाग में विवाह योजना में पात्र लोगों के साथ अन्याय हुआ है। जांच समिति ने इस कार्य में बड़ी गड़बड़ी की है। जरुरतमंद और पात्र लोगों को योजना का लाभ मिलने की बजाय उन्हें वंचित कर दिया गया। इस मामले से नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार को भी अवगत करवाया जाएगा। 30 अप्रेल को मुख्यमंत्री ने विवाह में शामिल वर वधु को आर्शीवाद दिया था लेकीन लालफीताशाही के चलते कहीं पात्र हितग्राही इस योजना से वंचित हो गए।

संक्षिप्त समाचार

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आशापुर सेक्टर के ग्रामों में जल संरक्षण की शपथ दिलाई

खरगोन, निप्र। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आशापुर सेक्टर ग्राम सिरसिया, मक्षी, टेकवा, बडवेल व बाकानेर में तहसील महेश्वर में जिला समन्वयक के निर्देशानुसार कार्यक्रम का आयोजन जन अभियान परिषद नवांकुर संस्था खराडी द्वारा जल बचाव की शपथ दिलाई गई। इस दौरान जल के महत्व को ग्रामीणों को बताया गया और कहा गया कि जल है तो जीवन है। हमें दैनिक जीवन में जितने जल की आवश्यकता हो उतना ही जल उपयोग करना चाहिये। हमेशा साफ-पानी का सेवन करना चाहिये। जिससे परिवार के सदस्य को कोई बीमारी न हो। साथ ही जल बचाव की शपथ दिलाई गयी। इस दौरान नवांकुर संस्था से दीपक सिंह मंडलोई व परमानंद पाटीदार व सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राये व ग्रामीण जन मौजूद रहे।

12 मई को जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक

खरगोन, निप्र। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक 12 मई को प्रात: 11.00 बजे कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। इस बैठक में जल जीवन मिशन से संबंधित कार्यों की समीक्षा की जाएगी।

ज्योति कलश यात्रा का आगमन

गायत्री परिवार का सामाजिक और आध्यात्मिक आंदोलन होगा

17 मई से 4 जुलाई 49 दिन की यात्रा जिले में युग ऋषि का संदेश देगी

विनय उजाला

ठीकरी, निप्र। गायत्री चेतना केंद्र ठीकरी में कार्यकर्ता गोष्ठी संपन्न हुई।अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्ग दर्शन में जन्म शताब्दी वर्ष के अंतर्गत ज्योति कलश यात्रा जिले की 9 तहसील के ग्राम ग्राम में 50 दिन तक अपना सफर 700 किलोमीटर से भी अधिक तय कर 450 ग्रामों में पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी के सद ज्ञान को जन जन तक पहुंचाएगी। यात्रा का शुभारंभ गायत्री चेतना केंद्र ठीकरी से 17 मई को होने जा रहा है यात्रा की रूपरेखा तय करने चेतना केंद्र पर गोष्ठी संपन्न हुई जिसमे निर्णय लिया गया की 24 कन्याओं द्वारा ज्योति कलश पूजन कर शंखनाद से भजन मंडली के साथ व्यसन मुक्ति अभियान का संदेश देगी। महिला मंडल से गायत्री दसौंधी,वंदना राठौड़ ने

दीप यज्ञ ऋषि संदेश देने के लिए संकल्पित हुए। ठीकरी तहसील यात्रा का प्रभार राकेश मेवाड़े ने गृहण किया, मिडिया का दायित्व आकाश राठौड़ को सौंपा गया, संगीत टोली कुंदामाल गुलाब पावणा की टीम अपनी सेवाए देने आगे आई। ट्रस्टी श्याम महाजन, भगवान यादव,ने व्यवस्था को संचालित करने में आगे आए। गोष्ठी में जिला समन्वयक महेंद्र भावसार ने बताया की यात्रा केवल यात्रा नही आध्यात्मिक क्रांति है जो युवाओं, परिवारों को नए युग बनाने और बेहतर भविष्य निर्माण के लिए प्रेरित करेगी, आध्यात्मिक, सामाजिक जिम्मेदारी के मूल्यों को पुनर्स्थापित करने का दिव्य प्रयास गायत्री परिवार द्वारा किया जायेगा।

अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज का आध्यात्मिक और सामाजिक आंदोलन है। जिले में 150 दिन चलने वाली यात्रा अवधि में ग्रामों में स्वच्छता अभियान, व्यसन मुक्ति अभियान, कुरुती उन्मलन,साधना आंदोलन,नारी जागरण को प्रमुखता से प्रसारित करना लक्ष्य रहेगा। पूरी यात्रा में लगभग 45 दीपयज्ञ , शांतिकुंज संदेश, मंत्र लेखन, पाक्षिक प्रज्ञा अभियान,अखंड ज्योति सदस्यता अभियान को चलाया जाएगा। जिले के शक्ति पीठ, प्रज्ञा पीठ, चेतना केंद्र यात्रा संचालन में अपनी भागीदारी निभायेगे। प्रत्येक तहसील यात्रा की योजना और रूट चार्ट बना रहे है। जिसमे ग्रामों का चयन, यात्रा रात्रि विश्राम, दीप यज्ञ, शांतिकुंज संदेश,मंडल गठन कहा करेगे, कोन करेगे, तैयारिया कर रहे है। यात्रा आगमन को लेकर गायत्री धाम के पंडित मेवालाल पाटीदार ने हर्ष व्यक्त कर कहा की गायत्री परिवार के क्रिया कलापों को जन मानस के हृदय में रोपित करना मनुष्य में देवत्व का उदय और धरती पर स्वर्ग का अवतरण होगा। यात्रा के दौरान आयोजित यज्ञ,सांस्कृतिक कार्यक्रम, मूल्य आधारित कार्यशालाएं व्यक्तित्व और सामाजिक परिवर्तन के लिए सामूहिक संकल्प का निर्माण करेगी। यात्रा प्रभारी माधव पाटीदार, साधना अभियान के नरेंद्र डावर, महिला मंडल की जिला प्रभारी ममता तोमर, युवा प्रकोष्ठ के लखन विश्वकर्मा, वृक्ष रोपण के सुरेश सोलंकी,व्यसन मुक्ति के रमेश पाटोदे,साहित्य विस्तार के मगन लाल डुडवे, भिकाजी म्हाले, दयाराम जाधव,त्रिलोक सोनी,सीताराम कल्या टीणपूरा, कमल चौहान, मंसाराम पिचौडी, कन्हया लाल ठेकेदार, गोपाल कृष्ण प्रजापति, ट्रस्टीगण परिजन अपनी अपनी जिम्मेदारी को लेकर उत्साहित है।

कलेक्टर और एसपी ने जिले में आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने के अधिकारियों को दिए निर्देश

विनय उजाला

बडवानी, निप्र। बड़वानी 10 मई 2025/ राष्ट्रीय परिस्थितियों और वर्तमान परिदृश्य के दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टरेट सभागृह बड़वानी में कलेक्टर सुश्री गुंचा सनोबर व पुलिस अधीक्षक श्री जगदीश डावर द्वारा देश में वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य और संवेदनशील परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए जिले के पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों की बैठक ली गई । जिसमें निम्नलिखित निर्देश जारी किए गए - ऽ जिले में नागरिक सुरक्षा के आपातकालीन एवं आपदा प्रबंधन के लिये नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवको का नामांकन किया जाये । आपात स्थिति के लिए नगरीय क्षेत्रों में वार्डो से 2 से 5 स्वयंसेवक एवं प्रत्येक ग्राम पंचायत से कम से कम 2 स्वयंसे का नामांकन किये जाने के निर्देश दिये है। इस दौरान बताया गया कि जिले की जनसंख्या के हिसाब से जिले में वालिंटियर्स का नामांकन किया जायेगा। सिविल डिफेंस वालिंटियर्स के लिए भूतपूर्व सैनिको, सीनियर्स एनसीसी के सदस्य, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सदस्य, निजि सुरक्षा एजेंसियो के लोगो को

प्राथमिकता के तौर पर भर्ती करने के निर्देश दिये है। प्रशिक्षण इत्यादि गतिविधियो के लिये भूतपूर्व पुलिस कर्मियो को प्राथमिकता दी जाये । ऽ बैठक में निर्देशित किया गया कि सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से कोई भी फेक न्यूज या गलत खबर प्रसारित न करें, इसका विशेष ध्यान रखा जाये। सोशल मीडिया पर भ्रामक, तथ्यहीन फेक न्यूज एवं अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्यवाही की जायेगी । फेक न्यूज एवं अफवाहों का तत्काल खंडन कर वस्तुस्थिति से आम जन को अवगत कराया जाये। ऽ संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण - बड़वानी जिले में स्थित सामरिक महत्व के संस्थानों, ऐतिहासिक भवनों, बड़े मंदिरों, बांधों, एवं राजमार्गों का निरीक्षण किया जाएगा। सभी स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा और आवश्यक सुधार किए जाएंगे। ऽ सीसी टीवी और एक्सेस कंट्रोल - संस्थानों में सीसी टीवी कैमरे और बाउंड्रीवॉल में रात्रि के समय रोशनी की व्यवस्था की जाएगी, साथ ही एक्सेस कंट्रोल सिस्टम की जांच की जाएगी। ऽ सुरक्षा कर्मियों की संख्या - सुरक्षा कर्मियों की संख्या का मूल्यांकन किया जाएगा और जहां आवश्यक हो, वहां सुरक्षाकर्मियों की तैनाती बढ़ाई जाएगी। ऽ संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी - आर्डिनेंस फैक्ट्री और बांधों के आसपास संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। ऽ मुख्य सड़क मार्गों पर निगरानी - सामरिक महत्व के संसाधनों के आवागमन वाले सड़क मार्गों पर विशेष सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएंगे। ऽ विस्फोटक पदार्थों पर निगरानी - विस्फोटक पदार्थों का उपयोग करने और बेचने वालों पर निगरानी रखी जाएगी और उन पर आकस्मिक जाँच की जाएगी। ऽ आंतरिक सुरक्षा योजना का अद्यतन - जिले में आंतरिक सुरक्षा योजना का अवलोकन किया जाएगा और आवश्यक जानकारी को अद्यतित किया जाएगा। ऽ सुरक्षा और निगरानी प्रणाली में सुधार - सीसी टीवी कैमरे, डीव्हीआर और सुरक्षात्मक उपायों के बारे में संबंधित संस्थानों से समन्वय किया जाएगा। ऽ संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी - आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी पुलिस को तुरंत दें। संवेदनशील क्षेत्रों के आसपास चेकिंग - संवेदनशील क्षेत्रों के आसपास संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ व चेकिंग को बढ़ाया जाएगा। ऽ सुरक्षा व्यवस्था का सतत निगरानी - सुरक्षा व्यवस्था की निरंतर निगरानी की जाएगी और सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी सुरक्षा उपाय सही तरीके से लागू हों। इस प्रकार बड़वानी जिले में सुरक्षा उपायों को सशक्त बनाने और सार्वजनिक स्थलों पर शांति बनाए रखने के लिए प्रशासन और पुलिस विभाग समर्पित रूप से काम कर रहे हैं। आम नागरिकों से सहयोग की अपील की जाती है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना पुलिस को दें। बैठक में कलेक्टर सुश्री गुंचा सनोबर, पुलिस अधीक्षक श्री जगदीश डावर, अपर कलेक्टर श्री के.के. मालवीय, संयुक्त कलेक्टर श्री सोहन कनाश, समस्त एसडीएम, तहसीलदार, पुलिस विभाग के

चार दिवसीय भव्य सामुदायिक क्रिकेट चैम्पियनशिप का दूसरा दिन

विनय उजाला

मंडलेश्वर, निप्र। जितेन्द्र वासुरे। श्री कँवरतारा छाजेड़ चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय सामुदायिक क्रिकेट चैम्पियनशिप जिसका शुभारंभ 9 मई 2025 को हुआ के दूसरे दिन भी खेल भावना, उत्साह और सामुदायिक एकता की अद्भुत झलक देखने को मिली।

दूसरे दिन के दोनों मुकाबले अत्यंत रोमांचक और प्रतिस्पर्धी रहे :

पहला मुकाबला
श्री विष्णुश्री कैपिटल्स महेश्वर Vs रॉयल चैलेंजर्स करही
विजेता टीम : श्री विष्णुश्री कैपिटल्स महेश्वर
इस मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए श्री विष्णुश्री कैपिटल्स महेश्वर ने जीत हासिल की।
दूसरा मुकाबला :
सनराइजर्स तपोवन ड्डह्य कसरावद सुपर जाइंट्स (किराना व्यापारी)
विजेता टीम : सनराइजर्स तपोवन बेहतरीन खेल कौशल और अनुशासन के साथ सनराइजर्स तपोवन ने मुकाबला अपने नाम किया।
मैन ऑफ द मैच (पहला मैच) : डॉ. गणेश जी (श्री विष्णुश्री कैपिटल्स महेश्वर)
प्रदर्शन : 19 रन व 4 विकेट
डॉ. गणेश जी ने ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।
मैन ऑफ द मैच।
(दूसरा मैच - टीम) :
श्री आदित्य गौड़ (सनराइजर्स तपोवन)
प्रदर्शन :
36 रन व 1 विकेट
श्री आदित्य गौड़ के प्रभावशाली खेल ने सनराइजर्स तपोवन को निर्णायक बढ़त दिलाई।

दूसरे दिन के इन मुकाबलों ने न केवल दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया, बल्कि सामुदायिक सहभागिता और खेल-मैत्री को भी प्रोत्साहित किया।

विद्यालय प्रबंधक श्री प्रमोद छाजेड़ एवं प्राचार्य श्री योगेश जोशी ने खिलाड़ियों को आगामी मैचों के लिए शुभकामनाएं दीं।

कुष्ठ रोग को इंटीग्रेटेड अप्रोच से जोड़ना और अधिक सकारात्मक परिणाम ला सकता है : डॉ. देसाई

विनय उजाला

बडवानी, निप्र। बड़वानी 11 मई 2025/ यह हम सब जानते हैं कुष्ठ रोग साध्य है तथा यह भी समय पर उपचार लेने से सामान्य बीमारी की तरह ही ठीक हो जाता है। किंतु ज्यादातर लोग जागरूकता के अभाव में इसे छुपाते हैं और बीमारी को गंभीर अवस्था में परिवर्तित होने के बाद जब सामाजिक चर्चा का विषय बनने लगते हैं तब कहीं उपचार के लिए आते हैं तब तक बहुत शारीरिक क्षति हो चुकी होती है।

उक्त बातें आशाग्राम ट्रस्ट में आशा इंस्टीट्यूट आफ नर्सिंग की छात्राओं एवं कुष्ठ रोगियों की चौपाल पर आयोजित संवाद में जीएलआरए इंडिया के स्टेट कोऑर्डिनेटर डॉ विशाल देसाई ने कहीं।

जिला स्वास्थ अधिकारी डॉ चंद्रजीत सांवले के मार्गदर्शन में आशा इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग मेंआयोजित कार्यशाला में उन्होंने कहा आशाग्राम ट्रस्ट में कुष्ठ रोगियों के समग्र पुनर्वास के लिए सभी आयाम साकार हो रहे हैं एक और जहां इन्हें परिवार के साथ रहने की स्वतंत्रता दी गई है वही चिकित्सा के लिए शासकीय और अशासकीय दोनों सुविधा परिसर में ही उपलब्ध है।

सुंदर प्राकृतिक वातावरण के बीच स्वच्छंद विचरण करने वाले कुष्ठ रोगी एक सामान्य जीवन जीकर अन्य कुष्ठ कालोनियों के लिए आदर्श प्रस्तुत कर रहे है। यहां उनके लिए समय-समय पर आयोजित समस्या समाधान शिविर एवं अन्य सहयोगी कार्यक्रम इनके जीवन को सुगम बना रहा है। उन्होंने इस दौरान एक ही स्थान पर संस्थागत पुनर्वास के सभी आयामो का उपलब्ध होना इस क्षेत्र के लिए सौगात बताया। इस दौरान जिला समन्वयक श्री विपुल चतुर्वेदी सहित ट्रस्ट के कार्यकर्ता,आशा इंस्टीट्यूट आफ नर्सिंग का स्टाफ उपस्थित थे।

अवैध बीज भंडारण पर दो व्यक्तियों के विरुद्ध हुई एफ.आई.आर.दर्ज

विनय उजाला

बडवानी, निप्र। कलेक्टर द्वारा जिले में बीज वितरण व्यवस्था की मॉनिटरिंग एवं निरीक्षण हेतु दल गठित किये गये ।10 मई 2025 को जिला स्तरीय निरीक्षण टीम द्वारा विकासखण्ड पाटी के कृषकों एवं अन्यं की सूचना पर ग्राम रोसर, जीवानी, गोलगॉव एवं खेरवानी में आकस्मिक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान संबंधित दो व्यक्तियों द्वारा 02 कंपनियों के बाजरा बीज के 420 पैकेट (1.5 किलोग्राम की पैकिंग में) भंडारित एवं विक्रय करते पाये गये । इस

संबंध में अनोखनाथ पिता कारूनाथ एवं फुन्दा नाथ पिता लालूनाथ ग्राम हिगोंरिया छोटा तहसील मल्हापरगढ जिला मंदसौर से पूछताछ करने पर उनके द्वारा बताया गया कि उक्त बीज के भण्डारण व बेचनें हेतु बीज लायसेंस नही लिया गया है ।इस पर टीम में शामिल बीज निरीक्षक विकासखण्ड पाटी द्वारा मौके पर ही 420 पैकेट बाजरा बीज जप्त कर लिया गया । संबधित द्वारा बिना लायसेंस प्राप्त किये गये बीजों का भण्डारण करना पाया गया, जो कि बीज (नियंत्रण) आदेश 1983 के खण्ड 3 के प्रावधानों का उल्लंघन किया गया ।अवैध रूप से भंडारण करने वाले अनोखनाथ पिता कारूनाथ एवं फुन्दानाथ पिता लालूनाथ ग्राम हिगोंरिया छोटा तहसील मल्हारगढ जिला मंदसौर के विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 एवं बीज (नियंत्रण) आदेश 1983 के खण्ड 3 के तहत पुलिस थाना पाटी में एफ.आई.आर. दर्ज करवाई गई ।

अनुसंधान राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 दे रही है आपको शोध का अवसर, बनें अच्छे शोधार्थी

विनय उजाला

बडवानी, निप्र। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत अनेक नए बदलाव हुए हैं। अब तीन साल के साथ ही चार साल के स्नातक कोर्स की भी सुविधा दी गई है। स्नातक चतुर्थ वर्ष के भी दो प्रकार हैं फोर्थ इयर ऑनर्स और फोर्थ इयर ऑनर्स विद रिसर्च, दोनों ही कोर्सेस में डिजर्टेशन अर्थात लघु शोध प्रबंध लिखे जाने का प्रावधान है। प्रत्येक विद्यार्थी द्वारा अपने मेजर विषय पर आधारित कोई शोध समस्या चुनी जाती है और उस पर रिसर्च करके लघु शोध प्रबंध तैयार किया जाता है। युवाओं में अनुसंधानात्मक प्रवृत्ति का विकास होना आवश्यक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति उन्हें लघु शोध प्रबंध के माध्यम से यह अवसर दे रही है। साथ ही शोध प्राविधि नामक विषय भी पढ़ाया जा रहा है। यह शोध प्रक्रिया को समझने और उसे क्रियान्वित करने की क्षमता विकसित करती है। आपको अच्छे शोधार्थी बनना चाहिए. नए विषयों का चयन करके उन पर मौलिक लेखन करना चाहिए। अच्छे शोधार्थी बनकर आगे आप पीएचडी कर सकेंगे और उच्च शिक्षा में असिस्टेंट प्रोफ़ेसर के रूप में अपना करियर बना सकेंगे। ये बातें प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़वानी के स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा शोध के महत्व विषय पर आयोजित परिचर्चा में शनिवार को डॉ. मधुसूदन चौबे ने कहीं। यह आयोजन प्राचार्य डॉ. वीणा सत्य के मार्गदर्शन में किया गया। प्रक्रिया का पालन करें डॉ. चौबे ने विद्यार्थियों को लघु शोध प्रबंध की बाह्य संरचना और आंतरिक विषयवस्तु की विस्तार से जानकारी दी। आवरण पृष्ठ पर लिखी जाने वाली सामग्री और उसके लेखन का तरीका, बाइंडिंग की विधि, उसमें लगाये जाने वाले आवश्यक दस्तावेज, जैसे- इनर पेज, प्राचार्य जी का अग्रेषण पत्र, निदेशक का प्रमाण-पत्र, शोधार्थी का मौलिकता का घोषणा पत्र, लघु शोध प्रबन्ध का विषयवस्तु के अनुसार संगठन जैसे- प्राक्कथन, शोध के उद्देश्य, शोध प्राविधि, शोध परिकल्पना, साहित्य का पुनरावलोकन, शोध क्षेत्र का परिचय और चयनित शोध विषय से सम्बन्धित विभिन्न अध्याय, परिकल्पनाओं का परीक्षण, मूल्यांकन, अनुशंसायें, भावी संभावनाएं, उपसंहार, संदर्भ सूची, परिशिष्ट, छायाचित्र, मानचित्र, टेबल्स, ग्राफ, प्रश्नावलियाँ आदि के बारे में युवाओं को बताया. यदि प्रक्रिया का पालन करके लघु शोध प्रबंध तैयार किया जाता है तो, वह सार्थक कार्य सिद्ध होता है।

आगामी 23 जून को नर्मदा तट पर सन्तो के कर कमलों से होगा रेल संकल्प पूजन का भव्य आयोजन

ताप्ती नर्मदा रेलवे लाइन समिति की बैठक में लिए कई जरूरी फैसलें

विनय उजाला

बड़वानी, निप्र। ताप्ती नर्मदा रेलवे लाइन समिति निमाड क्षेत्र की आवश्यक बैठक स्थानीय हुनमान मन्दिर सेगांव में समिति के केंद्रीय अध्यक्ष दामोदर अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई ।जिसमे निमाड क्षेत्र में रेल लाने हेतु आगामी रेल संकल्प पूजन पर विस्तार से चर्चा की गई व रेल लाइन समिति द्वारा आमजनो में जनजागृति लाने हेतु प्रचार-प्रसार करने हेतु कार्य योजना बनाई गई।

अतिथियो द्वारा भारत माता,

नर्मदा मैया एवं श्री खाटूश्याम के चित्र का पूजन कर बैठक का शुभारम्भ किया गया।

बैठक में तय किया गया कि आगामी 23 जून, सोमवार को निमाड क्षेत्र के सभी सन्तजनों के कर कमलों से नर्मदा मैया के तट किनारे रेल संकल्प पूजन का भव्य स्तर पर आयोजन किया जाएगा जिसका मुख्य उद्देश्य क्षेत्र की जनता में रेल लाने हेतु जनजागृति लाना तथा आंदोलन को गति देना है।

बैठक में अलीराजपुर से खण्डवा तक रेल लाइन के ड्रोन सर्वे की स्वीकृति दिए जाने, जो लगभग अपने अंतिम चरण में है इस हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सभी जिलों के जनप्रतिनिधिगणो व रेलवे अधिकारियों का आभार व धन्यवाद दिया गया ।इस अवसर पर समिति के केंद्रीय अध्यक्ष दामोदर अग्रवाल ने कहा कि निमाड क्षेत्र में रेल लाइन का ड्रोन के माध्यम से सर्वे होना निमाड वासियों के लिए बड़ी उपलब्धि है ।तथा उन्होंने कहा कि ड्रोन सर्वे की स्वीकृति मिलना तथा सर्वे का सफलता पूर्वक होना बड़ी बात है तथा हमे निमाड में रेल लाने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना पड़ेगा जो रेल संकल्प पूजन से इसकी शुरुआत होगी।

23 जून को होगा रेल संकल्प पूजन : बैठक में तय हुआ कि आगामी 23 जून, समोवार दोपहर 1 बजे माँ नर्मदा के उत्तर तट पर स्थित धार जिले के ग्राम मालवाड़ा तहसील कुक्षी में नर्मदा मन्दिर के समीप नर्मदा तट पर किया जाएगा। रेल संकल्प पूजन निमाड क्षेत्र के सन्तजनों के सानिध्य व उनके करकमलों से दोपहर 1 बजे भव्य रूप में किया जाएगा जिसमे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के चित्र को रखकर प्रतीकात्मक रूप से उनकी उपस्थिति मानकर किया जाएगा।

बनाई रणनीति : बैठक में अलीराजपुर, नानपुर, कुक्षी, निसरपुर, लोणी, बड़वानी, अंजड, जुलवानिया, खरगौन, भीकनगांव, बरूड, खण्डवा आदि जगह से अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे जिनकी उपस्थिति में तय किया गया कि ड्रोन सर्वे के अनुसार जिन-जिन नगर व ग्रामो से रेल लाइन निकल रही उन नगरों, ग्रामो में बैठके आयोजित कर रेल संकल्प पूजन में आमंत्रित किया जाएगा तथा अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगौन व खण्डवा जिले के मुख्य नगरों व शहरों में बैनर लगा कर प्रचार प्रसार किया जाएगा।

स्वागत भाषण जिला बड़वानी इकाई के अध्यक्ष हरिकिशन कुशवाह द्वारा दिया गया। संचालन जिला बड़वानी इकाई के सचिव राजेन्द्र भावसार ने तथा आभार जिला उपाध्यक्ष सुनील भावसार ने व्यक्त किया।

यह रहे मौजूद : इस अवसर पर राहुल सोनी, दशरथ सिंह यादव, कृष्णकांत पंचोली, शांतिलाल सोमानी, धुरजी पाटीदार, शंकरराव निर्मलकर, बालकृष्ण सोनगरा, राजेश राठौड़, कैलाश गंधवानी, बिसन पटेल, जितेंद्र फोंगला, शोभाराम पाटीदार, शिखरचंद जैन, दयाल परिहार, कमलेश झंवर, कपिल पाटीदार, सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

सी-आर्म मशीन से पैर की फ्रेक्चर हड्डी का सफल ऑपरेशन

देवास, निप्र। देवास जिला चिकित्सालय में आने वाले मरीजों को अत्याधुनिक तकनीकी युक्त मशीनों एवं उपकरणो से जांच व उपचार बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही है। जिला अस्?पताल देवास में पारू बाई पति जितेंद्र भील उम्र 25 वर्ष का जिला चिकित्सालय देवास में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ जगदीश नागर अत्याधुनिक तकनीकी युक्त सी-आर्म मशीन जो की एक्स-रे तकनीक पर आधारित एक उन्नत मेडिकल इमेजिंग डिवाइस है, की सहायता से टूटे हुए पैर की टिबिया हड्डी को जोडकर सफल आपरेशन किया गया। जिला चिकित्सालय में निःशुल्क आपरेशन होने पर परिवारजन प्रदेश सरकार, प्रशासन और चिकित्सक टीम को धन्यवाद दे रहे है।

आज चिकन, मांस, मछली व व्यवसायिक प्रतिष्ठान बंद रहेंगे

देवास, निप्र। बुद्ध पूर्णिमा के विशिष्ट अवसर पर सोमवार 12 मई को निगम सीमा क्षेत्र मे स्थित समस्त पशु वध ग्रह एवं चिकन, मांस मटन एवं मछली विक्रय की दुकानें, व्यावसायिक प्रतिष्ठान होटल बंद रखने के निर्देश नगर निगम आयुक्त रजनीश कसेरा के द्वारा निगम के खाद्य निरीक्षक हरेंद्र सिंह ठाकुर को प्रदान किए गए हैं। आयुक्त के निर्देशों के पालन में नगर निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा शहर के समस्त चिकन मटन व्यापारियों को सूचना पत्र जारी किये जाकर सोमवार 12 में को चिकन मटन के प्रतिष्ठान और होटल बंद रखने के निर्देश दिए गए है तथा उन्हें आदेश का कड़ाई से पालन करने को कहा गया है। निर्देशों का पालन नहीं करने की दशा में नगर निगम द्वारा मध्य प्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 की धारा 254 की उप धारा (1) में उल्लेखित नियमों के अंतर्गत कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी।

नर्सिंग होम संचालकों की बैठक संपन्न

सतना, निप्र। राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के अनुक्रम में आपदा प्रबंधन को दृष्टिगत रखते हुए नर्सिंग होम संचालकों तथा स्वास्थ्य सेवा से जुड़े संस्थाओं के प्रतिनिधियों की बैठक कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में रविवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में मेडीकल कॉलेज के डीन डॉ. शशिधर गर्ग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी, डिप्टी कलेक्टर एलआर जांगड़े, सिविल सर्जन डॉ. मनोज शुक्ला सहित चिकित्सक और नर्सिंग होम संचालक उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर ने सभी नर्सिंग होम के संचालकों से कहा कि अपने-अपने चिकित्सालयों में उपलब्ध सुविधायें उपकरण आदि की जानकारी तैयार कर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को भेजना सुनिश्चित करें।

सीएम हेल्पलाइन को लेकर निगम आयुक्त ने ली बैठक

विनय उजाला

देवास, निप्र। नगर निगम आयुक्त रजनीश कसेरा के द्वारा शहर के नागरिकों के द्वारा सीएम हेल्पलाइन में दर्ज कराई गई सफाई, पानी, विद्युत संबंधी समस्याओं की शिकायतों को समयावधि में संतुष्टिपूर्वक निराकृत करने के निर्देश समीक्षा बैठक के दौरान दिये गये। आयुक्त ने बैठक में उपस्थित विभाग प्रमुखों से कहा कि वे सीएम हेल्पलाईन में दर्ज शिकायतों की प्रकृति एवं मांग अनुरूप संतुष्टिपूर्वक जवाब दर्ज कराने पर निगम की ग्रेडिंग में सुधार होगा।

आयुक्त के द्वारा लोक निर्माण विभाग के उपयंत्रियों, स्वास्थ्य विभाग के स्वच्छता निरीक्षकों के वार्ड क्षेत्रों की शिकायतों के निराकरण की समीक्षा कर लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जलप्रदाय विभाग को 95 प्रतिशत का लक्ष्य निर्धारित किया गया।

उक्त लक्ष्य की पूर्ति के पश्चात ही निगम ए ग्रेड की श्रेणी में आयेगा। इसी बैठक में 100 दिवस 50 दिवस की शिकायतों की भी समीक्षा कर इनके भी निराकरण के निर्देश जारी किए गए। बैठक में निगम उपायुक्त देवबाला पिपलोनिया एवं जाकिर जाफरी, उपायुक्त वित्त दीपक पटेल, कार्यपालन यंत्री इन्दूप्रभा भारती, स्वास्थ्य अधिकारी जितेन्द्र सिसौदिया, सहा. यंत्री जगदीश वर्मा, उपयंत्री दिनेश चौहान एवं उपयंत्री गण आदि उपस्थित रहे।

जल है तो कल है, जल का संरक्षण आज की महती आवश्यकता:सिंह

विनय उजाला

देवास, निप्र। जिला कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशन में एवं जिला शिक्षा अधिकारी हरिसिंह भारतीय के मार्गदर्शन में जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय एवं देवास ब्लॉक के अंतर्गत शासकीय उच्चतर विद्यालय क्षिप्रा, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक 2, एवं शासकीय नारायण विद्या मंदिर क्रमांक 1 के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं ओर विकास खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय देवास के स्टॉफ सदस्यों के द्वारा ग्राम हवन खेड़ी के क्षिप्रा नदी तट पर नदी स्वच्छता अभियान के प्रथम दिवस पर मां क्षिप्रा नदी शुद्धीकरण कार्य किया गया। नदी तट की सफाई व कचरा निष्पादन का कार्य तीनों संकुल के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं के द्वारा किया गया। वरिष्ठ शिक्षक दुर्गाशंकर अग्रावत के द्वारा ग्राम हवन खेड़ी में मां क्षिप्रा शुद्धीकरण अभियान में इस स्थान के प्राचीन काल के बारे में सभी को ऐतिहासिक जानकारी दी।

तीनों संकुल विद्यालयों के प्राचार्य राजीव सूर्यवंशी सुधीर सोमानी, के के मिश्रा ने उक्त कार्यक्रम का नेतृत्व किया। उक्त स्वच्छता कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षक कैलाश सोनी, मां क्षिप्रा नदी बचाओ फांउडेशन के अध्यक्ष राजेश बराना प्रजापति, मिर्जा मुशाहिद बैग, नीलिमा शाह, अदिल पठान, अनुज जायसवाल, प्रदीप भाटी, रेखा सिंह, बाबूलाल पटेल, रितेश कौशल, जितेंद्र मालवीय, राजकुमार पटेल, बाबूलाल पटेल, संतोष वर्मा, नीरज कानूनगो, शिवानंद गंगराड़े, अरविंद जोशी, ऋषिकेश पंड्या, लोकेश सांवलिया, मनोहर पटेल सुनीता मालवीय, विजय विश्वकर्मा रजनीश मतवारे, यशवंत दयाल, सहायक सचिव संजय सोनगरा, एवं तीनों संकुल के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं एवं स्टॉफ तथा समस्त ग्रामीण जन. उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन यशवंत दयाल, सरपंच प्रतिनिधि ने एवं घनश्याम चौधरी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बड़े नालों की सफाई का कार्य प्रारंभ किया गया

विनय उजाला

देवास, निप्र। नगर पालिक निगम महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल के द्वारा वर्षा काल के पूर्व शहर के बड़े नालों की सफाई व्यापक रूप से करने के निर्देशों के पालन में नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा शहर के बड़े नालों की सफाई में जिला सत्र न्यायालय के पीछे से रेल्वे क्रॉसिंग तक पहुंचने वाले बड़े नाले का कार्य प्रारंभ किया। सफाई कार्य का निरीक्षण निगम उपायुक्त जाकिर जाफरी के द्वारा किया जाकर आवश्यक दिशा निर्देश मौके पर स्वच्छता निरीक्षकों को दिए गए।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त के द्वारा नाला सफाई में निकलने वाले मलवे को तत्काल परिवहन के माध्यम से उठाने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त जाकिर जाफरी ने आयुक्त द्वारा गत दिनों बैठक में दिये गये निर्देशों के पालन में निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले की बैठक ली गई तथा धार्मिक महत्व के स्थलों के क्षेत्रों में दिन में तीन से चार बार सफाई कराने के निर्देश निगम स्वास्थ्य अधिकारी को दिये गये।

बैठक में उपायुक्त जाकिर जाफरी ने निर्देश दिये कि समस्त स्वच्छता जमादार प्रतिदिन प्रातरूकालीन भ्रमण सुनिश्चित कर अपने अपने क्षेत्रों की मार्ग सफाई के साथ साथ नालियों की भी सफाई कराएं। साथ ही डोर टू डोर कचरा संग्रहण वाले वाहनों में गीला सूखा कचरा के पृथक्कीकरण पर विशेष ध्यान दें तथा शहर के जल जमाव वाले क्षेत्रों का चिन्हांकन कर तथा किसी भी स्थिति में जल जमाव नहीं होने पाये ऐसी कार्य योजना भी बनाए।

देवास में दो दिवसीय पंडित कुमार गंधर्व समारोह का हुआ शुभारंभ

समारोह के पहले दिन विख्यात संगीत कलाकार मंजरी आलेगांवकर राजेंद्र विश्वरूप, सुखदेव चतुर्वेदी द्वारा दी गई प्रस्तुति

विनय उजाला

देवास, निप्र। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग के लिए उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी भोपाल द्वारा जिला प्रशासन एवं नगर पालिक निगम देवास के सहयोग से पण्डित कुमार गंधर्व की स्मृति में मल्हार स्मृति मंदिर देवास में आयोजित दो दिवसीय पण्डित कुमार गंधर्व समारोह का शुभारंभ शनिवार को हुआ।समारोह के पहले दिन विख्यात संगीत कलाकार मंजरी आलेगांवकर पुणे द्वारा गायन, राजेन्द्र विश्वरूप ग्वालियर द्वारा सुरबहार, सुखदेव चतुर्वेदी मुम्बई द्वारा ध्रुपद गायन की प्रस्तुति दी गई। समारोह के शुभारंभ अवसर पर महापौर गीता अग्रवाल, दुर्गेश अग्रवाल, डिप्टी कलेक्टर संजीव सक्सेना,

अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी से पूजा शुक्ला, डॉ पुनीत शुक्ला, संस्कृति विभाग अधिकारी, पण्डित कुमार गन्धर्व की पुत्री कलापनी कोमकली एवं श्रोतागण उपस्थित थे। पंडित कुमार गंधर्व समारोह के दूसरे दिन मधुमिता नकवी भोपाल द्वारा गायन, सत्येन्द्र सिंह सोलंकी भोपाल द्वारा संतूर और रतन मोहन सिंह शर्मा मुंबई द्वारा गायन की प्रस्तुति दी जाएगी

महाराष्ट्र समाज देवास की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

विनय उजाला

देवास, निप्र। 10 मई को पूर्व प्रेषित सूचनानुसार महाराष्ट्र समाज देवास की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन समाज भवन में उत्साह और सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। समाज प्रवक्ता अतुल मद्धव ने बताया कि सभा में समाज कार्यकारिणी एवं न्यास के पदाधिकारी, वरिष्ठ सदस्य एवं बड़ी संख्या में समाजजनों की उपस्थिति रही। सभा की अध्यक्षता समाज के कार्याध्यक्ष उदय टाकलकर ने की, जबकि संचालन सचिव वृषाली आप्टे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में गत वर्ष की गतिविधियों, सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों का ब्यौरा सचिव द्वारा सभा के समक्ष प्रस्तुत किया गया। गतवर्ष के आय-व्यय का लेखा-जोखा क्रमशः न्यास प्रबंधक सदाशिव जोशी एवं कार्यकारिणी कोषाध्यक्ष निलिंद म्हाडगुत द्वारा सभा के समक्ष प्रस्तुत किया। आगामी वर्ष की योजनाओं एवं अनुमानित आय व्यय पर चर्चा की गई। समाज के सामुदायिक भवन के विकास कार्यों से संबंधित जानकारी न्यासी एवं निर्माण समिति अध्यक्ष मिलिंद वैद्य ने सभा में रखी।

सभी प्रस्तावों को सर्वसम्मति से स्वीकृति प्राप्त हुई। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभा अध्यक्ष उदय टाकलकर ने समाज की एकता, प्रगति और सेवा एवं यथा संभव पूर्वानुसार आर्थिक सहयोग प्रदान करने की अपील की। इस अवसर पर पहलगाम में हुए आतंकी हमले में दिवंगत एवं दिवंगत समाजजन को सामूहिक श्रद्धांजलि अर्पित की गई। रात्रि भोज के साथ सभा का समापन हुआ।

नेशनल लोक अदालत में 2903 प्रकरणों का निराकरण कर 7 करोड़ 62 लाख रुपए से अधिक के अवार्ड पारित

विनय उजाला

देवास, निप्र। नेशनल लोक अदालत में संपूर्ण जिले में गठित 39 न्यायिक खंडपीठों में न्यायालयों के लंबित प्रकरणों में आपराधिक प्रकरण 290, चैक बाउन्स 173, फैमेली मेटर्स 29, विद्युत 99, विविध 92, सिविल के 20, क्लेम के 27 प्रकरण, बैक के मामले कुल 730 प्रकरण निराकृत हुए जिसमें राशि रू. 6,37,67331/-लगभग के अवार्ड की गई एवं 1704 लोग लाभांवित हुए। निराकृत 27 क्लेम प्रकरणों में राशि रुपए 89,30,000./- के अवार्ड आपसी समझौते के आधार पर पारित किए गए। नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट के 173 प्रकरण निराकृत हुए जिनमें 41358114/- रुपए के चैकों की राशि में सेटलमेंट किया गया। 4827750/- रुपए की राशि के 20 सिविल प्रकरणों का निराकरण हुआ। 2173 प्रिलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया गया है जिसमें रूपये 12463968/-रू. राशि के अवार्ड पारित किए गए है एवं 2311 व्यक्ति लाभांवित हुए हैं।

इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश अजय प्रकाश मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि लोक अदालत में प्रकरण का निराकरण होने पर उभयपक्ष प्रसन्न रहते हैं तथा उनके घरों में खुशियों का संचार होता है। तथा अपील की गई कि अधिक से अधिक राजीनामा योग्य प्रकरण लोक अदालत के माध्यम से निराकृत करने का प्रयास करें। साथ ही खंडपीठ के पीठासीन न्यायिक अधिकारीगण को लोक अदालत में अधिक से अधिक से अधिक संख्या में प्रकरण के निराकरण हेतु प्रेरित किया गया।इस अवसर पर लोक अदालत प्रभारी सुमन श्रीवास्तव ने संबोधित करते हुए व्यक्त किया कि- लोक अदालत न्याय पाने का सबसे आसान एवं उत्तम माध्यम है। इसका लाभ उठाएं।

जिले की संपूर्ण राजस्व सीमा में ड्रोन, पैराग्लाइडर/हॉट बैलून अन्य फ्लाइंग आब्जेक्ट के उड़ाना प्रतिबंधित

विनय उजाला

देवास, निप्र। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 अंतर्गत देवास जिले की संपूर्ण राजस्व सीमा में ड्रोन, पैराग्लाईडर/हॉट बैलून अन्य फ्लाइंग आब्जेक्ट के उड़ने पर प्रतिबंध लगाकर रेड जोन/नो फ्लाइंग जोन घोषित किया है। आदेश में उल्लेख है कि शांति-कानून व्यवस्था तथा आमजन की सुरक्षा व सुविधा में संलग्न और शासकीय कर्तव्य पर उपस्थित एवं ड्यूटीरत पुलिसकर्मियों/ पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों एवं जन संपर्क विभाग के लिए इन्हें आवश्यक वैधानिक छूट प्राप्त होगी।

आवश्यक होने पर जिले में पदस्थ अनुविभागीय दण्डाधिकारीगण अपने-अपने क्षेत्र में संबंधित नगर पुलिस अधीक्षक/अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) से परामर्श कर आवश्यक प्रतिबंध/शर्तो पर किसी कार्यक्रम के लिए अनुमति प्रदान करने हेतु अधिकृत रहेंगे। उक्त आदेश का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध की श्रेणी में आता है, अपने अनुभाग क्षेत्र में संबंधित एसडीएम/ एसडीओ (पी) आदेश का पालन सुनिश्चित कराएंगे। यह आदेश 02 माह तक प्रभावशील रहेगा।

आबकारी विभाग ने बरोठा में कार्रवाई कर 08 प्रकरण दर्ज किए

कार्रवाई में जब्त मदिरा एवं वाहन का मूल्य लगभग 348000 रुपए

विनय उजाला

देवास, निप्र। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशानुसार जिले में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय एवं परिवहन करने पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में आबकारी विभाग के दल द्वारा ग्राम बरोठा में कार्रवाई की। सहायक आबकारी आयुक्त मंदाकिनी दीक्षित ने बताया कि आबकारी विभाग के दल द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय एवं परिवहन करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है।

इसी के तहत 10 मई को आबकारी की सयुंक्त टीम ने ग्राम बरोठा एवं आसपास के जंगल, नाले में सर्चिंग की गई। जिसमें 40 लीटर हाथ भट्टी मदिरा एवं 2800 किलो ग्राम महुआ लाहन तथा एक मोटर साइकिल जब्त की गई कुल 8 प्रकरण मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के तहत दर्ज किए गए है। जब्त मदिरा एवं वाहन का मूल्य लगभग 348000 हजार रुपए है। कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक प्रेम यादव, डीपी सिंह, विजय कुचेरिया, उमेश स्वर्णकार, कैलाश जामोद आबकारी मुख्य आरक्षक राजाराम रैकवार दीपक धुरिया आबकारी आरक्षक बालकृष्ण जायसवाल, नितिन सोनी, निकिता परमार, अरविंद जिनवाल, गोविंद, आशीष, सैनिक किशोर, अनिल चौहान, अनिल सम्मिलित रहे। इस प्रकार की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

जल गंगा संवर्धन अंतर्गत नदी पुनर्जीवन कार्यशाला सम्पन्न

विनय उजाला

सतना, निप्र। जल गंगा संवर्धन अभियान सतना के अंतर्गत मां मंदाकिनी नदी पुनर्जीवन जागरूकता अभियान का शुभारंभ एक दिवसीय कार्यशाला के माध्यम से किया गया।

इस अभियान का प्रथम चरण 11 मई से 18 मई तक आयोजित होगा। इसी क्रम में नदी पुनर्जीवन पर एक दिवसीय कार्यशाला कृषि विज्ञान केन्द्र मझगवां में आयोजित की गई। इस मौके पर कुलगुरु महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय भरत मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन, तकनीकी विशेषज्ञ प्रवीण पाठक, संभाग समन्वयक, जन अभियान परिषद, रीवा संभाग, डॉ. नवीन शर्मा, डॉ. अखिलेश जांगड़े, वरिष्ठ वैज्ञानिक, कृषि वैज्ञानिक केंद्र, मझगवां तथा जिला समन्वयक डॉ. राजेश तिवारी उपस्थित रहे। कार्यशाला का शुभारंभ मां भारती और भारतरत्न नानाजी देशमुख के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

एक दिवसीय कार्यशाला में वर्षा जल संचयन से मंदाकिनी नदी पुनर्जीवन विषय पर संबोधन करते हुए अभय महाजन द्वारा वैश्विक जल चुनौती और नदियों में उत्पन्न हो रहे जल संकट के प्रति चिंता जाहिर करते हुए कहा कि मंदाकिनी नदी जो अत्यंत प्राचीन और पौराणिक है।

मोहन टॉकीज चौराहा का नाम बदल कर भगवान परशुरामजी के नाम से करने की मांग

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारत माता की आरती धूमधाम से की

विनय उजाला

धार, निप्र। भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर धार नगर मैं स्थानीय मोहन टॉकीज चोराहे पर आजाद विचार मंच के संयोजक नीतीश राजपुरोहित रुद्र मुकाती द्वारा भारत माता की आरती का आयोजन किया गया इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध पर्यावरण विद सचिन दवे द्वारा सेना के साहस एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शिता की तारीफ करते हुए ऑपरेशन सिंदूर की विजय पर सभी भारतवासियों को बधाई दी उन्होंने बताया कि पाकिस्तान जो की आतंकिस्तान का केंद्र बन चुका है जिन लोगों के मन में आज भी पाकिस्तान के बारे में गलतफहमी हो वह सब इस युद्ध से दूर हो गई होगी

भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण समाजसेवी घनश्याम शर्मा द्वारा किया गया कार्यक्रम का संचालन भाजपा के नगर उपाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा द्वारा किया गया एवं आभार रूद्राक्ष मुकाति द्वारा माना गया इस अवसर पर भाजपा के नवागत नगर उपाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा एवं विजेंद्र ठाकुर का स्वागत भी किया गया तत्पश्चात पर्यावरण वित्त सचिन दवे द्वारा मांग की गई की मोहन टाकिज चोराहे का नाम परिवर्तित कर भगवान पशुराम जी के नाम से किया जाए इस अवसर पर नीतीश राजपुरोहित हर्ष शुक्ला राहुल सूजन कुणाल विरान हिमांशु मोरे मानस राठौड़ सैकड़ो की संख्या में सभी आजाद विचार मंच के कार्यकर्ता उपस्थित रहे

भारत ने जीती त्रिकोणीय सीरीज... स्नेह राणा और अमनजोत ने बरपाया कहर

स्मृति मंधाना के तूफान में उड़ी श्रीलंका की टीम

कोलंबो, एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने ट्राई सीरीज के फाइनल मुकाबले में श्रीलंका की टीम को 97 रन से हराकर खिताब जीत लिया है। इस सीरीज में श्रीलंका और भारत के अलावा साउथ अफ्रीका की भी टीम शामिल थी। फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया पहले बल्लेबाजी करते हुए बोर्ड पर 342 रन का बड़ा स्कोर लगाया। जवाब में श्रीलंका की पूरी टीम 245 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका के लिए कप्तान चमारी अटापट्टू ने सबसे ज्यादा 51 रन का योगदान दिया। नीलाक्षी डिसिल्वा ने 48 जबकि विष्मी गुणारत्ने ने 36 रन का योगदान दिया। भारत के लिए स्नेह राणा ने चार जबकि अमनजोत कौर ने तीन विकेट लिए।

मंधाना के शतक से टीम इंडिया ने बनाया बड़ा स्कोर

स्मृति मंधाना की आक्रामक शतकीय पारी से भारत ने महिला त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में रविवार को यहां पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद 7 विकेट पर 342 रन का बड़ा स्कोर कायम किया। उमस भरे मौसम में ऐंठन से जूझते हुए बाएं हाथ की इस कलात्मक बल्लेबाज ने 101 गेंदों पर 116 रन की शानदार पारी खेली। पिछले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अर्धशतक जड़कर लय में वापसी करने वाली भारतीय उपकप्तान ने फाइनल में अपनी पारी के दौरान 15 चौके और दो छक्के लगाए। उन्होंने इस दौरान श्रीलंका की कप्तान चमारी अट्टापट्टू के खिलाफ लगातार चार चौके जड़कर वनडे करियर का 11वां शतक पूरा किया। ओपनिंग बल्लेबाज प्रतिका रावल (30) के साथ 89 गेंद में 70 रन की साझेदारी टूटने के बाद मंधाना ने तेजी से रन बनना शुरू किया। उन्होंने शानदार स्वीप शॉट लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया।

हरलीन के साथ भी पार्टनरशिप

स्मृति मंधाना ने हरलीन देओल (56 गेंद में चार चौके की मदद से 47 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 106 गेंद में 120 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी को देवमी विहंगा ने मंधाना को आउट कर तोड़ा। मंधाना ने आउट होने से पहले बड़े स्कोर की नींव रख दी थी। कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स ने इसके बाद तेजी से रन जुटाये लेकिन दोनों अर्धशतक पूरा करने से चूक गई। हरमनप्रीत ने 30 गेंद की पारी में चार चौके और एक छक्का की मदद से 41 रन की पारी खेली जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 123 रन बनाने वाली जेमिमा ने 29 गेंद की ताबड़तोड़ पारी में चार चौके की मदद से 44 रन बनाए। दीप्ति शर्मा (14 गेंद में नाबाद 20) और अमनजोत कौर (12 गेंद में 18) ने आक्रमत रवैया जारी रखा जिससे भारत ने आखिरी 10 ओवर में 90 रन बटोर कर स्कोर को 340 रन के पार ले जाने में सफल रहा। श्रीलंका के लिए सुगंधिका कुमारी सबसे सफल गेंदबाज रही। उन्होंने 59 रन देकर दो विकेट लिए। विहंगा (69 रन पर दो विकेट) और मालकी मदारा (74 रन पर दो विकेट) को भी दो-दो सफलता मिली।

शमी भी टेस्ट क्रिकेट से ले सकते हैं संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी

रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद अब एक और खिलाड़ी के लिए संन्यास की बात निकल पड़ी है। ये कोई और नहीं बल्कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शमी पिछले कुछ समय से टीम इंडिया के प्रमुख तेज गेंदबाजों में से एक रहे हैं, लेकिन उनके लिए फिटनेस एक बड़ी समस्या बनकर सामने आई है। यही कारण है कि टेस्ट फॉर्मेट में शमी के भविष्य को लेकर बीसीसीआई जल्द ही कुछ बड़ा फैसला ले सकती है, जैसा की रोहित शर्मा के साथ हुआ है। बता दें कि टीम इंडिया इसी महीने इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए अपने स्क्वाड का ऐलान कर सकती है। रोहित शर्मा पहले से ही संन्यास ले चुके हैं। ऐसे में टीम को टेस्ट में नया कप्तान मिलना तय है। वहीं ऐसे में यह साफ हो गया है कि भारतीय टीम कम से कम टेस्ट फॉर्मेट में अब बदलाव की तरफ बढ़ चुकी है। विराट कोहली को लेकर स्थिति अभी पूरी तरह से साफ नहीं हो पाई।

16 से फिर शुरू हो सकते हैं आईपीएल मैच

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2025 एक बार फिर से शुरू होने वाला है। मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आया है कि आईपीएल को 16 मई तक शुरू किया जा सकता है। फाइनल मैच 30 मई या 1 जून को होने की उम्मीद है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया कि बाकी मैच अलग-अलग जगहों पर खेले जाएंगे।

टूर्नामेंट की शुरुआत लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मैच से होगी। टीमों ने अपने खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को वापस बुलाना शुरू कर दिया है। लखनऊ का एकाना स्टेडियम मैच के लिए तैयार हो रहा है। लखनऊ की टीम 13 मई तक इकट्ठा हो जाएगी। हैदराबाद में क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर होने की संभावना है। कोलकाता में क्वालिफायर 2 और फाइनल हो सकता है। अगर मौसम खराब रहा, तो फाइनल को अहमदाबाद में शिफ्ट किया जा सकता है। बीसीसीआई जल्द ही नया शेड्यूल जारी करेगा। पहले, 9 मई को, बीसीसीआई ने आईपीएल को एक हफ्ते के लिए टाल दिया था। यह फैसला भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के कारण लिया गया था।

भारतीय टीमें विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई करने से चुकीं

ग्वांगझू, एजेंसी। भारतीय पुरूष और मिश्रित चार गुणा 400 मीटर टीमें टोक्यो विश्व चैम्पियनशिप के लिए सीधे क्वालिफाई करने से चूक गईं और शनिवार को विश्व एथलेटिक्स रिले के पहले दिन पांचवें स्थान पर रहीं। दोनों टीमों को 13 से 21 सितंबर तक होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में जगह बनाने का एक और मौका रविवार को मिलेगा। भारत की चार गुणा 400 मीटर मिश्रित टीम (जय कुमार, स्नेहा कोल्लेरी, धरमवीर चौधरी और रूपल चौधरी) ने मिनट 16 .85 सेकंड का समय निकालकर सात टीमों की तीसरी हीट में पांचवें स्थान पर रहे। हर हीट से शीर्ष दो टीमें और बाकी में से सबसे तेज समय निकालने वाली दो टीमें विश्व चैंपियनशिप और विश्व एथलेटिक्स रिले फाइनल के लिए क्वालिफाई करने में कामयाब रहीं। भारत को टोक्यो विश्व चैम्पियनशिप में जगह बनाने का एक और मौका रविवार को मिलेगा। भारतीय चौकड़ी चौथी हीट में बोत्स्वाना, इटली, जर्मनी, युगांडा और कनाडा का सामना करेगी। रविवार को दोनों हीट की शीर्ष तीन टीमें विश्व चैम्पियनशिप में पहुंचेंगी। भारत ने पुरूषों की चार गुणा 400 मीटर में नयी टीम उतारी है जिसमें 2023 विश्व चैम्पियनशिप और 2024 ओलंपिक खेलने वाले एथलीट नहीं हैं। जय कुमार, संतोष कुमार, तमिलारासन , टी साजी मनु, टी के विशाल और मोहित कुमार छह टीमों में पांचवें स्थान पर रहे जिन्होंने दो मिनट 59 .05 सेकंड का समय निकाला। इन्हें भी रविवार को एक और मौका मिलेगा।

बिना अनुमति विदेश में ट्रेनिंग करने वाले एथलीट्स पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने शनिवार को घोषणा की कि वह उन खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करेगा जो बिना लिखित अनुमति के विदेश में ट्रेनिंग करते हैं और प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लेते हैं। एएफआई के अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू ने कहा कि ऐसे खिलाड़ियों का प्रदर्शन रिकॉर्ड बुक के लिए भी अमान्य माना जाएगा। उन्होंने कहा कि एएफआई इस महीने से कार्रवाई शुरू कर देगा।

सागू ने कहा,विदेशी सरजमीं पर प्रतिस्पर्धा और ट्रेनिंग के लिए देश में ट्रैक एंव फील्ड की राष्ट्रीय संचालन संस्था से पहले से अनुमति नहीं लेने वाले व्यक्तिगत खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, अगर एथलीट अंतरराष्ट्रीय 'एक्सपोजर' (ट्रेनिंग और अभ्यास) के लिए एएफआई की मंजूरी नहीं लेते हैं जो कि अनिवार्य है तो उनका प्रदर्शन रिकॉर्ड बुक के लिए अमान्य हो जाएगा। एथलीटों के हितों की रक्षा के लिए एएफआई ने विदेश में ट्रेनिंग और प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देने के लिए एक विशिष्ट समय अवधि निर्धारित की है। एएफआई ने कहा कि खिलाड़ियों के अनुमति लिए बिना विदेश जाने से मुख्य प्रतियोगिता जैसे ओलंपिक और एशियाई खेलों में राष्ट्रीय टीमों को उतारने की रणनीति प्रभावित होती है। सागू ने कहा, एएफआई को विदेश में प्रतिस्पर्धा करने वाले व्यक्तिगत एथलीटों की संख्या और अंतरराष्ट्रीय 'एक्सपोजर' के उद्देश्य के बारे में पता होना चाहिए। उन्होंने कहा, खिलाड़ियों को भविष्य में विदेशी धरती पर किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रविष्टियां भेजने से पहले एएफआई कार्यालय से पूर्व लिखित अनुमति लेनी चाहिए। एएफआई का यह फैसला मार्च में कोर समिति की बर्चुअल बैठक के बाद आया है जो खिलाड़ियों की ट्रेनिंग सहित अंतरराष्ट्रीय 'एक्सपोजर' के बारे में नीति बनाने के लिए की गई थी।

व्यापार

भारतीय उद्योग परिसंघ ने किया दावा

वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष संजीव पुरी के अनुसार भारत की जीडीपी चालू वित्त वर्ष में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। उन्होंने कहा है कि देश की अर्थव्यवस्था भू-राजनीतिक मुद्दों के अल्पकालिक प्रभाव से पार पाने के लिए पर्याप्त लचीली है।

एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि देश को बढ़ती व्यापार बाधाओं की पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करने चाहिए। ऊर्जा, परिवहन, धातु, रसायन और आतिथ्य जैसे विभिन्न क्षेत्रों में निजी निवेश में वृद्धि को रेखांकित करते हुए पुरी ने कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण निवेश में कुछ सतर्कता आ सकती है।

भारत के लिए आर्थिक वृद्धि अनुमान पर उन्होंने कहा, हम 6.5 प्रतिशत की दर की उम्मीद कर रहे हैं। हमारा मानना है कि यह संख्या मौलिक रूप से हासिल की जा सकती है, क्योंकि तथ्य यह है कि हम एक उचित आधार, मजबूत आर्थिक बुनियाद के साथ शुरुआत कर रहे हैं। कारणों को विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा, हाल के दिनों में ब्याज दरों में कमी आई है। मुद्रास्फीति नरम होती जा रही है। पहली अप्रैल से व्यक्तिगत आयकर में छूट मिल रही है। पिछले साल के उत्तरार्ध में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में निवेश बढ़ा है।

व्यापार में अधिक बाधाएं आ रही

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कई प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं पर प्रस्तावित उच्च टैरिफ और वैश्विक स्तर पर बढ़ते संरक्षणवाद की प्रवृत्ति पर, पुरी ने स्वीकार किया कि इस समय व्यापार में अधिक से अधिक बाधाएं आ रही हैं, उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को द्विपक्षीय व्यापार समझौते करने चाहिए जो पारस्परिक रूप से लाभकारी और राष्ट्रीय हित में हों। इसलिए, भारत जिन देशों के साथ व्यापार करना चाहता है, उनमें अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे बड़े देश महत्वपूर्ण हैं। हमें राष्ट्रीय हित के नजरिए से जो कुछ भी करना है, वह करना चाहिए और मुझे लगता है कि ये द्विपक्षीय व्यापार समझौते सबसे महत्वपूर्ण हैं।

त्रि-स्तरीय टैरिफ संरचना के निर्माण की सिफारिश

संजीव पुरी ने प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए कुछ क्षेत्रों के लिए त्रि-स्तरीय टैरिफ संरचना के निर्माण की भी सिफारिश की। सीआईआई अध्यक्ष ने विकास और प्रतिस्पर्धा के घरेलू चालकों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि कृषि, जलवायु परिवर्तन और अनुकूलन पर बहुत काम किया जाना बाकी है। पुरी ने कहा, विकास और प्रतिस्पर्धा के ये घरेलू चालक ऐसे हैं जिन पर हमें वास्तव में कड़ी मेहनत करनी चाहिए ताकि ये कुछ अनिश्चितताओं को दूर कर सकें। मुझे लगता है कि ब्याज दरों में और कमी की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण मांग बढ़ रही है, जबकि शहरी मांग थोड़ी स्थिर रही है, हालांकि कुछ तिमाहियों में इसमें भी वृद्धि शुरू हो जाएगी।

विदेशी निवेशकों ने खरीदे 14,167 करोड़ के शेयर

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार के प्रति विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भरोसा कायम है और इस महीने अबतक उन्होंने 14,167 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। अनुकूल वैश्विक रुख तथा मजबूत घरेलू बुनियाद के बीच एफपीआई स्थानीय शेयर बाजार में निवेश कर रहे हैं। खास बात यह है कि भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव के बावजूद एफपीआई भारतीय बाजार में निवेश कर रहे हैं।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 4,223 करोड़ रुपये डाले थे। यह तीन माह बाद उनका पहला निवेश था। इससे पहले, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च में शेयरों से 3,973 करोड़ रुपये, फरवरी में 34,574 करोड़ रुपये और जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये निकाले थे। जानकारों का मानना है कि आगे बढ़ते हुए वृहद वैश्विक कारकों (डॉलर में गिरावट, अमेरिका और चीनी अर्थव्यवस्था में सुस्ती) और घरेलू मोर्चे पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की ऊंची वृद्धि दर, घटती मुद्रास्फीति और ब्याज दरों में कमी की वजह से एफपीआई का भारतीय बाजार के प्रति आकर्षण बना रहेगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि बॉन्ड या ऋण प्रवाह बहुत कम रहने की संभावना है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने (नौ मई तक) अबतक शेयरों में शुद्ध रूप से 14,167 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस तरह चालू साल में अब एफपीआई की निकासी घटकर 98,184 करोड़ रुपये रह गई है। भारतीय शेयर बाजार में एफपीआई की गतिविधियों में अप्रैल में सुधार हुआ है। माना जा रहा है कि मई में भी यह रुख जारी रहेगा। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि अनुकूल वैश्विक रुख और मजबूत घरेलू बुनियाद से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है।

आरबीआई ने एसबीआई पर लगाया 1.72 करोड़ रुपए का जुर्माना

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) पर 1.72 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना आरबीआई के कुछ निर्देशों का ठीक से पालन नहीं करने पर लगाया है। यह जुर्माना बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949 के तहत लगाया है।

आरबीआई के बयान के अनुसार एसबीआई से आरबीआई के ऋण और अग्रिम वैधानिक व अन्य प्रतिबंध ग्राहक संरक्षण अनधिकृत, इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेनदेन में ग्राहकों की देयता को सीमित करना और बैंकों की तरफ से चालू खाते खोलना अनुशासन की आवश्यकता पर जारी किए गए कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने पर जुर्माना लगाया है।

दरअसल, आरबीआई ने 31 मार्च 2023 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के बारे में पर्यवेक्षी मूल्यांकन वैधानिक निरीक्षण (आईएसई 2023) किया। इस दौरान पता चला कि एसबीआई आरबीआई के निर्देशों के पालन नहीं कर रही है। इसके बाद से एसबीआई को एक नोटिस जारी कर कारण बताने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही यह भी कहा गया है कि निर्देशों का पालन नहीं करने पर आरबीआई आप पर क्यों जुर्माना न लगाए। इसके बाद एसबीआई ने आरबीआई के नोटिस का जवाब दिया फिर व्यक्तिगत सुनवाई के बाद से आरबीआई ने एसबीआई पर जुर्माना लगाया है।

एआई अपनाने से आईटी क्षेत्र की भर्तियों में 16 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। आईटी क्षेत्र में अप्रैल में भर्तियां सालाना आधार पर 16 फीसदी बढ़ी हैं। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को अपनाने, क्लाउड आधुनिकीकरण और वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) के निरंतर विस्तार जैसे कारकों से प्रेरित है। द फाउंडइट इनसाइट्स ट्रैकर (फिट) की रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले महीने भारत में आईटी नियुक्तियों में वृद्धि हुई है, जो पिछले वर्षों के उतार-चढ़ाव से तेज वापसी को दर्शाता है। रिपोर्ट के अनुसार, जीसीसी ने इस भर्ती वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने 2024-25 में 1,10,000 से अधिक नई तकनीकी नौकरियों का योगदान दिया है।

दावा निपटारे के लिए डेढ़ अरब डॉलर का भुगतान करेगी गूगल

वॉशिंगटन, एजेंसी

दिग्गज टेक कंपनी गूगल, अमेरिकी राज्य टेक्सास को 1.4 अरब डॉलर का भुगतान करेगी। यह भुगतान दावे के निपटारे के लिए किया जाएगा। दरअसल टेक्सास ने गूगल के खिलाफ यूजर्स की मंजूरी के बिना उनका डेटा इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया था। टेक्सास के स्टेट अटॉर्नी जनरल ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अटॉर्नी जरनल केन पैक्सटन ने बताया कि यह समझौता टेक कंपनियों के लिए एक संदेश है कि हम हमारे अधिकारों और आजादी को बेचकर उन्हें पैसे नहीं कमाने देंगे। पैक्सटन ने कहा कि टेक्सास में, बड़ी तकनीकी कंपनियां कानून से ऊपर नहीं हैं। वर्षों तक गूगल ने लोगों की गतिविधियों, निजी सर्च और यहां तक कि उनके वॉइस प्रिंट्स और फेसियल ज्योमेट्री को भी अपने उत्पादों और सेवाओं के लिए इस्तेमाल किया। यह समझौता टेक्सास द्वारा गूगल के खिलाफ किए गए जियो-लोकेशन, गुप्त सर्च और बायोमीट्रिक डेटा से संबंधित कई दावों का निपटारा करता है। गूगल के प्रवक्ता जोस कास्टानेडा ने कहा कि यह समझौता पुराने दावों की एक श्रृंखला का निपटारा है, जिनमें से कुछ उत्पाद नीतियों से संबंधित हैं जिन्हें कंपनी पहले ही बदल चुकी है।

टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन में अजॉय चावला बनेंगे नए मैनेजिंग डायरेक्टर

नई दिल्ली, एजेंसी

टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन में एक बड़ा बदलाव होने वाला है। अजॉय चावला अगले साल 1 जनवरी से कंपनी के नए मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) बनेंगे। वर्तमान एमडी सीके वेंकटरमन 31 दिसंबर को रिटायर हो जाएंगे। टाटा ग्रुप के नियमों के अनुसार, वे अपनी उम्र पूरी होने पर रिटायर हो रहे हैं। अजॉय चावला साल 2019 में टाइटन के ज्वेलरी विभाग के सीईओ बने थे। उनके नेतृत्व में ज्वेलरी के कारोबार में बहुत तरक्की हुई। ज्वेलरी की बिक्री और मुनाफा 2.5 गुना बढ़ गया। साथ ही, टाइटन ज्वेलरी मार्केट में सबसे आगे रहा। अजॉय चावला को एमडी बनाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी जरूरी है। कंपनी जल्द ही उन्हें बोर्ड में शामिल करने और एमडी बनाने की प्रक्रिया पूरी करेगी। ज्वेलरी विभाग के लिए नए सीईओ की खोज बाद में की जाएगी। वेंकटरमन ने कहा, टाइटन टीम की ओर से मैं अजॉय का स्वागत करता हूं। वे टाइटन को आगे बढ़ाएंगे। अजॉय ग्राहकों को समझते हैं, लोगों के साथ मिलकर काम करते हैं और वैल्यू बनाने पर ध्यान देते हैं।

संक्षिप्त समाचार

आसमान में सोमवार को वैशाख पूर्णिमा पर कम चमक के साथ दिखेगा माइक्रो फ्लावर मून

भोपाल, निप्र। खगोल विज्ञान में रुचि रखने वाले लोगों के लिए सोमवार, 12 मई को वैशाख पूर्णिमा (बुद्ध पूर्णिमा) के दिन एक खास खगोलीय घटना हो जा रहे है। इस दिन आम पूर्णिमा की तुलना में बुद्ध पूर्णिमा का चंद्रमा न केवल छोटा महसूस होगा, बल्कि इसकी चमक भी अपेक्षाकृत कमजोर होगी। इस दौरान चंद्रमा सूर्यास्त के बाद शाम को पूर्व दिशा में उदित होता दिखेगा और रातभर आकाश में रहकर सुबह सवेरे पश्चिम दिशा में अस्त होगा। नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने रविवार को इस खगोलीय घटना के बारे में बताया कि सोमवार की रात्रि चंद्रमा की पृथ्वी से दूरी लगभग चार लाख छह हजार किलोमीटर होगी। पृथ्वी से चंद्रमा की दूरी अधिक दूर होने के कारण वह न केवल अपेक्षाकृत छोटा महसूस होगा, बल्कि चमक भी कम महसूस होगी। खगोल विज्ञान में इसे माइक्रोमून का नाम दिया गया है, जबकि सुपरमून पूर्णिमा के समय यह दूरी लगभग तीन लाख 60 हजार किलोमीटर रहती है। सारिका ने बताया कि इसे माइक्रो फ्लावर मून नाम इसलिए दिया गया है, क्योंकि पश्चिमी देशों में मई में कई जंगली फूल खिलते हैं। संभवत: रंग-बिरंगे फूलों ने वहां के निवासियों ने चंद्रमा का यह नामकरण किया है। भारत में माह का नामकरण पूर्णिमा पर चंद्रमा के आसपास स्थित नक्षत्र के नाम पर किया जाता रहा है। चूंकि पूर्णिमा पर चंद्रमा विशाखा नक्षत्र में होगा, इसलिए इस महीने का नाम वैशाख तथा पूर्णिमा को वैशाखी पूर्णिमा नाम दिया गया है। क्या होता है माइक्रोमून - सारिका ने बताया कि चंद्रमा पृथ्वी की परिक्रमा एक अण्डाकार पथ पर करता है। चंद्रमा की कक्षा में पृथ्वी के सबसे निकट स्थित बिंदु को पेरिगी कहा जाता है, जबकि पृथ्वी से सबसे दूर स्थित बिंदु को अपोजी कहा जाता है। जब पूर्णिमा अपोजी के आसपास होती है, तो उसे माइक्रोमून, मिनीमून या अपोजी मून कहा जाता है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने भगवान विष्णु के चौथे अवतार भगवान नृसिंह के प्राकट्य दिवस पर दी शुभकामनाएं

भोपाल, निप्र। नृसिंह जयंती हर साल वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को मनाया जाता है। नृसिंह भगवान विष्णु के अवतार हैं। नृसिंह भगवान ने दैत्य राज हिरण्यकशिपु का वध किया था। इसी तिथी पर विष्णु भगवान नृसिंह रूप में प्रकट हुए थे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने भगवान नृसिंह के प्राकट्य दिवस पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने शुभकामना संदेश में लिखा ऊँ उग्रं वीरं महाविष्णुं ज्वलन्तं सर्वतोमुखम्। नृसिंहं भीषणं भद्रं मृत्यु मृत्युं नमाम्यहम्॥ भगवान विष्णु के चौथे अवतार भगवान नृसिंह जी के प्राकट्य दिवस नृसिंह चतुर्दशी की हार्दिक मंगलकामनाएं। भगवान नृसिंह की अपार कृपा से सभी के जीवन में सुख एवं समृद्धि का वास हो; यही करबद्ध प्रार्थना करता हूं।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सिख धर्म के तीसरे गुरु अमरदास के प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दी

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सिखों के गुरु अमरदास के प्रकाश पर्व पर आज रविवार को देशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि गुरु अमरदास के आदर्श और सिद्धांत सदैव मानव समाज के लिए प्रेरणा स्रोत रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा सिख धर्म के तीसरे गुरु, परम श्रद्धेय गुरु अमरदास जी के प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। सामंतवाद, जाति-प्रथा, ऊंच-नीच, सती प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों से मुक्ति का मार्ग दिखाकर आपने लोक कल्याण का अद्भुत संदेश दिया। आपके चरणों में शत्-शत् प्रणाम करता हूं।

इंदौर में स्वामी विवेकानंद जी की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा होगी स्थापित, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया भूमिपूजन

स्वामी विवेकानंदजी का संपूर्ण जीवन त्याग, सेवा और आत्मबोध का प्रतीक: मुख्यमंत्री

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज रविवार को आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में इंदौर के सिरपुर स्थित देवी अहिल्या सरोवर उद्यान में स्वामी विवेकानंद जी की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा स्थापना के लिए भूमिपूजन किया। महापुरुषों के जीवन दर्शन को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के उद्देश्य से यह एक ऐतिहासिक पहल की जा रही है। यह भव्य प्रतिमा स्वामी जी की शिक्षाओं और दर्शन को जन-जन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बनेगी।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत में संत परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है और उनमें से स्वामी विवेकानंद एक अद्वितीय एवं विलक्षण संत थे। उन्होंने निराकार ईश्वर के उपासक के रूप में मानवता की सेवा को अपने जीवन का उद्देश्य बनाया। स्वामी विवेकानंदजी का मानना था कि मैं देखूंगा तो ही मानूंगा, जो उनके तर्कशील और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंदजी ने शरीर के माध्यम से जीवन सेवा का मंत्र दिया और आत्मनिर्भरता का आशीर्वाद प्राप्त कर मृत्यु पर विजय प्राप्त की। उन्होंने दुर्बलता और हीनता को जीवन का हिस्सा मानने से इनकार करते हुए इसे मृत्यु के समान बताया। उनका विश्वास था कि साहस, सामर्थ्य और आत्मबल के सहारे व्यक्ति सभी कमजोरियों को पार कर सकता है। डॉ. यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंदजी का संपूर्ण जीवन त्याग, सेवा और आत्मबोध का प्रतीक था। शिकागो धर्म संसद में दिया गया उनका ऐतिहासिक भाषण 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना का जीवंत उदाहरण है, जिसने विश्व पटल पर भारत की संस्कृति और अध्यात्म की गूंज पहुंचाई। उन्होंने जीवन को अंदर से बाहर की ओर विकसित करने का मंत्र दिया और कर्म को ही साधना बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आह्वान किया कि स्वामी विवेकानंदजी के सिद्धांत और विचार आज भी अत्यंत प्रासंगिक हैं। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलकर उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए, ताकि समाज का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। यह मूर्ति स्थापना इस दिशा में एक बड़ा प्रयास है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा स्थापित करने के साथ ही यहां पर लाइब्रेरी की भी स्थापना की जाए जिसमें विवेकानंद जी से संबंधित साहित्य हो। इससे युवाओं को जीवन में सफलता का मार्गदर्शन मिलेगा और जीने की नई राह मिलेगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर श्रीपुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि यह प्रतिमा न केवल युवाओं को स्वामी विवेकानंद जी के विचारों से अवगत कराएगी, बल्कि उन्हें उनके बताए मार्ग पर चलने के लिए भी प्रेरित करेगी। स्वामी जी के आदर्श आज के युवाओं के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं और यह स्मारक उनके विचारों को स्थायी रूप देगा।

प्रतिमा की विशेषताएँ

ऊंचाई: स्वयं प्रतिमा की ऊंचाई 39.6 फीट, संरचनात्मक आधार सहित कुल ऊंचाई लगभग 52 फीट

वजन: लगभग 14 टन

निर्माण सामग्री: विभिन्न धातुओं का मिश्रण — जलवायु प्रतिरोधी और दीर्घकालिक स्थायित्व के लिए उपयुक्त

विशेष मान्यता: वर्तमान में विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा (35 फीट) कर्नाटक के उडुपी में स्थित है — इंदौर की प्रतिमा इसे पीछे छोड़ देगी

निर्माण और विकास कार्य

इस प्रतिमा का निर्माण देश के ख्यातिप्राप्त मूर्तिकार श्री नरेश कुमावत द्वारा किया जाएगा, जिन्होंने देशभर में कई प्रतिष्ठित मूर्तियाँ निर्मित की हैं। प्रतिमा स्थल पर स्वामी विवेकानंद जी के जीवन और विचारों पर आधारित एक विशेष गैलरी भी स्थापित की जाएगी, जहाँ चित्रों, दस्तावेजों और डिजिटल माध्यमों से युवाओं को प्रेरित किया जाएगा। यह स्थान इंदौर के लिए एक नई पहचान, सांस्कृतिक गौरव और पर्यटन विकास का केंद्र बनेगा।

यह नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का भारत और डॉ मोहन यादव के नेतृत्व का मप है : प्रह्लाद पटेल

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री, पहली बार पहुंचा कोई मंत्री

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र दक्षिण बैहर के बिरसा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत चौरिया में पहली बार मंत्री के रूप में प्रहलाद पटेल पहुंचे। उन्होंने गंगा संवर्द्धन अभियान के तहत देवनदी के उद्गम स्थल का पूजन किया। यह बैहर क्षेत्र का अंतिम गांव है, जिसके बाद लांजी विधानसभा क्षेत्र प्रारंभ हो जाता है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र में पहली बार किसी मंत्री के पहुंचने पर मंत्री प्रहलाद बोले कि, यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व का भारत, मोहनजी के नेतृत्व का मध्यप्रदेश है. जनप्रतिनिधि कोई भी हो, उसे अंतिम स्थान तक जाना चाहिए। हम पंडित दीनदयाल उपाध्याय के मानने वाले है, दरिद्र नारायण की सेवा ही सच्ची सेवा है। जो पंक्ति में सबसे पीछे खड़ा है, उसको बराबर में खड़ा करना, जब जाओगे नहीं तो वह बराबर में कैसे खड़ा होगा। मैं सौभाग्यशाली हूं कि मंत्री के रूप में यहां में पहली बार आया हूं। देवनदी की कृपा और जनजातियों का भाव होगा, तभी मैं यहां आया।

मंत्री ने नहीं करवाया अपना स्वागत

गंगा संवर्धन अभियान के तहत मंचीय कार्यक्रम में खास बात यह रही कि मंत्री प्रहलाद पटेल और सांसद भारती ने स्वयं का स्वागत ना कराकर, ग्राम के जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ नागरिकों का स्वयं पुष्पमाला और पुष्पगुच्छ से सम्मान किया। इस दौरान पूर्व विधायक भगत नेताम, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा लिल्हारे, भाजपा उपाध्यक्ष आनंद कोछड़, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

41 दिनों में ही तय लक्ष्य से ज्यादा अमृत सरोवरों को बनाने का काम शुरू

प्रदेश में निर्मित हो रहे है 1012 अमृत सरोवर

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में जल गंगा संवर्धन महाअभियान चलाया जा रहा है। इस महाअभियान की शुरुआत मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से की थी।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल प्रदेश में जलसंरचनाओं के संरक्षण के लिए प्रदेश में नदियों के उदगम स्थलों का दौरा कर रहे हैं। अभियान तीव्र गति से अपने लक्ष्यों को पूर्ण करने की ओर बढ़ रहा है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) के तहत प्रदेश में 1 हजार अमृत सरोवरों के निर्माण का लक्ष्य रखा था। अभियान के 41 दिवस में ही निर्धारित लक्ष्य से अधिक प्रदेश में 1012 अमृत सरोवरों को बनाने का काम भी शुरू कर दिया गया है।

अभियान में कूप रिचार्ज पिट, बावड़ी, खेत-तालाब, अमृत सरोवर, बोरी बंधान, चेकडैम सहित अन्य कार्य कराए जा रहे हैं। इसके साथ पुराने जल स्त्रोतों की सफाई, नदियों की जल धाराओं को जीवित के लिए गेबियन संरचना, कंटूर ट्रेंच जैसे जल संरक्षण संरचनाओं का कार्य किया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान का मुख्य उद्देश्य बारिश के पानी सहेजना और पुराने जल स्त्रोतों को संवारना है। प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे महाअभियान में प्रदेश में भू-जल स्तर पर सुधार आएगा। कुओं, नलकूपों का जलस्तर बढ़ेगा। इसके साथ ही किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी भी उपलब्ध होगा।

अमृत सरोवरों से बढ़ेगा भू-जल स्तर

प्रदेश में बड़ी संख्या में अमृत सरोवर बन जाने से प्रदेश का भू-जल स्तर बढ़ेगा। इससे जल संकट की समस्या से निजात मिलेगी। गर्मियों में कुओं, हैंडपंपों और ट्यूबवेलों का जलस्तर कम नहीं होगा। साथ ही, ग्रामीण आजीविका के साधन भी बढ़ेंगे। सिंचाई के साथ मछली पालन और सिंघाड़े की खेती सहित अन्य गतिविधियों में सरोवरों का पानी इस्तेमाल किया जा सकेगा।

मध्य प्रदेश के कई जिलों में आज आंधी, बारिश और गरज-चमक का अलर्ट, चलेंगी तेज हवाएं

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मध्य प्रदेश में लगातार आंधी और बारिश का दौर जारी है। पिछले 24 घंटे में कई जिलों में मौसम बदला रहा। शनिवार को ग्वालियर, मंडला समेत कई जिलों में बारिश हुई। आज रविवार को भी कई जिलों में आंधी, बारिश और गरज-चमक का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग की मानें 13 मई तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा।

मौसम विभाग ने बताया कि वर्तमान में कुछ सिस्टम एक्टिव है। इस वजह से प्रदेश में मौसम बदला है। 14 मई तक हल्की बारिश गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी। इसके बाद गर्मी का असर बढ़ सकता है। ऐसा ही मौसम रविवार को भी बना रहेगा। मौसम विभाग ने पूरे प्रदेश में आंधी, बारिश और गरज-चमक का अलर्ट जारी किया है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम, रीवा, शहडोल, ग्वालियर, चंबल, जबलपुर और सागर संभाग के सभी जिलों में गरज-चमक, आंधी और बारिश का दौर रह सकता है। वहीं, हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रहने की संभावना है।

इससे पहले शनिवार को कई जिलों में मौसम बदला रहा। ग्वालियर में शाम को रिमझिम बारिश हुई। जबकि मंडला में दोपहर 3 बजे के करीब तेज बारिश हुई। जिससे लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली। भोपाल में दिनभर बादल छाए रहे। वहीं, इंदौर-उज्जैन समेत कई जिलों में भी ऐसा ही मौसम रहा। कुछ दिन की राहत के बाद दिन का तापमान फिर से 40 डिग्री पर आ गया। खजुराहो और दमोह सबसे गर्म रहे। बड़े शहरों में ग्वालियर में पारा 39.1 डिग्री पर पहुंच गया। भोपाल में 37.2 डिग्री, इंदौर में 35.5 डिग्री, उज्जैन में 36.5 डिग्री और जबलपुर में 37.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रीवा, सागर, सतना, उमरिया, सीधी, खंडवा और मंडला में तापमान 39 डिग्री के पार रहा। इकलौता हिल स्टेशन पचमढ़ी में तापमान सबसे कम 30.2 डिग्री दर्ज किया गया। रायसेन में यह 34 डिग्री रहा।

सीमा पर तैनात जवानों के परिजनों से मिले मंत्री गौतम टेटवाल

जवानों के माता - पिता को नमन कर आभार माना

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने सारंगपुर विधानसभा के ग्राम खासपुरा पहुंचकर राजस्थान के जैसलमेर में तैनात सेना के दो वीर जवानों श्री धर्मेन्द्र सिंह सोलंकी और श्री विजेन्द्र सिंह सोलंकी के परिजन से मुलाकात की। मंत्री श्री टेटवाल ने जवानों के परिजन का पगड़ी पहनाकर सम्मान किया और उन्हें नमन करते हुए उनके बेटों की वीरता और समर्पण से देश सेवा के लिए आभार व्यक्त किया। मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि उनके सम्मान का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने माता-पिता से कहा कि आपके दो बेटे सीमा पर देश की सेवा कर रहे हैं और तीसरा बेटा मैं हूं, जो प्रदेश में सेवा करते हुए हर सैनिक परिवार के लिए हमेशा उपस्थित हूँ। उन्होंने कहा कि हमारी भारतीय सेना ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि भारत शांति में विश्वास करता है, लेकिन किसी भी आक्रामकता का उत्तर देने में सक्षम है। हमारे जवानों ने अपने अदम्य साहस और पराक्रम से यह साबित किया है कि वे न केवल सीमा की रक्षा करते हैं, बल्कि देश की अस्मिता और सम्मान की भी रक्षा करते हैं।

मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि सैनिकों के परिजन के प्रति हमारा कर्तव्य केवल सम्मान करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि कृतज्ञता और सेवा का भी है। उन्होंने सारंगपुर क्षेत्र की वीरभूमि को नमन करते हुए कहा कि यहां की माटी ने ऐसे सपूत दिए हैं, जिन पर न केवल प्रदेश को, बल्कि पूरे देश को गर्व है। मंत्री श्री टेटवाल ने यह भी कहा कि सैनिकों का सम्मान केवल समारोहों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उनके परिवारों को यह विश्वास दिलाना भी जरूरी है कि सरकार और समाज हर परिस्थिति में उनके साथ है।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता स्व. नरेंद्र सलूजा की पुण्य स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का किया गया आयोजन

नरेंद्र सलूजा का असामयिक चले जाना भाजपा संगठन के लिए अपूरणीय क्षति : विष्णुदत्त शर्मा

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता स्व. नरेंद्र सलूजा की पुण्य स्मृति में भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद सहित वरिष्ठ नेता एवं पत्रकारगणों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि सभा को संबोधित किया। श्रद्धांजलि सभा में स्व. नरेन्द्र सलूजा की धर्मपत्नी रिम्पी सलूजा, पुत्र मीत सलूजा एवं पुत्री आश्वी सलूजा सहित उनके परिजनों ने श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि स्व. सलूजा ने बहुत जल्द भारतीय जनता पार्टी की संगठन पद्धति को आत्मसात कर पार्टी के लिए प्रभावी भूमिका निभाई। उन्होंने अपनी योग्यता से दुनिया के सबसे बड़े राजनैतिक दल भाजपा में बहुत कम समय में अपनी जगह बना ली थी। उन्होंने कर्मठता और ईमानदारी के साथ दायित्व का निर्वहन किया। उन्होंने कहा कि पत्रकार खोजी होता है, लेकिन स्व. नरेंद्र सलूजा की जानकारी पूर्ण होती थी, इसलिए उनकी सूचना सदैव सटीक होती थी। विपक्ष को किस मुद्दे पर घेरना है वे भलीभांति जानते थे। मैं कह सकता हूं कि हमने एक ऐसे कार्यकर्ता को जल्दी खो दिया है जो हमेशा पार्टी की बात को आगे रखकर पार्टी को मजबूत करने का प्रयास करते थे। विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि स्व. सलूजा का असामयिक चले जाना भाजपा संगठन के लिए अपूरणीय क्षति है। उनका चेहरा और वाणी विपक्ष को हमेशा परेशान करती थी। उनके व्यक्तित्व में विशिष्ट कार्यशैली और शब्दों में तीव्रता थी, जिससे विपक्ष भी हमेशा परेशान रहता था। उनके चले जाने से पार्टी में रिक्तता आयी है। आज हमें विश्वास नहीं होता है कि वह हंसता, खिलखिलाता चेहरा अचानक हम सभी के बीच से ओझल हो गया। वे हम सबकी स्मृतियों में हमेशा रहेंगे। मैं भारतीय जनता पार्टी की ओर से उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि परिवारजनों को इस असहनीय पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करें।

पूर्व केंद्रीय मंत्री व वरिष्ठ नेता सुरेश पचौरी, पार्टी के प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेंद्र शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, कांग्रेस प्रवक्ता फिरोज सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र शर्मा, सुरेश शर्मा, रविंद्र जैन, विजय शुक्ला, श्रीमती विजया पाठक, नितेंद्र शर्मा, अनुराग श्रीवास्तव, शेफाली गुप्ता ने संबोधित कर स्व. नरेन्द्र सलूजा को श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि सभा में पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष सीमा सिंह, प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, भोपाल जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति सहित पार्टी पदाधिकारीगण, पत्रकारगण एवं कार्यकर्ताओं ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

स्व. नरेंद्र का व्यक्तित्व प्रखर और निडर था- हितानंद

प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा कि स्व. नरेंद्र सलूजा का व्यक्तित्व प्रखर और निडर था। वह सूचना के स्रोत थे। स्व. सलूजा ने पार्टी को हमेशा आगे और स्वयं को पीछे रखकर कार्य किया। उन्होंने कांग्रेस में रहते हुए कांग्रेस के लिए और भारतीय जनता पार्टी में आने के बाद हमारी पार्टी के लिए पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम कर जनता के बीच पार्टी की बात को रखने का काम किया। उन्होंने हमेशा कार्यकर्ता के तौर पर पार्टी का कार्य करने के लिए सबसे आगे की पंक्ति में खड़े रहते थे। नरेंद्र सलूजा का अचानक चला जाना हम सब के लिए पीड़ादायक और पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, विनय मिश्रा द्वारा मृणाल पब्लिकेशंस, 13, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 194 रेडियो कालोनी इंदौर से प्रकाशित। संपादक श्रीमती शोभना मिश्रा, प्रबंध संपादक व्ही. के. मिश्रा*, फोन- फैक्स नं. 0731-2700552, मो. 9425910888, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा) *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। डॉक पंजीयन क्रमांक एमपी/आईडीसी/1359/2014-16, RNI. Reg. MPHIN/2009/35176.